@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 25 दिसंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 45 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संसद का समय बर्बाद करने के लिए मांगे माफी: फडणवीस

मुंबई, 24 दिसंबर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस पर संसद का समय बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के डॉ. बीआर आंबेडकर के बारे में दिए बयान को लेकर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को मंगलवार को नाटक करार दिया। साथ ही कहा कि संसद का समय बर्बाद करने के लिए कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिखाया है कि कैसे गांधी परिवार ने हमेशा आंबेडकर का विरोध किया। शाह के खिलाफ कांग्रेस के राष्ट्वव्यापी विरोध के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह नाटक है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को अमित शाह का अधूरा वीडियो ट्वीट करने और संसद का समय बर्बाद करने तथा अब लोगों का समय बर्बाद करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने कभी आंबेडकर को सम्मान नहीं दिया, लेकिन अब वह राजनीति के लिए उनके नाम का इस्तेमाल करना चाहती है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि बीड जिले में हाल ही में हुई सरपंच की हत्या को विपक्ष राजनीति का रूप देने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी व्यक्ति बीड जिले के लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश नहीं करेगा। उन्होंने भाजपा विधायक सुरेश के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने स्थानीय राकांपा नेता वाल्मिक कराड की गिरफ्तारी की मांग की थी। सुरेश ने यह भी कहा था कि मुख्यमंत्री को खुद बीड जिले का गार्जियन मंत्री बनना चाहिए। इस पर फडणवीस ने कहा, मैं और उपमुख्यमंत्रियों अजित पवार और एकनाथ शिंदे मिलकर तय करेंगे कि कौन गार्जियन मंत्री बनेगा, लेकिन बीड में किसी को भी लोगों को धमकाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान पिछले हफ्ते शाह ने कहा था, अभी एक फैशन हो गया है - आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।

विरोधियों पर लगाया नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में पैसे बांटने का आरोप: केजरीवाल

सिम्मी कौर बब्बर

दिल्ली, 24 दिसंबर। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर राजधानी में सियासी सरगर्मी बढ़ती जा रही है। सत्ता पक्ष की आम आदमी पार्टी (आप) ने विरोध दल पर वोट खरीदने का आरोप लगाया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स अकाउंट पर लिखा है कि इन लोगों ने मेरी विधानसभा में अभी से वोट खरीदने का काम शुरू कर दिया। खुलेआम 1000 रुपये प्रति वोट कैश दे रहे हैं। आम आदमी पार्टी सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर नई दिल्ली से चुनावी मैदान में हैं। दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी कालकाजी सीट से चुनाव लड़ रही हैं। आम आदमी पार्टी ने मालवीय नगर से सोमनाथ भारती को उतारा है। ग्रैटर कैलाश से मंत्री सौरभ भारद्वाज प्रत्याशी हैं। बाबरपुर से मंत्री गोपाल राय और तिलक नगर से जरनैल सिंह को चुनावी मैदान में उतारा है। सत्येंद्र कुमार जैन शकूर बस्ती से, मुकेश कुमार अहलावत सुल्तानपुर माजरा से, रघुविंदर शौकीन नांगलोई जाट से, सोम दत्त सदर बाजार से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं पार्टी ने मनीष सिसोदिया को इस बार जंगपुरा से चुनाव मैदान में उतारा है। पांच मुस्लिम समुदाय से उम्मीदवार उतारे हैं। 10 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। यानी 15 फीसदी महिलाओं को जगह दी है। अब आप ने 70 सीट पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। पार्टी ने पहली सूची में 11 सीटों पर उम्मीदवारों का एलान किया था। वहीं, दूसरी सूची में 20 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए। पार्टी ने अपनी तीसरी सूची में एक नाम की घोषणा की थी। चौथी व अंतिम सूची में 38 नामों की घोषणा की गई है। अगले साल फरवरी में दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों पर चुनाव होना है। जिसकी तैयारियों को लेकर आम आदमी पार्टी पूरे जोश में काम कर रही है। अभी दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान अभी हुआ नहीं है। 2020 में हुए चुनाव में आम आदमी पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल किया था और 70 में से 62 सीटें जीती थीं। भाजपा के खाते में 8 सीटें गई थीं, जबकि कांग्रेस के हाथ खाली रहे थे।

जांच अधिकारियों को लाभ पहुंचाने के लिए डेटा समृद्ध मंच बनाएं एनसीआरबी

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) को एक डेटा-समृद्ध प्लेटफॉर्म विकसित करने का निर्देश दिया है, जो जांच अधिकारियों और आपराधिक न्याय प्रणाली के अन्य हितधारकों की मदद करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने यह निर्देश नई दिल्ली में एनसीआरबी के साथ तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिया। इस बैठक में अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और प्रणाली (सीसीटीएनएस 2.0), राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस), जेल, अदालत, अभियोजन और फॉरेंसिक्स को अंतर-संचालित आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस 2.0) के साथ अखिल भारतीय स्तर पर एकीकृत करने की प्रगति की समीक्षा की गई। इस बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, एनसीआरबी के निदेशक और गृह मंत्रालय, एनसीआरबी और एनआईसी के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक के दौरान गृह मंत्री ने एनसीआरबी से आग्रह किया कि नए आपराधिक कानूनों को आईसीजेए 2.0 में पूरी तरह लागू किया जाए और हर राज्य व केंद्र शासित प्रदेश में ई-साक्ष्य, न्याय श्रुति, ई-साइन और ई-समन जैसे एप्लिकेशन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए अमित शाह ने कहा कि सभी आपराधिक मामलों में पंजीकरण से लेकर मामले के निपटान तक पूर्व-निर्धारित चरणों और समय-सीमाओं पर अलर्ट जनरेट होने चाहिए, ताकि पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं को लाभ मिल सके।

आज की कांग्रेस जाली है, जिसका नेतृत्व नकली गांधी कर रहे हैं: प्रह्लाद जोशी

कौमी संवाददाता

बंगलूरू, 24 दिसंबर। कर्नाटक के हुबली में आज आग लगने की एक घटना में नौ अयप्पा मालाधारी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए केसीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे। अस्पताल से निकलने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने कांग्रेस द्वारा महात्मा गांधी के ऐतिहासिक 1924 बेलगावी सत्र के शताब्दी समारोह की तैयारी पर प्रतिक्रिया दी और आज की कांग्रेस को नकली बताया। अस्पताल से निकलकर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मीडिया से बात दी। उन्होंने कांग्रेस द्वारा महात्मा गांधी के ऐतिहासिक 1924 बेलगावी सत्र के शताब्दी समारोह की तैयारी पर प्रतिक्रिया दी। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर पैसे की बर्बादी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस सम्मेलन आयोजित कर पैसे बहा रही है। हम पूछना चाहते हैं कि महात्मा गांधी

और आज की कांग्रेस के बीच क्या संबंध है। आपकी कांग्रेस असली नहीं है। यह कांग्रेस लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव में भरोसा नहीं करती है और बीआर आंबेडकर का अपमान करती है। केंद्रीय मंत्री ने सोनिया गांधी और उनके परिवार पर तंज कसते हुए कहा, आज की कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी के समय की कांग्रेस पार्टी जैसी नहीं है। यह नकली कांग्रेस और नकली गांधीवादी है। उन्होंने आगे कहा, कई बार टूटने के कारण कांग्रेस अब बिखर गई है। आप नकली गांधी हैं।

हेमंत सोरेन सरकार ने कर्मचारियों को दिया नए साल का तोहफा

रांची, 24 दिसंबर। झारखंड सरकार ने मंगलवार को अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) को मौजूदा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर मूल वेतन का 53 प्रतिशत कर दिया। जो इस साल 1 जुलाई से प्रभावी होगा। सरकार ने महंगाई भत्ते में कुल 3 फीसदी की बढ़ोतरी की है।पेंशनभोगियों को मिलने वाली महंगाई राहत में भी 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर इसे भी 53 प्रतिशत कर दिया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में राज्य सरकार के कर्मचारियों के डीए और पेंशनभोगियों को महंगाई राहत में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि इस बढ़ोतरी से राज्य के तीन लाख से अधिक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ होगा। झारखंड सरकार के मंत्रिमंडल द्वारा कुल 10 प्रस्ताव पारित किए गए। जिनमें प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-यूएसएचए) के तहत हजारीबाग के विनोबा भावे विश्वविद्यालय (वीबीयू) के परिसर में बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय (एमईआरयू) के लिए 99.56 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति शामिल है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर राज्यों से सुझाव लेगी संयुक्त संसदीय समिति

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बनी संयुक्त संसदीय समिति अब राज्य के प्रतिनिधियों के मौखिक साक्ष्य रिकॉर्ड करने के लिए बैठक करेगी। यह बैठकें 26 और 27 दिसंबर को होगी। बताया जाता है समिति 26 दिसंबर को कर्नाटक, मध्यप्रदेश और राजस्थान के राज्य प्रतिनिधियों के सुझाव लेगी। जबकि 27 दिसंबर को उत्तर प्रदेश, ओडिशा और दिल्ली के प्रतिनिधियों से बात करेगी। गुरुवार को संसदीय समिति ने लखनऊ और राजस्थान से आए मुस्लिम प्रतिनिधियों से बात की। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के पूर्व कुलपति प्रोफेसर माहरुख मिर्जा और राजस्थान वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सैयद अबू बकर नकवी अपने प्रस्तावित संशोधनों के साथ आए। इस पर चर्चा हुई। सांसदों ने उनसे सवाल भी पूछे। इससे पहले बुधवर को वक्फ को लेकर बनी संसदीय समिति ने ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्यों के साथ बैठक की थी। समिति ने विधेयक पर बोर्ड के विचार सुने। वक्फ संशोधन विधेयक के लिए गठित समिति का कार्यकाल बजट सत्र 2025 के आखिरी दिन तक बढ़ाया गया है। लोकसभा ने इस प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी। समिति को इस सप्ताह के अंत तक रिपोर्ट देनी थी। मामले में समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल का कहना है कि समिति के सभी सदस्य इस बात पर सहमत हैं कि जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहिए। लोकसभा में आठ अगस्त को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की 14 साल से उड़ रहीं धज्जियां

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने बोरवेल और ट्यूबेल में गिरने को लेकर साल 2010 में दिशा-निर्देश दिए थे। मगर आज 14 साल से अधिक समय बाद भी लगातार हो रहीं घटनाएं यह दिखाती हैं कि शीर्ष अदालत के आदेश के अनुपालन में कितनी लापरवाही बरती जा रही है। साथ ही जागरूकता पैदा करने की कितनी जरूरत है। दरअसल, हाल ही में इस तरह की दुर्घटनाएं होने के बाद यह मुद्दा फिर से सामने आ गया है। इससे हताश और नाटकीय बचाव अभियान फिर शुरू हो गया है। हाल ही में, एक तीन साल की बच्ची चेतना राजस्थान के कोटपुतली-बहरोड़ जिले में एक खुले बोरवेल में गिर गई थी। उसे 150 फीट गहरे बोरवेल से बचाने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को तैनात किया गया था। इसके अलावा, नौ दिसंबर को पांच साल का आर्यन राजस्थान के दौसा में खेलते समय 150 फुट गहरे बोरवेल में गिर गया था और 55 घंटे के बचाव अभियान के बाद उसे बेहोश निकाला गया था और अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया था। दुखद ये है कि ऐसी त्रासदियों को रोकने के उद्देश्य से 11 फरवरी, 2010 को शीर्ष अदालत द्वारा जारी व्यापक दिशानिर्देशों के बावजूद ये घटनाएं हुई हैं। 11 फरवरी 2010 को शीर्ष अदालत द्वारा जारी

दिशा-निर्देशों में निर्माण के दौरान कुएं के चारों ओर कांटेदार तार की बाड़ लगाना, कुएं के ऊपर बोल्ट के साथ तय स्टील प्लेट कवर का उपयोग करना और नीचे से जमीनी स्तर तक बोरवेल को भरना शामिल था। ये निर्देश तब जारी किए गए थे जब तत्कालीन सीजेआई के जी बालकृष्णन की अगुवाई वाली एक पीठ ने 13 फरवरी, 2009 को देश में इस तरह की दुर्घटनाओं के बारे में अपने संज्ञान में लाने वाली एक पत्र याचिका पर स्वत संज्ञान लिया था। शीर्ष अदालत ने अधिकारियों से यह भी कहा था कि इस आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। उस आदेश में कहा गया था, इस अदालत के संज्ञान में लाया गया है कि कई मामलों में बच्चे बोरवेल और ट्यूबवेल या बेकार कुओं में गिर गए हैं। ये रिपोर्ट विभिन्न राज्यों से आ रही हैं। हमने स्वत पहल की और शीर्ष अदालत ने 11 फरवरी 2010 को अपने आदेश में कहा था कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए विभिन्न राज्यों को नोटिस जारी किया है। अदालत ने निर्देश दिया था कि सभी ड्रिलिंग एजेंसियों, सरकारी, अर्ध-सरकारी या निजी, का पंजीकरण अनिवार्य होना चाहिए। कुएं के पास निर्माण के समय निम्नलिखित विवरण के साथ एक साइनबोर्ड का निर्माण (ए) कुएं के निर्माण या पुनर्वास के समय ड्रिलिंग एजेंसी का पूरा पता, (बी) उपयोगकर्ता एजेंसी या मालिक का पूरा पता होना चाहिए।

सरकार दबा रही कलाकारों-लेखकों की आवाज: तस्लीमा नसरीन

तेजिन्दर कौर बब्बर

कोलकाता, 24 दिसंबर। निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर कलाकारों और लेखकों की आवाज दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी की सरकार ने राज्य में आयोजित थिएटर फेस्टिवल से उनके उपन्यास लज्जा पर आधारित नाटक को हटाने के लिए दबाव डाला। नसरीन ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उत्तर 24 परगना में गोबरदंगा नाट्योत्सव और हुगली में पांडुओ नाट्योत्सव में हस्तक्षेप किया। आयोजकों को धमकी दी कि अगर नाटक आयोजित किया गया तो इससे सांप्रदायिक दंगे भड़क सकते हैं। नसरीन ने एक पोस्ट में लिखा कि नाटक के शेड्यूल की घोषणा दो महीने पहले की गई थी, अचानक पुलिस ने आयोजकों पर लज्जा को सूची से हटाने के लिए दबाव डाला। उन्होंने यह बहाना बनाने के लिए बंगाल प्रशासन की आलोचना की कि नाटक से हिंसा हो सकती है। नसरीन ने अफसोस जताते हुए कहा, मुझे इस आशंका के साथ पश्चिम बंगाल छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा कि मेरी उपस्थिति कट्टरपंथियों को दंगों के लिए उकसाएगी। मैं समझ नहीं पा रही हूं कि दंगाइयों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है और लेखकों की स्वतंत्र

अभिव्यक्ति की आवाज को क्यों दबाया जा रहा है। भाजपा ने नसरीन के दावों का समर्थन किया है। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने ममता बनर्जी पर पाखंड का आरोप लगाया। उन्होंने कहा बांग्लादेश में कट्टरपंथियों और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के बीच थोड़ा अंतर खत्म हो गया है, क्योंकि वह कट्टरपंथ के खिलाफ विरोध के एक लोकप्रिय मंचीय नाटक की अनुमति नहीं दे रही हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे दंगे हो जाएंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में हिंदू पूजा स्थलों पर हमलों और मूर्तियों के अपमान को नजरअंदाज कर दिया है, जबकि उनकी नीतियों का विरोध करने वाले बुद्धिजीवियों को चुप करा दिया है। इसके अलावा, भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ममता बनर्जी से मुख्यमंत्री पद छोड़ने को कहा है। उन्होंने एक पोस्ट कर कहा, अगर ममता बनर्जी बंगाल में कानून-व्यवस्था संभालने में असमर्थ हैं और मुस्लिम वीटो से इतनी भयभीत हैं कि कला, संस्कृति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक को दबा दिया जा रहा है, तो उन्हें पद छोड़ने पर विचार करना चाहिए। वहीं, गोबरडांगा थिएटर फेस्टिवल के आयोजकों ने नाटक को हटाने की पुष्टि की, लेकिन इसके पीछे के कारण बताने से मना कर दिया। राज्य पुलिस ने भी इस मामले में किसी प्रकार की संलिप्तता की पुष्टि नहीं की।

सरकार संकट में किसानों के साथ, दुनिया की फूड बास्केट बन सकता है भारत

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी फसल का उचित मूल्य देने के लिए पिछले 10 वर्षों में एमएसपी को दोगुना किया गया है। यूपीए सरकार की तुलना में कई गुना अधिक खरीद की गई है... संकट के समय सरकार किसानों के साथ खड़ी है। पीएम मोदी ने हमेशा किसानों के हित में फैसले लिए हैं। कृषि मंत्री चौहान सोमवार को महाराष्ट्र दौरे पर थे। उन्होंने पुणे के गोखले राजनीति एवं अर्थशास्त्र संस्थान (एईआरसी) के प्लेटिनम जुबली सम्मेलन को संबोधित किया। चौहान ने कहा कि देश को दुनिया की फूड बास्केट (खाद्य टोकरी) बनाने के लिए भी सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में आने वाली सभी अड़चनों को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। चौहान ने कहा कि पीएम मोदी 25 दिसंबर को नदी जो ?ो परियोजना का शुभारंभ करेंगे। इससे देश में कई हिस्सों में आ रही बा? और कई हिस्सों में सूखे से निजात मिल सकेगी। इससे जहां ज्यादा बारिश होती है और जहां सूखा प ?ता है उन क्षेत्रों को इससे लाभ पहुंचेगा।

जनता बढ़ती कीमतों से जूझ रही, सरकार कुंभकरण की तरह सो रही: राहुल गांधी

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने मंगलवार को कहा कि जनता बढ़ती कीमतों से जूझ रही है और रोजमर्रा की जरूरतों की छोटी-छोटी चीजों से समझौता करने को मजबूर है जबकि सरकार कुंभकरण की तरह सो रही है। गांधी ने सोशल मीडिया मंच पर गिरि नगर में एक सब्जी बाजार के अपने हालिया दौरे और गृहिणियों के साथ बातचीत का एक वीडियो साझा किया, जिन्होंने खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण अपनी परेशानी बयां की थी। उन्होंने कहा, पिछले दिनों दिल्ली के एक किराना स्टोर का दौरा किया। किराना स्टोर्स सिर्फ सामान बेचने के माध्यम भर नहीं हैं। इनके ग्राहकों के साथ भावानात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव होता है, लेकिन क्विक कॉमर्स बिजनेस के तेजी से बढ़ने के कारण हजारों किराना स्टोर बंद हो रहे हैं, जो कि चिंताजनक है। उन्होंने आगे कहा, ऐसे में हमें एक संतुलन बनाने की आवश्यकता है - एक ऐसा सिस्टम जो टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को प्रोत्साहित करे, लेकिन उनके कारण जो गंभीर रूप से प्रभावित हों, उन्हें सुरक्षा जाल भी प्रदान करे। जब हमारी अर्थव्यवस्था में बदलाव हो रहा हो और हम ग्लोबल ट्रेंड्स के हिसाब से आगे बढ़ रहे हों तब यह सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है कि छोटे कारोबारियों का नुकसान न हो। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, लोग बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं और रोजमर्रा की जरूरतों की छोटी चीजों से समझौता करने के लिए मजबूर हैं। हमने लहसुन, मटर, मशरूम और अन्य सब्जियों की कीमतों पर चर्चा की और लोगों के वास्तविक अनुभवों को सुना। कैसे लहसुन 400 रुपये प्रति किलो और मटर 120 रुपये प्रति किलो ने सभी के बजट को हिला दिया है। उन्होंने इस बात पर ध्यान दिया कि लोग क्या खाएंगे और क्या बचाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि चाय पर बात करते हुए हमने गृहणियों के जीवन की समस्याओं को करीब से समझा- कैसे आय स्थिर रही, महंगाई अनियंत्रित रूप से बढ़ती रही। कैसे बचत करना असंभव हो गया है और कैसे सिर्फ खाने का खर्च उठाने के कारण 10 रुपये के रिक्शा के किराए की व्यवस्था करना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने यह

भी कहा कि अगर आपके पास कोई सुझाव है या आप कोई कहानी हमारे साथ साझा करना करना चाहते हैं, तो कृपया यहां भेजें। कांग्रेस नेता ने कहा, लहसुन कभी 40 रुपये था, आज 400 रुपये का है! बढ़ती महंगाई ने बिगाड़ा आम आदमी की रसोई का बजट - कुंभकरण की नींद सो रही सरकार! पांच मिनट के वीडियो में राहुल गांधी कुछ गृहणियों के साथ सब्जी खरीदते और विक्रेताओं के साथ सौदेबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। गृहिणियों ने कांग्रेस नेता से कहा कि उन्हें अपने खाने की आदतों में कटौती करनी होगी क्योंकि वे सब्जियों को खरीदने में असमर्थ हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मजदूरी स्थिर बनी हुई है, लेकिन कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। कांग्रेस ने खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों को लेकर सोमवार को मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा घोषित बुलेट ट्रेन अभी नहीं पहुंची है, लेकिन बुलेट ट्रेन की गति से भी तेज होती महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। कांग्रेस महासचिव प्रभारी संचार जयराम रमेश ने कहा था कि लोग जवाब चाहते हैं, जुमलाबाजी नहीं। उन्होंने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की थी जिसमें दावा किया गया था कि रोजाना जरूरी सामान के रेट दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं और पिछले एक साल में आटा, तेल, मसाले और ड्राई फ्रूट्स के दाम डेढ़ से दो गुना तक बढ़ गए हैं।

कर और राजस्व की प्रक्रिया को आसान बनाएं, परिणाम दें: अजित पवार

मुंबई, 24 दिसंबर। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को राज्य के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह कर संग्रह और राजस्व बनाने की प्रक्रिया आसान और प्रभावी बनाएं, ताकि राज्य की वित्तीय स्थिति को बेहतर किया जा सके। पवार ने राज्य सचिवालय में वित्त, योजना और उत्पाद शुल्क विभाग का कार्यभार संभालने के बाद अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को कर संग्रह और राजस्व सृजन के लिए ठोस कदम उठाने को कहा। राज्य के वित्त मंत्री ने बैठक में लंबित योजनाओं, राजस्व स्थिति और कोष (फंड) की जरूरतों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे किसान और आम नागरिक के कल्याण के लिए योजनाएं तैयार करें और सुनिश्चित करें

कि वे प्रभावी तरीके से लागू हों। पवार के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कर की चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके साथ राज्य के राजस्व को बढ़ाने, औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने, कृषि क्षेत्र को विकसित करने और रोजगार सृजन पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि राज्य में आर्थिक सुधार के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं, ताकि महाराष्ट्र की वित्तीय स्थिति मजबूत हो और राज्य की जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। बैठक में राज्य के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने पवार के निर्देशों पर चर्चा की और उन्हें क्रियान्वित करने के लिए अपनी रणनीतियों पर काम करने का आश्वासन दिया।

कानून का पालन करने में विफल रहने पर 2025 में रूस में ब्लॉक हो सकता है व्हाट्सएप

एजेंसी

मॉस्को। मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप मैसेंजर (रूस में चरमपंथ के कारण प्रतिबंधित) के 2025 में रूस में ब्लॉक होने की संभावना बढ़ जाएगी अगर इसका नेतृत्व रूसी कानून का पालन नहीं करता है। रशियन फेडरेशन काउंसिल में डिजिटल इकोनॉमी आर्टेम विकास परिषद के उपाध्यक्ष अर्टेम शेइकिन ने यह जानकारी दी। श्री शेइकिन ने कहा, यदि मैसेंजर कुछ आवश्यकताओं और दायित्वों को पूरा नहीं करता है, तो इसके अवरुद्ध होने की संभावना बढ़ सकती है। 2025 में रूस में व्हाट्सएप की स्थिति का विकास उपयोगकर्ताओं और पत्राचार के बारे में जानकारी संग्रहीत करने के मुद्दे पर मैसेंजर के प्रबंधन की स्थिति पर निर्भर करेगा और इसे संघीय सुरक्षा सेवा के अनुरोध पर प्रदान किया जा रहा है।÷उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि विदेशी कंपनियां समझें कि रूसी संघ के क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को अंजाम देकर, उन्हें हमारे देश के कानून का पालन करना होगा, अन्यथा उनका काम असंभव हो जाएगा।

पोलैंड 2025 में पहला जासूसी उपग्रह करेगा प्रक्षेपित

वारसॉ। पोलैंड अगले साल अपना पहला टोही उपग्रह लॉन्च करेगा। पोलिश विकास निधि और क्षेत्रीय नीति मंत्री कटारज़ीना पेल्ज़िनस्का-नालेज़ ने यह जानकारी दी। पेल्ज़िनस्का-नालेज़ ने 'एक्स' पर लिखा, अगले साल, पहला पोलिश टोही उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया जाएगा। 55 करोड़ ज़्लॉटी (13 करोड़ 40 लाख अमेरिकन डॉलर) से अधिक मूल्य के चार माइक्रोसैटेलाइट्स के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि उपग्रहों का सैन्य उद्देश्य होगा। पेल्ज़िनस्का-नालेज़ ने कहा, यह खुफ़िया डेटा इकट्ठा करने में पोलिश सशस्त्र बलों की क्षमताओं को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पोलिश कंपनी क्रेओटेक इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा क्रियान्वित की जाएगी।

रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में यूक्रेनी हमले में स्थानीय निवासी की मौत

मॉस्को। यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने रूस के ब्रांस्क क्षेत्र के क्लिमोव्स्की जिले पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप एक स्थानीय महिला की मौत हो गई। गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज़ ने यह जानकारी दी। श्री बोगोमाज़ ने टेलीग्राम पर कहा, यूक्रेनी आतंकवादियों ने क्लिमोव्स्की जिले के किरिलोव्का गांव पर हमला किया। आतंकवादी हमले के परिणामस्वरूप गांव की एक महिला की मौत हो गयी। श्री बोगोमाज़ ने कहा कि यूक्रेनी सेना ने क्रास्नी बोर गांव पर भी हमला किया था, जिससे एक स्थानीय नागरिक के सीने और चेहरे पर चोट आई थी। शख्स को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुतिन ने जनवरी 2025 में विदेश यात्रा की बनाई योजना

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले साल जनवरी में विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने यह जानकारी दी। समाचार एजेन्सी 'स्पूतनिक' के अनुसार राष्ट्रपति की आगामी विदेश यात्राओं के बारे में पूछे जाने पर श्री पेस्कोव ने कहा, वे (यात्राएं) जनवरी में होंगी। उन्होंने यह नहीं बताया कि वास्तव में यात्रा योजना कहां के लिए बनायी गयी है। उन्होंने कहा, हम आपको बाद में बताएंगे।

ट्रंप ने अमेरिकी अरबपति फीनबर्ग को उप रक्षा मंत्री चुना

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उप रक्षा मंत्री के पद के लिए अमेरिकी अरबपति स्टीफन फीनबर्ग को नियुक्ति करने की घोषणा की है। श्री ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ' पर कहा, स्टीफन फीनबर्ग उप रक्षा मंत्री के रूप में काम करेंगे और पेंटागन (रक्षा मंत्रालय) को फिर से और मजबूत बनाने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि सेर्बेरस कैपिटल मैनेजमेंट के संस्थापक एवं प्रमुख फीनबर्ग ने पहले ट्रंप प्रशासन के दौरान खुफिया सलाहकार समूह का नेतृत्व किया था। उनके पास करीब 4.8 अरब डॉलर की संपत्ति है।

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर अमेरिकी स्वामित्व की इच्छा का दिया संकेत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड में एक नया अमेरिकी राजदूत नियुक्त करने के अपने फैसले पर टिप्पणी करते हुए ग्रीनलैंड पर अमेरिकी स्वामित्व को बेहद जरूरी बताया। उल्लेखनीय है कि ग्रीनलैंड 1953 तक डेनमार्क का उपनिवेश था। यह राज्य का ही हिस्सा बना रहा लेकिन वर्ष 2009 में इसे स्वशासन और घरेलू नीति में स्वतंत्र विकल्प बनाने की क्षमता के साथ स्वायत्तता प्राप्त हुयी। श्री ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा दुनिया भर में राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वतंत्रता के उद्देश्यों के लिये अमेरिका को लगता है कि ग्रीनलैंड का स्वामित्व और नियंत्रण एक बहुत ही जरूरी है। राजनेता ने कहा कि डेनमार्क में राजदूत पद के लिए उनके नामांकित व्यक्ति, स्वीडन में पूर्व अमेरिकी राजदूत और उद्यमी केन होवेरी, अमेरिका के हितों का प्रतिनिधित्व करने में एक अद्भुत काम करेंगे। वर्ष 2019 में श्री ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड खरीदने पर विचार करने के बारे में मीडिया रिपोर्टों की

एक श्रृंखला सामने आई। श्री ट्रम्प ने बाद में पत्रकारों से पुष्टि की कि वह इस मुद्दे में रणनीतिक रूप से रुचि रखते हैं। वहीं ग्रीनलैंड ने कहा कि द्वीप बिक्री के लिए नहीं है और डेनमार्क ने बिक्री के विचार को ही बेतुका बताते हुए उम्मीद जताई कि श्री ट्रम्प मजाक कर रहे हैं। अमेरिकी होमलैंड सुरक्षा विभाग के पूर्व अधिकारी माइल्स टेलर ने अगस्त 2020 में एमएसएनबीसी के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि श्री ट्रम्प की दिलचस्पी इस बात में थी कि क्या ग्रीनलैंड के लिए प्यूर्टो रिको का आदान-प्रदान किया जा सकता है।

अफगान सरकार करेगी पूर्व सरकारों में तालिबान के साथ संबंधों के आरोपियों का पुनर्वास

काबुल। अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने पूर्व रिपब्लिकन सरकार के दौरान तालिबान (आतंकवाद के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित) के साथ संबंधों के दोषी पाए गए लोगों के पुनर्वास और आपराधिक रिकॉर्ड की समाप्ति के लिए एक आदेश जारी किया है।यह जानकारी अफगान सरकार की प्रेस सेवा ने सोमवार को दी। बयान के अनुसार, आदेश में 10 विषय शामिल हैं और न्यायिक, कानून प्रवर्तन एवं पर्यवेक्षी अधिकारियों को अफगान नागरिकों और देश के इस्लामी अमीरात से जुड़े लोगों से संबंधित सभी रिकॉर्ड हटाने का निर्देश दिया गया है।

रूस में और सैनिक, आत्मघाती ड्रोन भेजने की तैयारी में उत्तर कोरिया: सोल

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया की सेना ने दावा किया कि उत्तर कोरिया यूक्रेन के खिलाफ मॉस्को की मदद के लिए अतिरिक्त सैन्य टुकड़ियां और सैन्य उपकरण भेजने की तैयारियां कर रहा है। सैन्य उपकरणों में आत्मघाती ड्रोन भी शामिल हो सकते हैं। योनहाप समाचार एजेंसी के मुताबिक सोल की जासूसी एजेंसी के अनुसार, यह आकलन ऐसे समय में किया गया जब माना जा रहा है कि प्योंगयांग ने यूक्रेन के खिलाफ रूस की तरफ से लड़ने के लिए हजारों सैनिक भेजे हैं।

रूस में हताहत हुए उत्तर कोरियाई सैनिकों की संख्या लगभग 1,100 होने का अनुमान है। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा, ÷विभिन्न खुफिया सूचनाओं के व्यापक आकलन से पता चलता है कि उत्तर कोरिया (रूस में) सैनिकों की तैनाती को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। वह 240 मिलीमीटर रॉकेट लांचर और 170 मिमी स्व-चालित तोपखाने की सप्लाई भी कर रहा है। जेसीएस ने कहा, उत्तर कोरिया के आत्मघाती ड्रोनों को बनाने और सप्लाई करने की दिशा में आगे बढ़ने के भी कुछ संकेत हैं। पिछले महीने, उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि किम ने विभिन्न प्रकार के आत्मघाती हमलावर ड्रोनों की टेस्टिंग को देखा था।

उन्होंने इन हथियारों के पूर्ण पैमाने पर उत्पादन की बात कही थी, जो आधुनिक युद्ध में तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। जेसीएस के एक अधिकारी ने बताया कि सेना इस बात के संकेत मिलने के बाद कि उत्तर कोरिया ने रूस को युद्धक हथियार मुहैया कराने की मंशा जताई है, हालात पर नजर रख रही है। गौरतलब है कि दक्षिण कोरिया और उसका सहयोगी अमेरिका यह दावा करते रहे हैं कि प्योंगयांग ने हजारों की संख्या में यूक्रेन में सैनिक तैनात किए हैं।

ट्रम्प ने खुलेआम पनामा नहर पर कब्जा करने की दी धमकी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी पहली बड़ी रैली में पनामा नहर पर नियंत्रण वापस लेने की धमकी दी है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विवाद खड़ा हो गया।

ट्रंप ने कहा है कि उनका प्रशासन पनामा नहर को दोबारा हासिल करने की कोशिश करेगा। इतना ही नहीं, ट्रंप ने अमरिका के इस फैसले पर ये भी कहा कि पनामा नहर को 'मूर्खतापूर्ण' तरीके से सौंपा गया है। इस टिप्पणी के बाद पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे उनके देश की संप्रभुता का अपमान करार दिया है। बतादें कि पनामा नहर अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ती है। वर्ष 1900 के दशक की शुरुआत में ही अमेरिका ने इसका निर्माण कॉमर्शियल और सैन्य जहाजों के आवागमन को आसान बनाने के लिए किया गया था। साल 1977 में राष्ट्रपति जिमी कार्टर द्वारा हस्ताक्षरित एक संधि के

तहत 1999 में अमेरिका ने इस नहर का नियंत्रण पनामा को सौंप दिया था। यह नहर पनामा की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा है, लेकिन हाल ही में पड़े सूखे और किराया बढ़ने के कारण यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा था।

पाकिस्तान की सैन्य अदालत के फैसले पर अमेरिका-ब्रिटेन ने उठाया सवाल, इमरान समर्थक 25 प्रदर्शनकारियों को सुनाई है सजा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अरसे से सवालों के घेरे में रहे पाकिस्तान की सैन्य अदालत को लेकर अमेरिका और ब्रिटेन ने एकबार फिर सवाल उठाया है। एकदिन पहले पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने इमरान खान के 25 समर्थकों को दो-दस साल की सजा सुनाई। इन्हें 2023 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुए प्रदर्शनों के दौरान सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का आरोपी बनाया गया था।

पाकिस्तान की सैन्य अदालत के सोमवार के फैसले को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वाशिंगटन इसे लेकर बहुत चिंतित है कि 9 मई 2023 को विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए एक सैन्य कोर्ट ने पाकिस्तानी नागरिकों को

सजा सुनाई है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि, सैन्य अदालतों में नागरिकों पर मुकदमा चलाने में पारदर्शिता, स्वतंत्र जांच का अभाव है और यह निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को कमजोर करता है। इस फैसले पर यूरोपीय संघ का भी बयान सामने आया है। यूरोपीय संघ ने कहा कि ये सजाएं नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय अनुबंध के तहत पाकिस्तान की प्रतिबद्धताओं से मेल नहीं खातीं हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद इमरान खान के समर्थक 9 मई 2023 को उनकी गिरफ्तारी को लेकर उग्र हो गए थे। गिरफ्तारी का तीखा विरोध करते हुए उनके समर्थकों ने कई सैन्य प्रतिष्ठानों व वाहनों को निशाना बनाया था। इमरान खान की रिहाई को लेकर उनके समर्थक लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद से इमरान खान को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है। इसके खिलाफ इमरान की पार्टी पीटीआई समर्थक लगातार प्रदर्शन करते रहे हैं।

98 कंगारुओं की मौत के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

सिडनी । सिडनी के उत्तर में 98 कंगारुओं के मृत पाए जाने के मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। उस पर पशु क्रूरता के आरोप लगाए गए हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने 8 अक्टूबर को पूर्वी तटीय राज्य न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) में सिडनी से लगभग 140 किलोमीटर उत्तर में सिंगलटन शहर में कंगारुओं को मृत पाया था। कंगारू संघीय सरकार के स्वामित्व वाली भूमि पर मृत पड़े थे और उनके पास हथियार और दो कारतूस भी पड़े थे। जारी एक बयान में, एनएसडब्ल्यू पुलिस ने कहा कि जांच के बाद 43 वर्षीय एक शख्स पर घटना के संबंध में छह अपराधों के आरोप लगाए गए हैं।शुक्रवार को सिंगलटन से लगभग 70 किलोमीटर पूर्व में विलियमटाउन में एक संपत्ति पर छापेमारी के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया गया। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने बताया कि तलाशी वारंट पर कार्रवाई करते समय, अधिकारियों ने तीन हथियार जब्त कर लिया। क्षेत्र में एक दूसरी

संपत्ति से भी कई हथियार जब्त किए गए। आरोपी पर जो आरोप लगाए गए हैं, उनमें प्रमुख हैं - किसी पशु पर घोर क्रूरता का कृत्य करना, राष्ट्रमंडल के निषिद्ध क्षेत्र में हथियार चलाना, राष्ट्रमंडल की भूमि पर अतिक्रमण करना, हथियार को सुरक्षित तरीके से न रखना, संरक्षित पशु को नुकसान पहुंचाना या नुकसान पहुंचाने की कोशिश करना आदि शामिल हैं। आरोपी को सोमवार, 13 जनवरी, 2025 को रेमंड टेरेस लोकल कोर्ट के समक्ष पेश होने के लिए सख्त सशर्त जमानत दी गई। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने एक बयान में यह जानकारी दी। कंगारू हर ऑस्ट्रेलियाई राज्य और क्षेत्र में संरक्षित देशी जानवर हैं। एनएसडब्ल्यू में किसी संरक्षित जानवर को नुकसान पहुंचाने का दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को प्रत्येक अपराध के लिए अधिकतम दो साल की कैद की सजा हो सकती है। कंगारू ऑस्ट्रेलिया की पहचानों में एक माना जाता है। कंगारू और एमु ऑस्ट्रेलियाई कोट ऑफ आर्म्स पर अंकित हैं। यह सिक्कों पर भी देखने को मिलते हैं।

नेपाल में हुई पुरातात्विक खुदाई में मिला कोलिया गणराज्य के शहर का अवशेष

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-भारत की सीमा में रहे भगवान गौतम बुद्ध के जन्मभूमि लुंबिनी के पड़ोसी जिले में पुरातात्विक खुदाई में एक प्राचीन शहर का अवशेष मिला है। पहिया आकार के इस खंडहर के प्राचीन गणराज्य का अवशेष होने की बात कही गई है। लुंबिनी के पड़ोस में रहे नवलपरासी जिले के रामग्राम के पंडितपुर में हुए पुरातात्विक खुदाई के दौरान %पहिया आकार% शहर के खंडहरों के मिलने की जानकारी दी गई है। माना जा रहा है कि यह खंडहर भगवान गौतम बुद्ध के समय रहे प्राचीन राज्य कोलिया गणराज्य के समय की है। नेपाल पुरातत्व विभाग के प्रमुख भास्कर ज्ञवाली ने कहा कि खुदाई के दौरान महत्वपूर्ण कलाकृतियां पाई गईं, जिससे कोलिया गणराज्य के विभिन्न शहरों में हुआ कर्ती थी। इस खुदाई के बारे में जानकारी देने हुए ज्ञवाली ने बताया कि पिछले एक महीने से जारी पुरातात्विक खुदाई में पहियानुमा आकार का प्राचीन शहर के कई अवशेष मिले हैं। उन्होंने बताया कि सन 2018-19 में प्रारंभिक सर्वेक्षण के दौरान इस क्षेत्र में पुरातन महल के अवशेष होने का अनुमान लगाया गया था। आसपास के क्षेत्र को अपने अधीन में लेकर जब पूर्व विभाग

ने खुदाई कि तो वहां मिले अवशेष के आधार पर यह पुष्टि हो गया है कि यह सभी अवशेष कोलिया गणराज्य के हैं।

ज्ञवाली ने बताया कि इस क्षेत्र के सांस्कृतिक इतिहास का अध्ययन करने के लिए एक साइट पर तीन मीटर गहरा गड्ढा खोदा गया था, जिसमें बुद्ध और मौर्य काल के साथ-साथ मुगल काल के मानव बस्तियों के अवशेष भी मिला है। इसके अतिरिक्त, संतरी पोस्ट के अवशेष, मिट्टी के बर्तन के अवशेष, पशु मूर्तियों, गहने और विभिन्न कलाकृतियों के अवशेष मिलने की जानकारी भी दी गई है। इन अवशेषों के मिलने के साथ ही पुरातात्विक स्थल को संरक्षण क्षेत्र घोषित करते हुए पंडितपुर के पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण के 1,000 वर्गमीटर के दायरे में किसी भी प्रकार के नई संरचनाओं का निर्माण निषेध किया गया है।

पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तबियत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन (78) को बुखार आने के बाद वाशिंगटन डीसी के मेडस्टार जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह जानकारी उनके डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ एंजेल उरेना ने दी।

उरेना ने सीएनएन को बताया, 'पूर्व राष्ट्रपति क्लिंटन की तबीयत ठीक है।' उन्होंने आगे कहा कि वे अच्छे मूड में हैं और क्रिसमस तक घर लौटने की उम्मीद कर रहे हैं। क्लिंटन वाशिंगटन में अपने आवास पर थे जब उन्हें अस्पताल ले जाने का फैसाल किया गया। पूर्व राष्ट्रपति कथित तौर पर 'होश में हैं और अलर्ट' हैं। डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं और उनकी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उनकी मेडिकल टीम उनके ठीक होने को लेकर आशावादी है। बिल क्लिंटन जनवरी 1993 से जनवरी 2001 तक अमेरिका के

राष्ट्रपति पद रहे । 42वें राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने करीब 25 साल पहले व्हाइट हाउस छोड़ा था। पिछले कुछ वर्षों में वह कई स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। 2004 उनकी क्यूडेरपल बाईपास हार्ट सर्जरी हुई, जबकि 2005 में फेफड़े की सर्जरी हुई। 2010 में उन्हें कोरोनरी स्टेंट लगाए गए और 2021 में गंभीर ब्लड इंफेक्शन के लिए उनका इलाज किया गया। इस दौरान उन्हें लॉस एंजिल्स में छह दिनों के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। इन शारीरिक परेशानियों के बावजूद, क्लिंटन सार्वजनिक रूप से काफी एक्टिव रहते हैं। उन्होंने इस गर्मी में शिकागो में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में भाषण दिया और अपनी पुस्तक ÷सिटीजन÷ माई लाइफ आफ्टर द व्हाइट हाउस÷ के प्रचार के लिए यात्रा करते हुए काफी समय बिताया।

अगस्त में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में बोलते हुए क्लिंटन ने कहा, भले ही मैं 23 साल से अधिक समय से व्हाइट हाउस से दूर हूं, लेकिन एक भी दिन ऐसा नहीं जाता जब मैं भगवान को इस बात के लिए धन्यवाद न दूं कि मुझे सेवा करने का मौका मिला और इसके क्या मायने हैं।

बांग्लादेश में मुक्ति योद्धा का अपमान, जूतों की माला पहनाकर पूरे गांव में घुमाया

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में एक स्वतंत्रता सेनानी (मुक्ति योद्धा) के साथ शर्मनाक हरकत हुई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल हई कानु को जूतों की माला पहनाकर उनके गांव कुमिल्ला में घुमाया गया। यह घटना यूनुस सरकार के दौरान हुई है, जिसने बांग्लादेश की सांस्कृतिक और सामाजिक स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि अब्दुल हई कानु, जो कुमिल्ला के चौदहग्राम स्थित लुदियारा गांव के निवासी हैं, जूतों की माला पहने हुए हैं। वह अपने घर के पास हाथ जोड़कर खड़े हैं, जबकि उनके सामने बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं। भीड़ उनसे माफी मांगने और गांव छोड़ने की मांग कर रही है। स्वतंत्रता सेनानी उन्हें विनती करते हुए कहते हैं कि उन्हें गांव से जाने के लिए मजबूर न

करें लेकिन भीड़ में से कुछ लोग चिल्लाते हैं, क्या हम इतने वर्षों तक अपने घरों में रह सके? इस घटना के बाद से सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है। घटना की व्यापक निंदा हो रही है, लेकिन स्वतंत्रता सेनानी और आरोपितों दोनों का फिलहाल कोई पता नहीं है। स्थानीय पुलिस के अनुसार, इस मामले में जांच शुरू कर दी गई है, लेकिन अब्दुल हई कानु द्वारा कोई शिकायत दर्ज न कराने के कारण जांच में रुकावट आ रही है। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल लोग स्थानीय नहीं लगते और उनकी पहचान के लिए प्रयास जारी हैं।

हमास नेता हानिया की हत्या के पीछे इजरायल का हाथ

एजेंसी

मॉस्को। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने पहली बार स्वीकार किया है कि तेहरान में फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हानिया की हत्या के पीछे इजरायल का हाथ था।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग, ढाका ने नई दिल्ली को भेजा राजनयिक नोट

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत सरकार को एक राजनयिक नोट भेजकर, देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना को 5 अगस्त को अपना देश छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी थी। अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने सोमवार दोपहर ढाका में कहा, ÷हमने भारत को सूचित किया है और न्यायिक उद्देश्यों के लिए शेख हसीना की वापसी का अनुरोध किया है। यह एक नोट वर्बेल (राजनयिक नोट) के माध्यम से संप्रेषित किया गया है। इससे पहले दिन में देश के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने भारत से

अपदस्थ प्रधानमंत्री की वापसी के लिए हुसैन के कार्यालय को पत्र लिखा है। देश के प्रमुख बंगाली दैनिक प्रथम आलो ने चौधरी के हवाले से कहा, हमने उसके प्रत्यर्पण के संबंध में विदेश मंत्रालय को पत्र भेजा है। प्रक्रिया अभी चल रही है। उनका हमारे साथ प्रत्यर्पण समझौता है। शेख हसीना की सत्ता के पतन के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और विशेष तौर पर हिंदू समुदाय और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जाने लगा। मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में स्थापित अंतरिम सरकार पर अल्पसंख्यकों को सुरक्षा न दे पाने के आरोप लगते रहे हैं।

भारत ने लगातार हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ धमकियों और टारगेटेड हमलों के मुद्दे को बांग्लादेश सरकार के सामने मजबूती से उठाया है।

पिछले दिनों विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी बांग्लादेश यात्रा के दौरान बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चरमपंथी बयानबाजी और हिंसा की घटनाओं को लेकर पड़ोसी देश के साथ नई दिल्ली की चिंताएं साझा की। शेख हसीना और उनकी पार्टी आवामी लीग अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों की कड़े शब्दों में निंदा करती रही है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम (सेवानिवृत्त) बने एनएचआरसी अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश वी. रामसुब्रमण्यम को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। एनएचआरसी देश में मानवाधिकारों के संरक्षण और संवर्धन से जुड़ा शीर्ष निकाय है। राष्ट्रपति सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को एक चयन समिति की सिफारिश पर एनएचआरसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करते हैं। एनएचआरसी ने ट्वीट में बताया कि राष्ट्रपति ने न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम (सेवानिवृत्त) को अध्यक्ष, और प्रियांक कानूनगो और डॉ. न्यायमूर्ति विद्युत रंजन सारंगी (सेवानिवृत्त) को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत के सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा के 1 जून को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से एनएचआरसी अध्यक्ष का पद खाली पड़ा था। उनके बाद एनएचआरसी की सदस्य विजया भारती सयानी इसकी कार्यवाहक अध्यक्ष बनीं।

संविधान की 75वीं वर्षगांठ कार्यक्रम के तहत वडनगर में सुशासन पदयात्रा करेंगे मंडाविया

नई दिल्ली। भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के वर्षभर चलने वाले समारोह के हिस्से के रूप में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में गुजरात के वडनगर में सुशासन पदयात्रा करेंगे। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मस्थान वडनगर ऐतिहासिक महत्व रखता है और इस उत्सव में एक अनूठा सांस्कृतिक आयाम जोड़ता है। स्थानीय विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, गैर सरकारी संगठनों और स्वयंसेवी निकायों के 15 हजार से अधिक 'माय भारत युवा स्वयंसेवक' पदयात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। इस ऐतिहासिक मार्च में केंद्र और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ मंत्रियों के भी शामिल होने की उम्मीद है।

केजरीवाल के झूठे आंदोलन के पीछे भाजपा खड़ी थी: देवेन्द यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को रामलीला मैदान में बैठाकर उनको दिल्ली की सत्ता पर काबिज करवाने वाली भाजपा, कांग्रेस पार्टी की तुलना भ्रष्टाचारी आम आदमी पार्टी से करने से पहले अपने गिरेबान में झांके। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली ही नहीं, पूरा देश जानता है कि केजरीवाल के झूठे आंदोलन के पीछे भाजपा खड़ी थी। सत्ता हथियाने के लिए भाजपा और आम आदमी पार्टी दिल्ली में कोई कसर नही छोड़ रही है लेकिन दिल्ली की जनता इनके भ्रष्टाचार, कुशासन और दिल्ली के विकास की अनदेखी को अच्छी तरह जान चुकी है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि देश की सरकारी संस्थाओं को पूंजीपति के हाथों में सौंपकर देश में बेरोजगारी और महंगाई के रिकॉर्ड तोड़ने वाली भाजपा कांग्रेस के कॉमन वेल्थ घोटाला की बात करती है जबकि निगम में रहते हुए दिल्ली के हर कोने में शराब के ठेके खोलने और केजरीवाल के साथ शराब घोटाले में बराबर के राजदार रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की दिल्ली सरकार के 15 वर्षों के शासन में कोई मंत्री, अधिकारी किसी भी तरह के भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध नहीं हो सके और ना ही किसी मंत्री को जेल हुई जबकि केजरीवाल सहित उनका लगभग पूरा मंत्रिमंडल गैर कानूनी लेन-देन और आबकारी नीति को लागू करने में हुई अनियमितताओं के कारण भारी घोटाले किए और शीश महल में 175 करोड़ की बर्बादी दिल्ली की जनता के समाने है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने बाबा साहेब के खिलाफ बयानबाजी पर गृहमंत्री से इस्तीफे की मांग की

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में प्रेस वार्ता कर संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर का संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा अपमान करने के खिलाफ उनके इस्तीफे की मांग की। आगे उन्होंने घोषणा की कि दिल्ली कांग्रेस मंगलवार को सभी 14 जिला कांग्रेस कमेटियों, 70 विधानसभाओं के ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों में अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर पदयात्रा निकाली जाऐंगी।देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछ्ले 10 वर्षो से केन्द्र की भाजपा सरकार लगातार देश के गरीब, वंचित और दलितों पर प्रहार करने के साथ-साथ संविधान पर भी प्रहार करती है और दो दिन पहले संसद में सरकार के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में अम्बेडकर का अपमान करके देश का अपमान किया है। जिसको कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नही करेगी। हमारे नेता राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का दायित्व उठाते हुए जब अम्बेडकर के अपमान, देश और देशवासियों के लिए भाजपा सरकार के खिलाफ आवाज उठाई तो उनके खिलाफ भाजपा ने एफआईआर दर्ज कराकर लोकतांत्रिक मायनों की सारी हदे पार कर दी।

अंगदान को लेकर लोगों की झिझक को दूर करने में डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश में अंग प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा कर रहे लोगों का हवाला देते हुए कृत्रिम अंगों के विकास और अंगदान के बारे में जागरूकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंगदान को लेकर आम लोगों में एक प्रकार की झिझक होती है और इसे दूर करने में डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रपति नई दिल्ली में वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश में अंग प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा कर रहे लोगों की सूची बढ़ती ही जा रही है। इस कमी को दूर करने में कृत्रिम अंगों का विकास और लोगों द्वारा अंगदान करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अंगदान का बढ़ावा देने के लिए इस अस्पताल परिसर में ही राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) की स्थापना की गई है। यह संगठन अंगदान और प्रतिरोपण के बारे में

जानकारी देने के साथ-साथ अंग और ऊतक दान के लिए लोगों को जागरूक भी बनाता है। अंगदान के प्रति आम लोगों में एक तरह की झिझक होती है। इस झिझक को दूर करने में डॉक्टरों की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। आप लोगों को अंगदान के महत्व को बताकर उन्हें इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा कार्य केवल आजीविका का साधन मात्र नहीं है। यह एक ऐसा सेवा क्षेत्र है जो लोगों के दुखों को कम करने, बीमारों का इलाज करने और समाज की भलाई में योगदान देने की पवित्र जिम्मेदारी देता है। डॉक्टरों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के रूप में, चिकित्सा पेशेवरों की लोगों के स्वास्थ्य और जीवन को बेहतर बनाने और उनकी रक्षा करने की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों के पास जो मरीज आते है।

एक देश-एक चुनाव पर बनी जेपीसी की पहली बैठक आठ जनवरी को

एजेंसी

नई दिल्ली। 'एक देश-एक चुनाव' पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की पहली बैठक आठ जनवरी को होगी। जेपीसी के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी ने यह बैठक बुलाई है। बैठक में लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में एक साथ चुनाव कराने के लिए प्रस्ताव पर चर्चा होगी। संसदीय सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में अधिकारी दो महत्वपूर्ण विधेयकों- संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्य क्षेत्र (कानून) संशोधन विधेयक के बारे में जानकारी देंगे। इन विधेयकों का मकसद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने के लिए जरूरी बदलाव करना है। उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह इन विधेयकों को लोकसभा में पेश किया गया था। इसके बाद शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन इन्हें संसदीय समिति के पास भेजा गया था। इसके लिए, संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित की गई थी। पहले समिति में सदस्यों की संख्या 31 थी लेकिन कई राजनीतिक दलों ने इसमें शामिल होने की इच्छा जताई तो इसकी संख्या बढ़ाकर 39 कर दी गई। भाजपा सांसद पी.पी. चौधरी इस समिति के अध्यक्ष हैं जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, पुरुषोत्तम रूपाला, मनीष तिवारी और कई पहले कार्यकाल के सांसद- प्रियंका गांधी, बांसुरी स्वराज और संबित पात्रा भी समिति के सदस्य हैं। समिति में लोकसभा के 27 सदस्य और राज्यसभा के 12 सदस्य यानी कुल 39 सदस्य हैं।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने की प्रधानमंत्री से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें आगामी 'प्रवेश भारती दिवस' और 'उत्कर्ष ओडिशा' कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर पोस्ट किया, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, आज मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। ओडिशा के विकास में पूरा सहयोग देने के लिए ओडिशा की जनता की ओर से धन्यवाद दिया। वहीं मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें आगामी 'प्रवेश भारती दिवस' और 'उत्कर्ष ओडिशा' कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

क्रिसमस का त्यौहार सही मायनों में कैसे मनाएं?

\- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

आज विश्वभर में क्रिसमस का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस दिन ईसा मसीह का जन्म हुआ था। ईसा मसीह का मूल संदेश, प्रेम का संदेश था। उनकी इन शिक्षाओं के आधार पर ही ईसाई धर्म की शुरूआत हुई। ईसा ने अपने शिष्यों को जो महान संदेश दिया, उसको दो आज्ञाओं में समेट सकते हैं। पहला ÷आप अपने प्रभु को पूर्ण हृदय से, पूर्ण आत्मा से तथा पूरे मन से प्यार करें।÷ और दूसरा ÷अपने पड़ोसी से ऐसे ही प्यार करो जैसा हम अपने आपसे करते हैं।÷ आज के दिन खुशियों के इस त्यौहार पर लोग एक-दूसरे से मिलते-जुलते हैं तथा भेंट व शुभकामनाएं देते हैं, जिससे कि सारा वातावरण प्रेम से भरपूर हो जाता है। प्रेम करना ही सदा का प्रेम पाना है। जब हम दूसरों को प्रेम करते हैं तो स्वाभाविक रूप से हम वापसी में भी प्रेम प्राप्त करते हैं। यदि हम सब एक-दूसरे को प्रेम बांटेंगे तो उसका प्रभाव यह होगा कि यह संसार एक स्नेहमयी स्थान बन जाएगा। यदि हम औरों को प्रेम देते हैं तो अंत में हम भी अधिक प्यार पाते हैं। जिसका कारण यह है कि प्रेम एक ऐसा गुण है जो न सिर्फ नफ़रत, हिंसा, स्वार्थ, लोभ और क्रोध को खत्म करता है बल्कि इससे हमारे अंदर के सभी नकारात्मक विकार भी नष्ट हो जाते हैं। इसके द्वारा हम शांति, आनंद और मस्ती से सराबोर हो जाते हैं। जितना अधिक हम संसार को प्रेम देते हैं, उतना अधिक वह लोग जिन्होंने प्रेम का अनुभव नहीं किया होता, उसे पाकर वे खुशी से भरपूर हो जाते हैं। परिणामस्वरूप उनका जीवन बदल जाता है और वे अनुभव करते हैं कि उनके जीवन में क्रोध और नफरत की तुलना में प्रेम कितना अधिक मूल्यवान है। लोग जितना अधिक प्रेम के ठंडक देने वाले हाथों का स्पर्श पाते हैं, वह उतना ही खुश होते हैं और उस प्रेम की खुशी को औरों में बांटते हैं। समय के साथ-साथ हमारे द्वारा दूसरों को दिया गया यह प्रेम बर्फ की उस गेंद के समान है जो पहाड़ी से नीचे की ओर लुढ़कती हुए बड़ी और बड़ी होती जाती है और एक गतिशीलता से कार्य करती है। अर्थात हमारे अंदर प्रेम का विस्तार होना शुरू हो जाता है और यह प्रेम हमसे औरों में भी फैलता है। इस प्रकार धीरे-धीरे यह संसार प्रेम का एक ऐसा स्थान बन जाएगा, जहाँ हरेक की ज़िंदगी प्रेम, खुशी, आनंद और रोशनी से भरपूर होगी। हम ऐसी अवस्था को कैसे प्राप्त कर सकते हैं? जहाँ हम दूसरों से प्रेम चाहने की अपेक्षा उन्हें प्रेम दें। आध्यात्मिक मार्ग पर चलकर ही हम दूसरों के प्रति अपने अंदर प्रेम का विकास कर सकते हैं। इसके लिए हमें प्रतिदिन ध्यान-अभ्यास में समय देना होगा क्योंकि ध्यान-अभ्यास न सिर्फ हमारे मन को शांत करता है बल्कि यह हमारे भीतर प्रभु के प्रेम को भी जागृत करता है। जैसे-जैसे हम ध्यान-अभ्यास में तरक्की करते हैं तो हम प्रभु के प्रेम की मस्ती की धारा में हमेशा मग्न रहते हैं। जब हमारी आत्मा प्रभु-प्रेम की मस्ती की इस धारा में डुबकी लगाती है तो इसके द्वारा हमारी आत्मा इस शरीर से ऊपर उठकर अंतर के दिव्य-प्रेम और आनंद के मंडलों में उड़ान भरने लगती है और अंतर में प्रभु के प्रेम का अनुभव करती है क्योंकि प्रभु प्रेम है, हमारी आत्मा भी उनका अंश होने के नाते प्रेम है और प्रभु के पास वापिस जाने का मार्ग भी प्रेम ही है। जब हम ध्यान-अभ्यास से इस तरह के दिव्य-प्रेम का अनुभव करते हैं तब हम प्राकृतिक रूप से इसे दूसरों में फैलाते हैं। हम जहाँ कहीं भी जाएं, प्रेम के प्रकाश-स्तंभ बन जाते हैं। हम उस प्रेम को न केवल अपने परिवार, मित्रों और प्रियजनों में बांटते हैं बल्कि अजनबियों को भी लुटाते हैं। अंततः में हम पूरी दुनिया में प्रेम को फैलाने वाले प्रकाश-स्तंभ बन जाते हैं। ध्यान-अभ्यास द्वारा हम विश्व को दो महानतम उपहार प्रदान कर सकतेहैं। एक 'विश्व-प्रेम' दूसरा 'विश्व-शांति'। ईसा मसीह यही चाहते थे कि उनके शिष्य सिर्फ उनका संदेश सुनें ही नहीं, बल्कि उसे अपने जीवन में भी ढालें। प्रभु के संदेश को बहुत से लोग सुनते हैं पर उनमें से बहुत कम लोग उसे समझते हैं और जो लोग उसे समझते हैं, उनमें से बहुत ही कम होते हैं जो उसे अपने जीवन में ढालते हैं। तो आईये! क्रिसमस के इस पावन त्यौहार पर हम ईसा मसीह की शिक्षाओं को अपने जीवन में ढालें। यदि हम ईसा मसीह की आज्ञाओं पर चलेंगे तो यकीनन सही मायनों में क्रिसमस मनाएंगे।

भारत विरोधी संगठनों और नेटवर्क का पता लगाने के लिए हमें मित्र देशों के साथ खुफिया समन्वय के लिए आक्रामक रणनीति अपनानी होगी : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत विरोधी संगठनों और नेटवर्क का पता लगाने के लिए मित्र देशों के साथ एक खुफिया समन्वय रणनीति विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस रणनीति में आक्रामक उपाय भी शामिल होने चाहिए।केंद्रीय गृह मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित 37वां इंटेलिजेंस ब्यूरो शताब्दी बंदोबस्ती व्याख्यान में कहा कि आने वाले दिनों में हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि केवल जानकारी साझा करना पर्याप्त नहीं है हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि हमें मित्र देशों से महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी प्राप्त हो। गृह मंत्री ने कहा कि क्रिप्टो करेंसी के लिए ब्लॉक चेन विश्लेषण टूल का उपयोग करने का समय आ गया है। उन्होंने फर्जी कॉल और फर्जी ईमेल के खिलाफ त्वरित और निर्णायक कार्रवाई करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश के दुश्मन इन माध्यमों से जनता के बीच भय और आतंक का माहौल पैदा कर रहे हैं। शाह ने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार

करने के लिए इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) को खुद को एक अत्याधुनिक खुफिया एजेंसी बनने के लिए तैयार करना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवा अधिकारियों को इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी सुरक्षा एजेंसी की सफलता उसके कार्यबल और उसके कर्मियों को प्रशिक्षित करने की क्षमता पर आधारित होती है। गृह मंत्री ने गलत सूचना का मुकाबला करने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रचार के प्रसार को शून्य तक कम करने के लिए हमें एक रणनीति, प्रौद्योगिकी और तत्परता की आवश्यकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने पिछले 5 वर्षों में निर्णायक लड़ाई लड़कर देश के विभिन्न खतरों पर प्रभुत्व स्थापित किया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पांच साल पहले तक, देश को तीन लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों- पूर्वोत्तर, वामपंथी उग्रवाद और कश्मीर का सामना करना पड़ा, जिसने इसकी शांति, कानून और व्यवस्था, सुरक्षा और भविष्य को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की सख्त नीतियों और सख्त फैसलों के कारण आने वाली पीढ़ियों को अब इन तीन खतरों के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमने इन पर लगभग निर्णायक जीत हासिल कर ली है।

कारगिल में पाकिस्तानी घुसपैठ की पहली सूचना देने वाले चरवाहा ताशी नामग्याल का निधन

नई दिल्ली। कारगिल में पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ करने के बारे में पहली सूचना देने वाले चरवाहा ताशी नामग्याल का निधन हो गया। उन्हीं की सूचना के बाद भारतीय सेना सतर्क हुई और करीब दो महीने तक चले युद्ध के बाद कारगिल की

पहाड़ियों को घुसपैठियों से खाली कराया गया। उनका अंतिम संस्कार लद्दाख में सेना की मौजूदगी में पूरे सम्मान के साथ किया गया। उनके परिवार को तत्काल सहायता प्रदान की गई और आगे भी सहायता देने का आश्वासन दिया गया है। सेना ने कहा कि नामग्याल के निस्वार्थ बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई, 1999 के बीच हुए कारगिल युद्ध को 'ऑपरेशन विजय' के नाम से भी जाना जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत-पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर 5,000 सैनिकों के साथ घुसपैठ कर कब्जा कर लिया था। मई, 1999 की शुरुआत में अपने लापता याक की खोज करते समय ताशी नामग्याल ने बटालिक पर्वत श्रृंखला के ऊपर पाकिस्तानी सैनिकों को पठानी पोशाक में बंकर खोदते हुए देखा था। उन्होंने कारगिल में पाकिस्तान सेना के घुसपैठ कर कब्जा जमा लेने की पहली सूचना 3 मई, 1999 को भारतीय सेना को दी थी। इसके बाद सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ने के लिए 'ऑपरेशन विजय' चलाया। तीन मई से 26 जुलाई 1999 के बीच हुए कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिक तेजी से लामबंद हुए। भारतीय सेना की पेट्रोलिंग टीम 5 मई को जानकारी लेने कारगिल पहुंची तो पाकिस्तानी सेना ने उन्हें पकड़ लिया और उनमें से 5 की हत्या कर दी। इसके बाद 9 मई को पाकिस्तानियों की गोलाबारी से भारतीय सेना का कारगिल में मौजूद गोला बारूद का स्टोर नष्ट हो गया। पहली बार लद्दाख के प्रवेश द्वार यानी द्रास, काकसार और मुश्कोह सेक्टर में 10 मई को पाकिस्तानी घुसपैठियों को देखा गया। इसके बाद 26 मई को भारतीय वायु सेना को कार्यवाही के लिए आदेश दिया गया।

NAME CHANGE

I, No. 4289345W, Rank-NK Name-SIVA GANESH MAMIDI S/o MAMIDI SANYASI NAIDU residing of YELLA-MANCHILI, VTC: DIMILI, PO- DIMILI, DISTRICT-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531061, have changed my wife's name from SYA-MALA to MAMIDI SYAMALA for all future purposes vide Affidavit dated 24/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SUGANDHI DEVI W/O MADAN TIWARI R/O H.No- A-1007, Gali No- 12, Near Kabir Mandir, Jaitpur Extension-2, Badarpur, Dist- South Delhi, Delhi - 110044 , have changed my name and shall hereafter be known as GAYATRI DEVI

सार्वजनिक सूचना

यह सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती नीलम पत्नी श्री गुरु प्रसाद आवासीय संपत्ति संख्या 961, जिसका क्षेत्रफल 37.5 वर्ग गज, खसरा संख्या 961, सबहापुर एक्सटेंशन, गांव-लोनी (चकबंदी बाहर), परगना और तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201102 में स्थित है को श्रीमती मोहिनी जैन से खरीदने का इरादा रखती हैं। उक्त संपत्ति श्री वीर सिंह ने श्री सुरेश शर्मा से 22.10.2010 को बिक्री विलेख क्रमांक 4158 के माध्यम से खरीदी थी। इसके बाद, श्री वीर सिंह, जिनका निधन 14.09.2021 को हुआ, और अपने कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में श्रीमती रामवती (पत्नी) को छोड़ गए। तत्पश्चात, श्रीमती रामवती ने 02.11.2020 को उक्त संपत्ति श्रीमती मोहिनी जैन को बिक्री विलेख क्रमांक 9426 के माध्यम से बेच दी। कृपया ध्यान दें कि चेन दस्तावेज़, जिसमें श्री वीर सिंह के निधन और जीवित सदस्य रहने का प्रमाण पत्र तथा अन्य कानूनी उत्तराधिकारियों से NOC शामिल हैं, उपलब्ध नहीं हैं। उक्त संपत्ति का वित्तपोषण सत्या माइक्रो हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, शाखा उत्तम नगर, दिल्ली द्वारा किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति (या व्यक्ति) उपरोक्त संपत्ति के कब्जे में पाया जाता है और कोई आपत्ति होती है, तो कृपया इस सूचना की तारीख से 07 दिन के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज़ के साथ निचे दिए गए पते पर संपर्क करें, अन्यथा उपरोक्त बिक्री विलेख के अनुसार दावा को असत्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on tehalf of our client that 1. Mohd. Inam, 2.Mohd. Ikram, 3. Mohd. Iqrar and 4. Mohd. Shamshad are the owners of Built up One Shop on Ground Floor without roof rights, part of Property no. 1869 & Old no. 628, 628-?, admeasuring 29.74 Sq. Mtrs., situated at Cheera Kiana Nai Sarak, Delhi-110006 vide Sale Deed dated 15.11.2011, doc. no.10733. All persons are hereby informed that above owner through Ikram Saree Collection, wants to mortgage the said property and intends to obtain a loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg,
Moti Nagar, New Delhi - 15

कोर्ट नोटिस

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए समन आदेश- 1 नियम 5 और न्यायालय श्रीमान सि. ज. जूनियर डिवीजन 6 महोदय, मथुरा वाद सं.190 सन् 2024 **सुरेश सिसौदिया पुत्र श्री थानसिंह** उम्र करीब **44 वर्ष चैम्बर नं.-261 पटियाला हाउस** नई दिल्ली।
-वादी

प्रेषिती:-

बनाम

1. गौरव भारद्वाज पुत्र श्री राजकुमार शर्मा उम्र करीब 35 वर्ष निवासी- मुईउद्दीन पुर तहसील-माँट, जिला-मथुरा

2- सौरभ शर्मा पुत्र राजकुमार शर्मा उम्र करीब 32 वर्ष निवासी- मुईउद्दीनपुर तहसील - माट, जिला-मथुरा

हाल निवासीगण-146 ए हरीनगर आश्रम, दाक्षिण दिल्ली (110014)

3-श्रीमती उमा देवी पत्नी प्रकाशचन्द शर्मा, निवासी-144 ए हरीनगर आश्रम गली नंबर-1, जंगपुरा एस.ओ. दक्षिण दिल्ली (110014)
- प्रतिवादीगण

वादी ने आपके विरुद्ध उपरोक्त वाद प्रस्तुत किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख **13/01/2025** को दिन में **10.00 बजे** दावे का उत्तर देने के लिए, उपसंजात हाजिर होने के लिए सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और इस वाद से संबंधित सभी सारवन प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों के उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दि?या जाता है कि आप उस दिन प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजों जो आपके कब्जे या भक्ति में हो, प्रेषित करे जिस पर आपकी प्रतिरक्षा या मुदरई का दावा या प्रतिदाता आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या प्रतिदाते के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों की लिखित कथन के साथ उपबंध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि आप ऊपर बताई गई तारीख पर इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थित में किया जाएगा।

यह आज तारीख **09/12/24** को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया है।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mrs. Sangeeta Rani is claiming to be owner of Property bearing No. 3, area measuring 287 sq. yds., Out of Khasra No. 19/2,19/3,10/23/1 Min, situated at abadi of New Ganesh Park, Rashid Market, in the area of Village Khureji Khas, Illaqa Shahdara Delhi, vide GPA, ATS & Will dated 05.09.2011 executed by late Mr. Jagdish Lal Gulati. All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to sell the said property to a person who wants to obtain a loan from our client against the said property. If, anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property/floors, its sale/mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 7 days of the present.

Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg,
Moti Nagar, New Delhi - 15

सार्वजनिक सूचना

सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अजय कुमार गुप्ता और श्रीमती रेखा गुप्ता सम्पूर्ण तीसरी मंजिल, छत के अधिकार सहित, संपत्ति संख्या 62, ब्लॉक 4, जिसका क्षेत्रफल 214 वर्ग गज, उत्तरी सिटी एक्सटेंशन स्कीम नं. II, सब्जी मंडी, दिल्ली, जिसे वर्तमान में रूप नगर, दिल्ली के नाम से जाना जाता है, के मालिक हैं। श्री अजय कुमार गुप्ता और श्रीमती रेखा गुप्ता ने उक्त संपत्ति को श्री मुकेश बजाज से 29.03.2017 को विक्रय पत्र द्वारा खरीदी थी। उक्त संपत्ति को आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड, शाखा लाजपत नगर, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति के कब्जे में पाया जाता है और कोई आपत्ति होती है, तो कृपया इस नोटिस की तारीख से 07 दिनों के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज़ के साथ नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें, अन्यथा उपरोक्त विक्रय पत्र के अनुसार दावा संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, MAHESH KUMAR MEENA S/O PRAHLAD NARAYAN MEENA R/O Transit Suit No. 03, Railway Officer's Transit Camp, State Entry Road New Delhi -110001, have changed the name of my minor Son SHOURYA PRATAP MEENA aged 14 years and he shall hereafter be known as SHOURYA PRATAP NOGADA.

NAME CHANGE

I, Kapil Kasotia S/o Jagdish Kasotia R/o Flat No-904, Tower-15, Orchid Petal, Sohna Road, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Minor Daughter Name Aanya To Aanya Kasotia For All Future Purpose

NAME CHANGE

I, Asha W/o Chanderpal R/o House No-29, Gwal Pahari, Gurgaon, Haryana-122003, Have Changed My Minor Son Name Vaibhav To Vaibhav Tanwar For All Future Purpose

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Babita devi W/O Chitranjan Kumar Mishra R/O 416/20, LAXMI VIHAR VILLAGE BURARI, DELHI, BURARI, NCT OF DELHI-110084,declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my Aadhar card no 3284 7603 4813,The actual name of mine is Babita Devi, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Mahendra Pall S/O Pokhar Das R/O 11/69, Dakshinpuri EXT. Dr AmbedkarNagar, Pushpa Bhawan South Delhi - 110062 Have Changed my name to Mahender Pal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, KUNTI DEVI Mother of No-16011605K Rank-HAV Name-BHUPENDRA SINGH Presently residing at VILL-SINSINI, TEH-DEEG, DIST-BHARATPUR, RAJASTHAN-321201 have changed my name from KUNTI DEVI to KUNTI for all future purposes vide Affidavit dated 24/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Monika Dev D/O Satish Dev W/O Abhimanyu Singh R/O OMQ-378/2, Air Force Station, Rajokri, South West Delhi - 110038 Have Changed my name to Monika Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, KHUSH NASEEB W/O MOHD ZULFIQAR residing at A-10, DDA COLONY, NEW JAFRABAD, SHAHDARA, DELHI-110032. Have changed my name to KHUSH-NASEEB for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SYAMALA Wife of No. 4289345W, Rank-NK Name- SIVA GANESH MAMIDI residing of YELLAMANCHILI, VTC: DIMILI, PO- DIMILI, DISTRICT-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531061 have changed my name from SYAMALA to MAMIDI SYA-MALA for all future purposes vide Affidavit dated 24/12/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I,Netrapal Singh S/O Doongar Singh R/O P-2, 3rd floor, Pillangi Village , Near Indra Niketan , Sarojini Nagar, PO: Sarojini Nagar , Dist: South west Delhi, 110023, declare that name of mine and my minor Son has been wrongly written as Netrapal and Vivek in my minor Son namely Vivek Singh aged 14 years in his School record The actual name of my minor Son is Vivek Singh

PUBLIC NOTICE

My client Sunil Kumar Dubey S/o Sh. Sumeshwar Dubey R/o I-42, Gali No.1, Jaitpur Extn., Part-1, Jaitpur, New Delhi-110044, has disowned and debarred his son namely Prateek Dubey from his all movable, immovable properties and has no relation with him in future. My client and other family members shall not responsible for their any Civil and Criminal Act and Deeds.

Mayank Dev Advocate
CH.NO.654,
SAKET COURTS NEW DELHI-17

समाचार पत्र विज्ञापन एलएलपी के पंजीकृत कार्यालय को एक राज्य से दूसरे राज्य में बदलने के लिए

केन्द्र सरकार के उत्तरी क्षेत्र पीठ, दिल्ली के समक्ष
कंपनी रजिस्ट्रार, दिल्ली और हरियाणा के एनसीटी
सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 की धारा 13 की उप-धारा (3) और सीमित देयता भागीदारी नियम, 2009 के नियम 17 के मामले में,
और
उत्थान इस्टेट डेवलपर्स एलएलपी जिसका पंजीकृत कार्यालय प्लॉट नंबर 558 पी, सेक्टर 27, डीएलएफ क्यूई, गुरुग्राम, हरियाणा- 122002 में स्थित है, के मामले में ।

(......याचिकाकर्ता)

आम जनता को सूचना दिया जाती है कि एलएलपी सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 की धारा 13 (3) के तहत कंपनी रजिस्ट्रार, एनसीटी दिल्ली और हरियाणा को एक याचिका बनाने का प्रस्ताव करता है, जिसमें अपने पंजीकृत कार्यालय को "हरियाणा" राज्य से "दिल्ली" राज्य में बदलने की अनुमति मांगी गई है।

कोई भी व्यक्ति जिसका हित एलएलपी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, वह अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक हलफनामे के साथ इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 21 (इक्कीस) दिनों के भीतर अपनी आपत्तियां पंजीकृत डाक से रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, एनसीटी, दिल्ली और हरियाणा को भेज सकता है। विरोध की एक प्रति हलफनामे के साथ याचिकाकर्ता उत्थान एस्टेट डेवलपर्स एलएलपी को उसके पंजीकृत कार्यालय (ऊपर उल्लिखित पता) में भेजनी होगी।

के लिए और की ओर से
उत्थान एस्टेट डेवलपर्स एलएलपी
मोहित मित्तल
(नामित भागीदार)

दिनाँक: 23/12/2024
स्थान: गुरुग्राम

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Rudresh Chaudhary and Mr. Satbir Singh are claiming to be owners of Property bearing No. C-18, area measuring 167.22 sq. mtrs., out of Khasra No 41/14, situated in the abadi of Gali No. 03, Paschimi Sadatpur Vistar, Sadatpur, Karawal Nagar, Delhi-110094. All persons are hereby informed that above mentioned owners want to sell the said property to a person who wants to obtain a loan from our client against the said property. If, anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property/floors, its sale/mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 7 days of the present.

Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg,
Moti Nagar, New Delhi - 15

NAME CHANGE

I, GULAFSHA D/O MOHD ZULFIQAR residing at A-10, DDA COLONY, NEW JAFRABAD, SHAHDARA, DELHI-110032. Have changed my name to GULAFSHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JANAKI W/O DAVINDER SINGH residing at H NO-14, GALI NO-3, A-BLOCK, WEST KARAWAL NAGAR, DELHI-110094 . Have changed my name to JANKI for all future purpose.

सोनीपत में सुशासन दिवस समारोह की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपतके भाजपा जिला कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें विधायक निखिल मदान, भाजपा चुनाव प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विशाल सेठ और अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में 25 दिसंबर को अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। सभी बूथों पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए। प्रदेश संयोजक विशाल सेठ ने अटल बिहारी वाजपेयी को भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। उन्होंने वाजपेयी के कार्यकाल में शुरू हुए सर्व शिक्षा अभियान और प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना जैसे कार्यक्रमों को मील का पत्थर बताया। साथ ही पोखरण में परमाणु परीक्षण और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे का उल्लेख किया।

स्वच्छता में गुरुग्राम को बेहतर रैंकिंग दिलाना होगी प्राथमिकता: विशाल कुमार

गुरुग्राम। हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) अधिकारी विशाल कुमार ने नगर निगम गुरुग्राम के संयुक्त आयुक्त के तौर पर अपना कार्यभार संभाल लिया है। इससे पूर्व वे को-ऑपरेटिव शुगर मिल पलवल में एमडी के तौर पर कार्यरत थे। कार्यभार संभालने के दौरान उन्होंने अपनी प्राथमिकता के बारे में बताया कि सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के साथ ही स्वच्छता सर्वेक्षण में गुरुग्राम को बेहतर रैंकिंग दिलाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाएगा। गुरुग्राम में उनकी यह पहली पोस्टिंग है। वे यहां सफाई व्यवस्था तथा कचरा प्रबंधन पर विशेष ध्यान देंगे। गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर व बेहतर शहर बनाने की दिशा में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता एक महत्वपूर्ण कार्य है तथा नागरिकों की भागीदारी के बिना कोई भी कार्य सफल नहीं हो सकता। उन्होंने गुरुग्राम के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे स्वच्छ एवं सुंदर गुरुग्राम बनाने में भागीदार बने। इसके तहत ना तो स्वयं इधर-उधर कचरा फैलाएं और ना ही दूसरों को फैलाने दें।

नगर निगम चुनाव की तैयारियां पूरी, 22 वार्डो में हुआ सीटों का बंटवारा

रोहतक। रोहतक नगर निगम चुनाव के लिए जिला प्रशासनिक ने पूरी तैयारी कर ली है और 22 वार्डों के लिए आज ड्रा निकाले गए हैं। 22 वार्डों में से 8 वार्डों में महिलाएं चुनाव लड़ेंगे साथ ही अनुसूचित व पिछड़ा वर्ग के लिए 7 सीटे रिजर्व रखी गई है डीसी ने मौजूदा पार्षदों के सामने ड्रा निकला। रोहतक नगर निगम के चुनाव के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी कर ली है , माना जा रहा है कि फरवरी के पहले सप्ताह में रोहतक नगर निगम के चुनाव हो सकते हैं, इसके लिए 22 वार्डो का ड्रा निकाला गया जिसमें 8 वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित रखे गए हैं। वही जानकारी देते हुए डीसी धीरेंद्र खड़गटा ने बताया जिला प्रशासन नगर निगम चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि रोहतक नगर निगमो के वार्डो का आज ड्रॉ हुआ है। उन्होंने बताया कि कुल 22 वार्ड हैं,जिसमे से वार्ड 1,7,9,11,12,13,15,16,17,19,20 जर्नल पुरुष,वार्ड 6,10,14,22 महिला सामान्य,वार्ड 18 BC-A महिला व वार्ड 21 BC-A पुरुष,वार्ड 8 BC पुरुष,वार्ड 3,4 स्ट महिला व वार्ड 2,5 स्ट पुरुष के लिए आरक्षित रखी गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

बहादुरगढ़ के नवनियुक्त एसडीएम नसीब कुमार ने संभाला कार्यभार

झज्जर। बहादुरगढ़ के नवनियुक्त उप मंडल अधिकारी नसीब कुमार ने कार्यभार संभाल लिया। इससे पूर्व वह हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण कुरुक्षेत्र में कार्यकारी अधिकारी के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। एसडीएम नसीब कुमार हरियाणा सिविल सर्विसेज 2020 बैच के अधिकारी हैं। एचसीएस अधिकारी नसीब कुमार ने बतौर एसडीएम उपमंडल बहादुरगढ़ अपना पदभार संभाल लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कहा नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निदान करते हुए उन्हें राहत प्रदान करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि उपमंडल में सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उप मंडल में बिजली पानी और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए भी निरंतर कार्य होगा।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगामी 27 दिसंबर को महेंद्रगढ़ में प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम को लेकर पंचायत भवन में उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने अधिकारियों की बैठक ली। उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री 27 दिसंबर को महेंद्रगढ़ की सब्जी मंडी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। इस मौके पर जिला महेंद्रगढ़ के विभिन्न प्रोजेक्ट का शिलान्यास व उद्घाटन भी करेंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने विभाग से संबंधित इन सभी प्रोजेक्ट की डिटेल तैयार कर लें। इसके बाद मुख्यालय से मंजूरी मिलने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू कर दें।

मुख्यमंत्री ने इंद्री विधानसभा में 11 करोड़ की चार परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इंद्री विधानसभा क्षेत्र को विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने यहां लगभग 11 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत की कुल चार परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इनमें मुगल माजरा गांव में 33 केवी सब-स्टेशन तथा मटक माजरी गांव में स्विमिंग पूल का उद्घाटन शामिल है। इन पर 9.41 करोड़ रुपये की लागत आई है। इनके अलावा मुख्यमंत्री ने बीबीपुर जाटान व दनियालपुर के उप स्वास्थ्य केंद्रों का शिलान्यास किया। इन पर 1.28 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जिला करनाल के इंद्री विधानसभा क्षेत्र में आयोजित धन्यवाद कार्यक्रम को संबोधित करते

हुए हल्कावासियों के लिए घोषणाओं की झड़ी लगाई। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि महाग्राम योजना के तहत गांव संगोहा व संघोई में पेजयल, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट व सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य तीव्र गति से किया जायेगा, इस पर 24 करोड़ रुपये की लागत आएगी। मुख्यमंत्री ने इंद्री में छठ पूजा घाट बनाने, पीडब्ल्यूडी की सड़कों के नवीनीकरण के लिए 10 करोड़ रुपये तथा मंडी बोर्ड की सड़कों के नवीनीकरण के लिए पांच करोड़ रुपये की राशि देने की घोषणा की। साथ ही, इंद्री हलके के स्कूलों के नवीनीकरण और उनके रखरखाव के लिए पांच करोड़ रुपये देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि बड़ा गांव के सब सेंटर को पीएचसी में अपग्रेड किया जाएगा। हर्बल पार्क के विस्तार और सौंदर्यीकरण का कार्य तीव्रता से किया जायगा। धनोरा एस्केप में पानी के कारण प्रभावित होने वाले गांवों की समस्या का भी निराकरण किया जाएगा, ताकि जलभराव के कारण फसलों को नुकसान न हो। इसके अलावा, गुढ़ा इंद्री में वार्ड नंबर 10, 11, 12, 13 में बसे लोगों को मालिकाना हक देने के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका निरीक्षण करके नियमानुसार हल निकलवाने का प्रयास किया जाएगा।

इंटरनेशनल ट्रेडिंग अकाउंट खोल लगाई 11.25 लाख की चपत

एजेंसी

गुरुग्राम। साइबर क्राइम वैस्ट क्षेत्र में इंटरनेशनल ट्रेडिंग अकाउंट खोलकर महिला को 11.25 लाख रुपये की चपत लगा दी गई। महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी।पुलिस को दी शिकायत में स्थानीय सेक्टर-107 की सोसाइटी में रहने वाली रजनी पूनिया ने बताया कि अगस्त-2024 में आईपीओ और ट्रेडिंग उद्देश्यों के लिए खोले जाने वाले इंटरनेशनल ट्रेडिंग अकाउंट के लिए नुवा-इंटल सिक्योरिटीज के प्रतिनिधि ने उससे संपर्क किया। उसने रजनी से उसके आधार और पैन विवरण सहित व्यक्तिगत जानकारी ली। इसके बाद एक लिंक शेयर किया गया। जिसमें रजनी ने अपने आधार कार्ड और पैन कार्ड का सत्यापन कराया। 24 अगस्त 2024 को नुवा-इंटल सिक्योरिटीज के साथ रजनी ने इंटरनेशनल ट्रेडिंग अकाउंट खोल लिया। इसके दो दिन बाद ही 26 अगस्त को रजनी के पास सूचना आई कि उसे आरएएल कंपनी के 9600 शेयर आईपीओ सदस्यता के लिए आवंटित किए गए थे। जिसके लिए रजनी ने कुल तीन बार में 11.25 लाख रुपए की राशि जमा करा दी। इसके बाद रजनी को आईपीएचएल कंपनी के 39,600 अतिरिक्त शेयरों के आवंटन किए जाने की एक अधिसूचना मिली। जिसमें 40 लाख रुपये की अतिरिक्त सदस्यता की मांग की गई थी। रजनी के पास पैसे नहीं थे तो उसने सदस्यता रद्द करने का अनुरोध किया। करीब छह दिन बाद सदस्यता रद्द करने के साथ राशि ऐप अकाउंट वॉलेट में वापस जारी कर दी गई।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की होगी बड़ी भूमिका: राव इंद्रजीत सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय योजना, सांख्यिकी, कार्यक्रम कार्यान्वयन एवं संस्कृति राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि आजादी के 100 साल पूरे होने की वेला में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवाओं को शिक्षित व कुशल बनाकर उन्हें योग्यता के आधार पर रोजगार एवं स्वरोजगार प्रदान करने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री राव कादरपुर स्थित सीआरपीएफ परिसर के आडिटोरियम सेंटर में नवचयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाने के लिए आयोजित रोजगार मेला कार्यक्रम में बोल रहे थे। वर्चुअली माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीआरपीएफ, आईटीबीपी, बैंक, पोस्टल सर्विस, आयकर, सीमा सुरक्षा बल आदि 45 विभिन्न केंद्रों में नियुक्त हुए देश के 71 हजार 556 युवक-युवतियों को उनके अपाइंटमेंट लैटर जारी किए। प्रधानमंत्री ने भी उपस्थित युवाओं को वीसी के जरिए संबोधित किया तथा उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक विकास

की ओर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। आज भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी आर्थिक व्यवस्था वाला देश बन चुका है। अगले तीन-चार सालों में इसके तीसरे पायदान पर पहुंचने की उम्मीद है। राष्ट्र निर्माण के इस दौर में देश को युवा पीढ़ी से काफी उम्मीदें हैं। हमारे युवा अपने लक्ष्य को अथक परिश्रम व लगन से यूं ही हासिल करते रहें तो भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में इनकी सेवाओं का बड़ा योगदान होगा। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश काल में लार्ड मैकाले ने शिक्षा का अंग्रेजीकरण कर दिया था। आज हमारे युवा अपने देश की 13 मातृभाषाओं में परीक्षाएं दे सकते हैं।कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए एक करोड़ शिक्षित युवक-युवतियों को 500 निजी बड़ी कंपनियों में अप्रेंटिस के तौर पर काम करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इस दौरान उन्हें प्रति माह पारिश्रमिक दिया जाएगा। प्रधानमंत्री का सपना है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार तथा स्वरोजगार के लिए युवाओं को व्यापक अवसर दिए जाएं।

अब प्रदेश सरकार 24 फसलों को शत-प्रतिशत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी : श्याम सिंह राणा

एजेंसी

हिसार। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर दिया है। अब प्रदेश सरकार किसानों की 24 फसलों को शत-प्रतिशत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदेगी। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा यहां हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस पर आयोजित समारोह में प्रगतिशील किसानों एवं वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। नलवा के विधायक रणधीर पनिहार विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मंत्री ने बताया कि प्रदेश की सरकार ने किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए एमएसपी की गांरटी दे दी है जिससे किसानों की आय बढाने मे मदद मिलेगी। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ हमें मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए खेत को भी आत्मनिर्भर बनाना होगा जो कि संबंधित खेत में पराली प्रबधंन, फसल अवशेषों को उसी खेत में सम्माहित करने व अन्य जैविक

प्रबधंन करने से संभव है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने किसानों से आह्वान किया कि जल, जमीन व पर्यावरण भावी पीढी की धरोहर, उन्हें बनाए रखना हमारी जिम्मेवारी है। हमें अपने प्राकृतिक संसाधनों को सही तरीके से उपयोग करने की जरूरत है, साथ ही हमें अपने लाभ के लिए उनका अत्याधिक दोहन करने से बचना चाहिए। कृषि में विविधिकरण को अपनाएं तथा उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाएं ताकि विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा का मुकाबला किया जा सके। उन्होनें कहा कि हर हाथ को रोजगार उपलब्ध करवाकर ही हम भारत वर्ष को 2047 तक स्वावलंबी, आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बना सकते है।नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने सरकार द्वारा फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गांरटी देने पर प्रदेश सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों एवं उन्नत किस्म के बीजों के कारण प्रदेश के कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने धन्यवाद किया।

कार्यकर्ताओं के उत्साह से विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी भाजपा: बड़ौली

जेंसी

सोनीपत। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा के सदस्यता अभियान में लोगों का उत्साह देखने लायक है। हर दिन लाखों लोग पार्टी की सदस्यता ले रहे हैं। उन्होंने इसे पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम बताया और कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। भाजपा की सोच एक आधुनिक और प्रगतिशील राष्ट्र की है, जो प्राचीन भारतीय संस्कृति और मूल्यों से प्रेरणा लेकर विश्व गुरु के रूप में स्थापित हो। भाजपा अध्यक्ष बड़ौली ने खरखौदा की भरत वाटिका में सदस्यता अभियान के तहत कार्यकर्ताओंकी बैठक ली। उन्होंने युवा

कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से पार्टी का संगठन मजबूत हो रहा है। पार्टी का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा संविधान के मूल्यों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति निष्ठावान है। पार्टी जाति, धर्म और लिंगभेद से मुक्त समाज बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बूथ पर तीन सक्रिय सदस्य बनाए जा रहे हैं बूथ पालक, बूथ अध्यक्ष और बीएलए-2, जो योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों ने भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है।

केंद्र और राज्य सरकारें जनहित में कार्य कर रही हैं। देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, और हर क्षेत्र में विकास हुआ है। उन्होंने सबका साथ, सबका विकास के नारे को देश के समान विकास का प्रतीक बताया। विधायक पवन खरखौदा, भाजपा जिलाध्यक्ष जसवीर दोदवा, जिला परिषद की चेयरपर्सन मोनिका दहिया सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरियाणा में नए साल में लागू होगी नई शिक्षा नीति

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश सरकार की ओर से नई शिक्षा नीति नए साल में लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। नए साल में स्वामी विवेकानंद जयंती पर राज्यभर में नई शिक्षा नीति को लागू किया जाएगा। इससे पहले, प्रदेशभर से नई शिक्षा नीति को लेकर सुझाव मांगे जाएंगे।

विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और विद्यालयों के साथ शिक्षाविदों से सुझाव लिए जाएंगे।शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने नई शिक्षा नीति लागू करने को लेकर उच्चतर शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती पर राज्य स्तरीय समारोह के जरिये नई शिक्षा नीति को लागू किया जाएगा। इससे पहले अधिकारी नई शिक्षा नीति को लेकर प्रदेशभर में जागरूकता अभियान चलाएं और शिक्षाविदों से सुझाव मांगे जाएं। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांड ने नई शिक्षा नीति के साथ छात्रों को सीधे तौर पर जोड़ने के लिए विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में सुझाव पेटिका लगाने के निर्देश दिए। लिखित रूप से आने वाले सुझावों के आधार नई शिक्षा नीति को बेहतर बनाने के लिए नई रूपरेखा तैयार की जाए। इसके साथ ही स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में सेमिनार आयोजित किए जाएं ताकि हर विद्यार्थी नई शिक्षा नीति को आसानी से समझ सके और जहां पर कठिनाई हो, उसको लेकर सुझाव भी दे सके।

हरियाणा पुलिस ने 10 ऑपरेशन आक्रमण चलाकर 8307 अपराधियों व 44 अति वांछितों को दबोचा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस द्वारा आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ लगातार एक्शन जारी है। प्रदेश में अपराध व आपराधिक गतिविधियों पर पुख्ता कार्यवाही करने के उद्देश्य से इस साल पिछले वर्ष की अपेक्षा तीन गुना से भी अधिक ऑपरेशन आक्रमण चलाए गए। इस ऑपरेशन में 13610 टीमों ने एक साथ छापेमारी करते हुए 8307 अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया। इस दौरान हरियाणा पुलिस ने लेन ड्राइविंग का उल्लंघन करने वाले 23 हजार 387 वाहनों के चालान भी किए गए। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने इस संबंध में बताया कि ऑपरेशन आक्रमण के तहत पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से अपराधियों पर एक ही समय में कई टीमों के साथ रेड की जाती है। सबसे पहले आपराधिक गतिविधियों के बारे में सटीक जानकारी एकत्रित की जाती है और अपराधियों को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया जाता है।उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस ने अब तक 16 ऑपरेशन आक्रमण चलाए हैं। वर्ष 2022 व 2023 में कुल छह ऑपरेशन आक्रमण किए गए थे, जबकि इस वर्ष यह आंकड़ा

10 है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में ऑपरेशन आक्रमण के तहत 2644 तथा वर्ष 2023 में 3533 आरोपितों की गिरफ्तारी की गई थी, जबकि इस वर्ष 10 ऑपरेशन आक्रमण चलाए गए और इसके अंतर्गत प्रदेश में 4239 एफआईआर दर्ज करते हुए 8307 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इन 10 ऑपरेशन आक्रमण में 68 हजार 885 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। डीजीपी ने बताया कि वर्ष 2024 में पुलिस टीमों ने ऑपरेशन आक्रमण के दौरान आर्म्स एक्ट के तहत कुल 272 एफआईआर दर्ज की गई और 168 पिस्टल बरामद किए गए। इन मामलों में 112 लोगों की गिरफ्तारी की गई। इसी प्रकार, 745 किलो 452 ग्राम गांजा, तीन किलो हेरोइन, 337 किलो 25 ग्राम स्मैक बरामद की गई। इन मामलों में प्रदेश भर में एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल 877 एफआईआर दर्ज करते हुए 441 आरोपितों की गिरफ्तारी की गई। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान वर्ष 2024 में टीमों ने कुख्यात अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए कुल 44 अति वांछित ईनामी बदमाश को गिरफ्तार किया, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या आठ थी।

रेवाड़ी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धन्यवाद रैली 25 को

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी के कोसली स्थित अनाज मंडी में 25 दिसंबर को धन्यवाद रैली का आयोजन किया जाएगा। जिसको हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संबोधित करेंगे। इसी रैली की तैयारियों को लेकर उपायुक्त अभिषेक मीणा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री बुधवार 25 दिसंबर को कोसली में धन्यवाद रैली को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री इस दिन रेवाड़ी के सेक्टर 19 में आबकारी एवं कराधान विभाग के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करने सहित कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास कर जनता को समर्पित करेंगे। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित उद्घाटन एवं शिलान्यास किए जाने वाले प्रोजेक्ट से संबंधित आवश्यक तैयारियां समय पूर्व कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग रैली से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां व प्रबंध सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागों के अधिकारियों को सुरक्षा के सभी प्रबंधनए निर्बाध बिजली आपूर्ति, संभावित स्थानों पर बैरिकेडिंग, वाहनों की पार्किंग तथा आमजन, वीवीआईपी, वीआईपी व आमजन के लिए बैठने व शौचालय का उचित प्रबंध, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड व अन्य प्रबंध करने के निर्देश दिए।

सफाई कर्मचारियों की मांगों पर विचार किया जाएगा: कृष्ण कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष इंजी. कृष्ण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा नगर निकाय विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर सफाई कर्मचारी संगठनों की ओर से दिए गए सुझावों को लागू करने का प्रयास किया जाएगा। सफाई कर्मियों के प्रति राज्य सरकार का सकारात्मक रूख है। इसी उद्देश्य से उनकी भलाई के लिए यह कमीशन बनाया गया है। वे यहां विश्राम गृह में में सफाई कर्मचारियों की समस्याएं सुन रहे थे।

उन्होंने कहा कि आयोग की ओर से सफाई कर्मचारियों के पंजीकृत संगठनों का एक डाटाबेस तैयार किया जाएगा। जिससे कि रजिस्टर्ड संगठनों के साथ ही आयोग की बात हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सफाई कर्मचारी आयोग पंजीकृत संगठनों की ओर से दी गई मांगों पर ही गंभीरता से विचार करेगा। जिससे कि सही मायने में सफाई कर्मचारियों को सरकार से सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आयोग की पहल पर प्रदेश में यूनिवर्सिटी, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, पंचायत विभाग आदि में काम कर रहे सफाई कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल कर

उनके मसलों का सुलझा लिया गया है। अब केवल शहरी निकाय विभाग है, जिसके कुछ मामले बचे हुए हैं।इनका भी सरकार व अधिकारियों से मिलकर जल्दी समाधान करवा दिया जाएगा।

कम सफाई कर्मचारी हैं, इसलिए सफाई व्यवस्था नहीं सुधर रही

बैठक में गुरुग्राम व मानेसर नगर निगम के सफाई कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने बताया कि दोनों निगमों जरूरत से बहुत कम सफाई कर्मचारी लगाए गए हैं, जिस कारण सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है। रोजगार नहीं मिलने के कारण ठेके से हटाए गए सफाई कर्मचारी भी परेशान हैं। उन्होंने बताया कि जिन एजेंसियो ने सफाई का पहले ठेका लिया था, उन्होंने भी कर्मचारियों के बकाया वेतन का अभी तक भुगतान नहीं किया। इसी प्रकर सफाई कर्मियों के लिए एक सुदृढ़ बीमा पॉलिसी होनी चाहिए। चेयरमैन कृष्ण कुमार ने कहा कि इन मांगों पर विन्रमतापूर्वक विचार किया जाएगा।

कांग्रेस नगर निगम चुनाव के लिए तैयार, पार्टी सिब्बल पर लड़ेगी चुनाव : बीबी बतरा

एजेंसी

रोहतक। प्रदेश में नगर निकाय चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। इसी को लेकर स्थानीय कांग्रेस विधायक भारत भूषण बतरा ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि कांग्रेस पार्टी चुनाव के लिए हर समय पूरी तरह से तैयार रहती है और नगर निगम चुनाव कांग्रेस पार्टी सिब्बल पर चुनाव लड़ेगी। साथ ही उन्होंने दावा किया कि नगर निगम चुनाव में शहर की सरकार इस बार कांग्रेस पार्टी की होगी और एक समान चहुमुखी विकास किया जाएगा। विधायक भारत भूषण बतरा अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने मौजूदा प्रदेश सरकार के कामकाज को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अभी सरकार का हनीमून पीरियड चल रहा है और सरकार घोषणाएं ज्यादा कर रही है, लेकिन धरातल पर विकास कार्य नहीं हो रहे। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार स्पस्टीकरण दे आखिर सरकार के पास

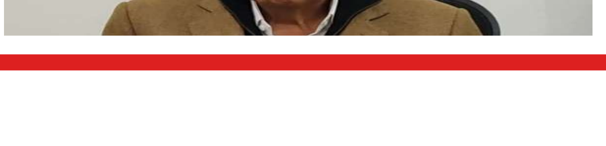

विकास कार्यों के लिए पैसा है भी या नहीं। कांग्रेस संठगन में विस्तार व प्रदेश में विपक्ष की भूमिका को लेकर पूछे गए सवाल के जबाव में विधायक बतरा ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस 37 विधायकों के साथ सबसे मजबूत विपक्ष की भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि बहराल संगठन नहीं है, लेकिन बावजूद इसके भी कांग्रेस पार्टी स्ट्रांग पार्टी है। कांग्रेस लगातार जनहित के मुद्दे उठा रही है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संसद में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के खिलाफ की गई तलख टिप्पणी को लेकर विधायक बतरा ने कहा कि वह अशोभनीय है और भाजपा नेता हमेशा से महापुरूषों का अपमान करते रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी महापुरूषों के अपमान को किसी भी कीमत पर बर्दाशत नहीं करेगी और इसके लिए 24 दिसंबर को पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

माइंडग्रोव टेक्नोलॉजीज ने जुटाये 80 लाख डॉलर

नई दिल्ली। फैबलेस सेमीकंडक्टर डिजाइन स्टार्टअप माइंडग्रोव टेक्नोलॉजीज ने सीरीज ए फंडिंग राउंड में 80 लाख डॉलर जुटाए हैं। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस फंडिंग राउंड का सह-नेतृत्व रॉकेटशिपडॉटवीसी और स्पेशल इन्वेस्ट द्वारा किया गया है। इसमें मेला वेंचर्स और मौजूदा निवेशकों पीक फिफ्टीन पार्टनर्स, निश्चय गोयल, और व्हाइटबोर्ड कॅपिटल ने भाग लिया है। इसके साथ ही, नए निवेशक अंशुल गोयल ने भी इस राउंड में अपनी भागीदारी दर्ज कराई है। इस पूंजी निवेश का उपयोग करके, कंपनी अपने कार्यबल का विस्तार करने और अपनी इन-हाउस इंजीनियरिंग क्षमताओं को बढ़ाने का इरादा रखती है। इस निवेश से कंपनी की पहली चिप के उत्पादन और बिक्री में भी तेजी आएगी। कंपनी ने इस साल मई में सिक्योर आयओटी तकनीक पेश की थी। यह भारत की पहली व्यावसायिक-ग्रेड की उच्च-प्रदर्शनकारी माइक्रोकंट्रोलर एसओसी (सिस्टीम ऑन चिप) चिप है जो 28 एनएम पर टेप की गई है। इस चिप को घड़ियों, मीटरों, तालों और एक्सेस कंट्रोल डिवाइसों को स्मार्ट कनेक्टेड डिवाइसों में रुपांतर करने के लिए, तथा प्रिंटर और पीओएस मशीनों जैसे बिजली उपकरणों को पावर देने के लिए खास तौर से डिज़ाइन किया गया है।

होंडा और निसान ने व्यावसायिक एकीकरण के लिए किया समझौता, मित्सुबिसी भी उत्सुक

टोक्यो। ऑटोमोबाइल क्षेत्र की जापानी की प्रमुख कंपनियों होंडा मोटर कंपनी और निसान मोटर कंपनी ने आज व्यावसायिक एकीकरण के लिए समझौता किया जिसके तहत वाहन प्लेटफार्मों का मानकीकरण और विद्युतीकरण पहलों के अलावा अन्य पहलों पर विचार किया जाएगा। इसमें मित्सुबिसी मोटर्स कॉर्पोरेशन भी शामिल हो सकती है। इसके साथ ही निसान, होंडा और मित्सुबिशी मोटर्स ने सहयोगात्मक विचारों पर समझौता भी किया है और मित्सुबिशी मोटर्स व्यापार एकीकरण के विचार में भागीदारी या भागीदारी का पता लगाने की बात कही है। निसान और होंडा के एकीकरण से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी बनेगी। निसान , होंडा और मित्सुबिशी मोटर्स ने निसान और होंडा के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में उल्लिखित एक संयुक्त होल्डिंग कंपनी की स्थापना के माध्यम से व्यापार एकीकरण के संबंध में मित्सुबिशी मोटर्स की भागीदारी, भागीदारी और तालमेल साझा करने की संभावना का पता लगाने के लिए एक समझौता किया है। निसान, होंडा और मित्सुबिशी मोटर्स ने मानकीकरण और विद्युतीकरण पर केंद्रित एक रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत के संबंध में एक अगस्त को निसान और होंडा द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में स्थापित ढांचे के आधार पर चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए एक बुनियादी समझौते पर पहुंच गए हैं।

पेट्रोल और डीजल कीमतों में बदलाव नहीं

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.46 प्रतिशत चढ़कर 69.78 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 73.24 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

खाद्य तेलों में टिकाव; दालों में मिलाजुला रुख

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में उबाल आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि दालों में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों

के भाव स्थिर रहे। वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जनवरी का पाम ऑयल वायदा 142 रिंगिट उबलकर 4904 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.53 सेंट की तेजी के साथ 40.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इरेडा को 14वें पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार में एक साथ मिला तीन सम्मान

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) को नई दिल्ली में भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) द्वारा आयोजित 14वें पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह में तीन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि कंपनी ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और निरंतरता के लिए मिनी रत्न श्रेणी में गोल्ड अवॉर्ड प्राप्त किए। इसके अलावा इरेडा को ऑपरेशनल परफॉरमेंस एक्सीलेंस के लिए सिल्वर अवॉर्ड मिला है। इरेडा की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त करने वाली टीम में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) माला घोष चौधरी, महा

प्रबंधक (वित्त एवं प्रशासन) एसके शर्मा, अपर महा प्रबंधक (मानव संसाधन) दुर्रे शाहवार और अन्य अधिकारी शामिल थे। लोक उद्यम विभाग के पूर्व सचिव डॉ. भास्कर चटर्जी और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य अपूर्व कुमार मिश्रा ने इरेडा को ये पुरस्कार प्रदान किए। इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने इन पुरस्कारों के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, इन सम्मानों से कॉर्पोरेट प्रशासन, निरंतरता और परिचालन संबंधी उत्कृष्टता के प्रति इरेडा की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई है। इरेडा अध्यक्ष ने केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद नाइक, विभाग के सचिव प्रशांत कुमार सिंह, मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा निदेशक मंडल के प्रति उनके निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने इस सम्मान के लिए भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे हमें भारत में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बदलाव को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका को और मजबूत करने के लिए प्रेरणा मिलती है। इसके साथ ही दास ने इरेडा टीम को उनके अथक प्रयासों के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

सेबी ने भारत ग्लोबल डेवलपर्स के शेयरों में कारोबार पर रोक लगाई

एजेंसी
नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भारत ग्लोबल डेवलपर्स लिमिटेड (बीजीडीएल) के कारोबार को निलंबित कर दिया है।

सेबी की कार्रवाई के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर भारत ग्लोबल डेवलपर्स के शेयर 5 फीसदी की निचली सर्किट सीमा तक गिरकर 1,236.45 रुपये पर आ गए हैं। सेबी ने बीजीडीएल के खिलाफ वित्तीय गलतबयानी, भ्रामक खुलासे, मूल्य हेरफेर और बढ़े हुए मूल्य पर शेयर बेचने के कारण ये कार्रवाई की है। सेबी ने भारत ग्लोबल डेवलपर्स लिमिटेड में अगले नोटिस तक स्टॉक में ट्रेडिंग को निलंबित कर दिया गया है। पूंजी बाजार नियामक ने कंपनी के प्रमोटरों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे उन्हें अनिश्चितकाल के लिए पूंजी बाजार तक पहुंचने से रोक दिया गया है। पूंजी बाजार नियामक ने अपने अंतरिम आदेश में तरजीही आवंटियों द्वारा शेयरों की बिक्री के जरिए कमाए गए 271.6 करोड़ के अवैध मुनाफे को जब्त कर दिया है। इसके अलावा बाजार नियामक ने इसके प्रबंध निदेशक अशोक कुमार सेवाडा, मुख्य कार्यपालक अधिकारी मोहसिन शेख और कंपनी के निदेशकों दिनेश कुमार शर्मा, निराली प्रभातभाई करेथा और कई तरजीही शेयरों के आवंटियों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। नियामक का यह आदेश 16 दिसंबर, 2024 को कंपनी के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट और शिकायतें मिलने के बाद आई हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,500 रुपये से लेकर 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,050 रुपये से लेकर 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,400 रुपये प्रति

10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नवंबर महीने में रूस से कच्चे तेल के आयात में गिरावट, इराक व सऊदी अरब से होने वाला आयात 10.8 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी
नई दिल्ली। नवंबर महीने में अंतरराष्ट्रीय बाजार से होने वाले कच्चे तेल के आयात के ट्रेंड में बदलाव हुआ है। इस महीने रूस से होने वाले कच्चे तेल के आयात में कमी आई है, जबकि इराक और सऊदी अरब जैसे देशों से होने वाला कच्चे तेल का आयत बढ़ कर 9 महीने के रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। नवंबर महीने में भारत ने इराक और सऊदी अरब जैसे देशों से अधिक मात्रा में कच्चे तेल की खरीदारी की। रूस और यूक्रेन के बीच जंग की शुरुआत होने के बाद से ही विश्व समुदाय ने रूस पर दबाव डालने के लिए कई आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे। इन प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूस कच्चे तेल की बिक्री नहीं कर पा रहा था। ऐसी स्थिति में रूस ने अपने मित्र देशों को रियायती दर पर कच्चा तेल बेचना शुरू किया, जिससे वो खुद प्रतिबंधों के बावजूद बड़े आर्थिक संकट का सामना करने से बच गया, वहीं उसके मित्र देशों को रियायती दर पर कच्चा तेल मिलता रहा। भारत सरकार ने भी प्रतिबंधों के बावजूद अमेरिका से कच्चे तेल की खरीदारी जारी रखी, जिससे भारत के ऑयल इंपोर्ट बिल में गिरावट भी आई। इस साल

अक्टूबर तक भारत रूस से सबसे अधिक मात्रा में कच्चे तेल की खरीदारी करता रहा, लेकिन नवंबर महीने में इस ट्रेंड में बदलाव आया। नवंबर में रूस से होने वाले कच्चे तेल के आयत में करीब 13 प्रतिशत की कमी आ गई। कच्चे तेल के आयात के आंकड़ों के मुताबिक नवंबर में रूस से प्रतिदिन औसतन 13.22 लाख बैरल कच्चा तेल मंगाया गया, जबकि अक्टूबर में ये आंकड़ा 15.20 लाख बैरल प्रति दिन का था। दूसरी ओर नवंबर महीने में सऊदी अरब और इराक जैसे देशों से होने वाला कच्चे तेल का आयात बढ़ कर 22.80 लाख बैरल प्रतिदिन के स्तर पर पहुंच गया, जबकि अक्टूबर में ये आंकड़ा 20.58 लाख बैरल प्रति दिन का था। इस तरह नवंबर महीने में मिडिल ईस्ट से होने वाले कच्चे तेल के आयात में 10.80 प्रतिशत की तेजी आ गई।

दिल्ली-एनसीआर में फ्लैटों की कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि

एजेंसी
नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संपत्ति के मूल्यों में बहुत ही कम समय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है क्योंकि आम लोगों के साथ ही निवेशकों ने इस क्षेत्र में रूचि दिखा रहे हैं। रियल्टी बाजारों में प्राइस ट्रेंड्स के एक प्रमुख संकेतक हाउसिंग प्राइस इंडेक्स (एचपीआई) के नवीनतम निष्कर्षों के अनुसार एनसीआर ने 178 एचपीआई के साथ अपने प्रतिस्पर्धी इलाकों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है, जो मुख्य रूप से मजबूत एंड-यूजर के बीच मांग, निवेशकों की रुचि और न्यू गुड़गांव, नोएडा एक्सटेंशन और द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे प्रमुख माइक्रो मार्केट में महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि से प्रेरित है। जून 2024 में समाप्त तिमाही में दिल्ली एनसीआर का एचपीआई 165 रहा था जो अब बढ़कर 178 हो गया है।रियल एस्टेट ऐप हाउसिंग डॉट कॉम और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एचपीआई एक साधन के रूप में कार्य करता है जो भारत के 13 प्रमुख बाजारों में आवासीय घरों की कीमतों को ट्रैक करता है। अखिल भारतीय स्तर पर एचपीआई सितंबर में 2 अंक बढ़ा जबकि बेंगलुरु एवं कोलकाता में 12 अंकों की उछाल देखी गयी है। इस दौरान हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद, मुंबई और पुणे में घरों की कीमतों लगभग स्थिरता रही है। राष्ट्रीय स्तर पर एचपीआई सितंबर में 128 पर पहुंच गया, जो तिमाही-दर-तिमाही 2 अंकों की वृद्धि है। इससे पता चला है कि प्रमुख आवासीय केंद्रों में संपत्ति के मूल्यों में लगभग स्थिरता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये निष्कर्ष भारत के आवासीय रियल एस्टेट बाजार की मजबूती की पुष्टि करते हैं।

जाजू रश्मि रिफ्रैक्टरीज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी
नई दिल्ली। जयपुर स्थित जाजू रश्मि रिफ्रैक्टरीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 150 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी के शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सूचीबद्ध करने का भी प्रस्ताव है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक 10 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 150 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया निर्गम है, जिसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है। यह इश्यू बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया का पालन करेगा। इसके तहत अर्हता प्राप्त

संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) को 50 फीसदी से अधिक हिस्सा आवंटित नहीं किया जाएगा, जबकि शुद्ध ऑफर का 15 फीसदी और 35 फीसदी हिस्सा क्रमशः गैर-संस्थागत निवेशकों और खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रहेगा।स्टील उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण फेरो एलॉय के विभिन्न ग्रेड में विशेषज्ञता वाली कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 61.83 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग प्रस्तावित बोकारो परियोजना में फेरो मिश्र धातुओं की उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करने के लिए नई विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना के आंशिक वित्तपोषण और 47.67 करोड़ रुपये अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि जयपुर स्थित जाजू रश्मि रिफ्रैक्टरीज लिमिटेड स्टील उद्योग में स्टील के निर्माण में एक आवश्यक कच्चा माल, फेरो सिलिकॉन, फेरोमैंगनीज और सिलिको मैंगनीज जैसे विभिन्न ग्रेड के फेरो मिश्र धातुओं का निर्माता और निर्यातक है। इस कंपनी की विरासत दो दशकों से अधिक पुरानी है। जयपुर में अपनी पहली विनिर्माण इकाई के साथ 1995 में स्थापित कंपनी का निर्यात नेटवर्क 29 देशों में फैला हुआ है, जिसमें मध्य पूर्व, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया, दक्षिण एशिया, पश्चिमी यूरोप और पूर्वी एशिया के क्षेत्र शामिल हैं।

जीएसपी क्रॉप साइंस ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी
मुंबई/नई दिल्ली। जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) और बीएसई बॉम्?बे स?टॉक एक?सचेंज (बीएसई) लिमिटेड में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।सेबी के समक्ष जमा दस?तावेज के मुताबिक अहमदाबाद स्थित एग्रोकेमिकल कंपनी इस आईपीओ के जरिए 280 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड ये आईपीओ नए शेयर जारी करने और बिक्री के लिए प्रस्ताव का मिश्रण है। कंपनी के 10 रुपये के अंकित मूल्य

वाला ये आईपीओ 280 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों के निर्गम और प्रमोटर सेलिंग शेयरधारकों द्वारा 6 मिलियन इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है।

जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड के इस आईपीओ प्रस्ताव में विलासबेन व्रजमोहन शाह द्वारा 2.65 मिलियन इक्विटी शेयर, भावेश व्रजमोहन शाह द्वारा 1.67 मिलियन इक्विटी शेयर और कप्पा ट्रस्ट के द्वारा 1.67 मिलियन इक्विटी शेयर बेचने वाले शेयरधारक शामिल हैं। इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण शामिल है। इसके अलावा कर्मचारी आरक्षण हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को भी छूट दी जा रही है।

जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड नए इश्यू से प्राप्त 200 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के सभी या कुछ हिस्से के पुनर्भुगतान या पूर्व-पुनर्भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। जीएसपी क्रॉप साइंस एक शोध-केंद्रित एग्रोकेमिकल कंपनी है। इस कंपनी के पास देश में कीटनाशकों, शाकनाशियों, कवकनाशियों और पौधों की वृद्धि नियामकों के विकास और निर्माण में 39 साल से अधिक का अनुभव है।

बजट के दिन शनिवार को खुलेगा शेयर बाजार, एनएसई और बीएसई पर होगा कारोबार

एजेंसी
मुंबई/नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट एक फरवरी, 2025 को संसद में पेश किए जाने के दिन शनिवार होने के बावजूद दोनों शेयर बाजार कारोबार के लिए खुले रहेंगे।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) दोनों ने जारी बयान में यह जानकारी दी है। दोनों शेयर बाजारों ने अलग-अलग जारी परिपत्रों में कहा कि शेयर बाजार 2025-26 का केंद्रीय बजट पेश होने की वजह से एक फरवरी, 2025, शनिवार को कारोबार के लिए खुले रहेंगे। दोनों बाजारों में सुबह 9.15 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक सामान्य कामकाजी दिनों की तरह कारोबार होगा। आमतौर पर शेयर बाजार हफ्ते के दो अंतिम दिन शनिवार और रविवार को बंद रहते हैं लेकिन विशेष परिस्थितियों में इन्हें खोला जाता है। इसके पहले

एक फरवरी, 2020 और 28 फरवरी, 2015 को भी शेयर बाजार शनिवार होने के बावजूद बजट के दिन कारोबार के लिए खुले हुए थे। वित्त वर्ष 2001 में केंद्रीय बजट पेश करने का समय शाम पांच बजे से बदलकर सुबह 11 बजे किए जाने के बाद से ही शेयर बाजार हमेशा की तरह सामान्य काम काज के लिए खुले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी, 2025 को अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी।

आयकर रिफंड प्राप्त करने के लिए अपने बैंक खाते को करें सत्यापितः आयकर विभाग

नई दिल्ली। आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने वाले करदाताओं को रिफंड प्राप्त करने के लिए उनके बैंक अकाउंट का सत्यापन जरूरी है। आयकर विभाग ने टैक्सपेयर्स को रिफंड पाने के लिए

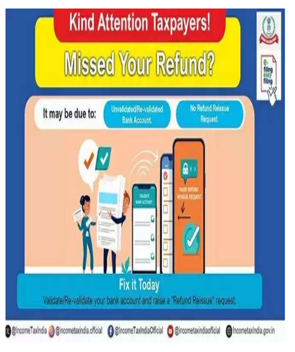

सलाह दी है कि वे अपने बैंक खाते को सत्यापित करें। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि यदि आपका रिफंड आपके बैंक खाते के सत्यापन/पुनः सत्यापन न होने के कारण विफल हो गया है, तो कृपया सुनिश्चित करें कि आपका बैंक खाता मान्य है या पुनः सत्यापन किया गया है, जैसा भी लागू हो। विभाग ने कहा कि करदाताओं कृपया ध्यान दें! यदि आपने अपने बैंक खाते के सत्यापन/पुनः सत्यापन के बाद रिफंड पुनः जारी करने का अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है, तो रिफंड पुनः जारी करने का अनुरोध प्रस्तुत करना न भूलें।

यूनीमेक एयरोस्पेस का आईपीओ खुला, निवेशक 26 दिसंबर तक लगा सकेंगे बोली

एजेंसी
मुंबई/नई दिल्ली। यूनिमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू को निवेशकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। ये इश्यू अब तक 1.8 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। रिटेल कैटेगरी में यह 2.39 गुना, एनआईआई कैटेगरी में 1.72 गुना और क्यूआईबी 0.8 गुना तक बुक हो चुका है। यूनिमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग इस आईपीओ के जरिए 582 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इसके लिए मूल?य का दायरा (प्राइस बैंड) 745-785 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। निवेशक 26 दिसंबर, 2024 तक इसके लिए बोली लगा सकते हैं। निवेशक इसमें न्यूनतम 19 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 19 इक्विटी शेयरों के गुणकों में निवेश करने के लिए बोली लगा सकते हैं। कंपनी के शेयर 31 दिसंबर, 2024 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट हो सकते हैं।

बेंगलुरु स्थित स्पेस स्टार्टअप कंपनी का 5 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाला ये आईपीओ 250 करोड़ रुपये मूल्य के 0.32 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश?यू और 250 करोड़ रुपये के 0.32 करोड़ शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) है। इस आईपीओ की कुल पेशकश में से

50 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व रहेगा, जबकि 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए और 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए रिजर्व रहेगा। उल्लेखनीय है कि बेंगलुरु स्थित स्पेस स्टार्टअप यूनिमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग एक ग्लोबल हाई-प्रिसिशन इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस प्रोवाइडर है। कंपनी इस इश्यू से मिलने वाले धनराशि का इस्तेमाल अपनी क्षमता बढ़ाने, मशीनरी और उपकरण खरीदने और वर्किंग कैपिटल जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इसके अलावा कुछ धनराशि कंपनी की सहायक इकाई में निवेश की जाएगी, ताकि उनकी मशीनरी और वर्किंग कैपिटल की जरूरतें पूरी की जा सकें। इसके अलावा कुछ राशि कर्ज चुकाने में उपयोग होगा, जबकि बाकी बची राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

सर्दियों में बनाएं इन तीन तरह के हेल्दी रायता, एक तो आलिया भट्ट को है पसंद

रायता तो सभी को पसंद होता है, लेकिन लोग सर्दी के दिनों में इसे खाना कम कर देते हैं. हालांकि आप सर्दियों में भी रायता खा सकते हैं तो चलिए जान लेते हैं कि ठंड के मौसम में आप किन चीजों का रायता बना सकते हैं.

सर्दी के दिनों में लोग गर्म चीजें ज्यादा खाते हैं ताकि शरीर अंदर से गर्म रहे और इस वजह से दही, छाछ जैसे हेल्दी फूड्स भी खाना बंद कर देते हैं, लेकिन दही प्रोबायोटिक है और गुड बैक्टीरिया के साथ ही न्यूट्रिएंट्स रिच है, इसलिए इसे डाइट में शामिल कर सकते हैं. फिलहाल बात कर लेते हैं रायता की जो खाने के स्वाद को दोगुना कर देता है. लोग गर्मी में खीरा और बूंदी का रायता खाना पसंद करते हैं, लेकिन सर्दी में भी आप कुछ सब्जियों से रायता बना सकते हैं जो न सिर्फ स्वाद से भरपूर रहेगा बल्कि हेल्दी भी है.

सर्दियों में अगर आप भी रायता को अपनी थाली से हटा देते हैं तो जान लें कि बूंदी और खीरा के रायता के अलावा भी कौन-कौन से रायता बन सकते हैं जो ठंडे मौसम में भी आपको हेल्दी रखने में मदद करेंगे. सर्दी में आने वाली सब्जियों से आप टेस्टी रायता बना सकते हैं और दही के साथ ही ये सब्जियां भी पोषक तत्वों का भंडार हैं तो चलिए जान लेते हैं.

बथुआ का रायता

सर्दी के दिनों में बथुआ के पराठे और सब्जी तो काफी पसंद की ही जाती है, इसके अलावा आप टेस्टी और न्यूट्रिएंट्स रिच रायता भी बना सकते हैं.

सबसे पहले बथुआ की डंडी से पत्तों को अलग कर लें और धोकर काट लें. इसे एक पैन में ढककर उबाल लें. उबलने के बाद एक छलनी में रख दें ताकि सारा पानी निकल जाएं. तब तक हरी मिर्च और अदरक को बारीक काटें. जीरे और थोड़ी सी काली मिर्च को रोस्ट करके पाउडर बना लें. अब बथुआ को पीस लें और इसमें दही डालकर फेंट लें. जीरा और काली मिर्च का पाउडर डालें साथ में हरी मिर्च डालें. तैयार है बथुआ का टेस्टी रायता.

चुकंदर का रायता

आप सर्दी के दिनों में चुकंदर का रायता बना सकते हैं जो एक्ट्रेस आलिया भट्ट भी खाना पसंद करती हैं. एक बार उन्होंने इसकी रेसिपी भी शेयर की थी. ये रायता टेस्टी होने के साथ ही पोषक तत्वों का खजाना भी है.

एक चुकंदर को छील लें और फिर धोने के बाद कद्दूकस करके भाप में हल्का पका लें. इसके बाद दही को फेंटकर चुकंदर में मिलाएं. स्वाद के मुताबिक, थोड़ा सा रॉक सॉल्ट, काला नमक और भुने जीरा का पाउडर डालकर मिलाएं और फिर कटे हुए धनिया पत्ता से गार्निश करके सर्व करें.

गाजर का रायता

सर्दी की सब्जी गाजर आंखों के लिए बेहद फायदेमंद रहती है, क्योंकि ये विटामिन ए से भरपूर सब्जी है. इसके अलावा भी इसमें कई पोषक तत्व होते हैं. गाजर का हलवा तो सभी को पसंद होता है आप इसका रायता भी ट्राई कर सकते हैं.

सबसे पहले गाजर को धोकर कद्दूकस कर लें. अब दही को एक बाउल में लें और इसमें भुने जीरे और काली मिर्च का पाउडर, थोड़ा सा काला नमक डालें, इसे ब्लेंड करें या फिर मथ लें ताकि ये स्मूद हो जाए. अब गाजर एड करें और थोड़ा सा पानी डालकर रायते के टेक्सचर को सही करें. सबसे लास्ट में रायता में कटी धनिया पत्ती और हरी मिर्च मिलाएं.

भारत में एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक संविधान के लिए नुकसानदेह

18वीं लोकसभा के चुनाव के बाद, भाजपा और उसके एनडीए गठबंधन के पास लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत नहीं है, न ही राज्यसभा में। संविधान संशोधन को दोनों सदनों में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से पारित किया जाना आवश्यक होगा। इसके अलावा, दोनों सदनों के आधे सदस्यों को संशोधन के पक्ष में मतदान करना होगा। ऐसे बहुमत के बिना, ये विधेयक पेश किये गये हैं।भारत के संविधान के लागू होने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर लोकसभा में हुई बहस में संविधान की रक्षा के बारे में भाजपा नेताओं द्वारा वाक्पटुता दिखाने के दो दिन बाद, मोदी सरकार ने एक संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है, जो संविधान और उसके भीतर संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाने का प्रयास है।

दो विधेयक पेश किये गये - संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक - जो लोकसभा और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सभी विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव सुनिश्चित करने का प्रावधान करते हैं।संविधान संशोधन विधेयक तीन खंडों में संशोधन करता है और संविधान में एक नया खंड शामिल करता है। इन संशोधनों केतहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए पांच साल के कार्यकाल के मूल सिद्धांत को खत्म कर दिया गया है।सबसे पहले, लोकसभा चुनाव और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ लाने के लिए, भारत के राष्ट्रपति द्वारा घोषित नियत तिथि के बाद लोकसभा के पांच साल के कार्यकाल की समाप्ति पर, सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति पर समाप्त हो जायेगा। इसका मतलब यह है कि एक साथ चुनाव का रास्ता बनाने के लिए कुछ विधानसभाओं के पांच साल के कार्यकाल में कटौती की जायेगी। यह राज्य विधानसभा के पूरे पांच साल के कार्यकाल के अधिकार पर पहला हमला है।

इसके अलावा, भविष्य में लोकसभा या राज्य विधानसभाओं के लिए पांच साल के कार्यकाल की गारंटी नहीं है। संशोधनों में से एक में कहा गया है कि यदि लोकसभा अपने पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति से पहले भंग हो जाती है, तो अगली लोकसभा के लिए केवल शेष अवधि के लिए चुनाव होंगे। इसका मतलब यह है कि यदि लोकसभा अपने कार्यकाल के तीन साल बाद भंग हो जाती है, तो अगला चुनाव केवल दो साल तक काम करने वाली लोकसभा के लिए होगा।राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल के संबंध में एक समान संशोधन प्रस्तावित है। यदि किसी राज्य की विधानसभा को बीच में ही भंग कर दिया जाता है, तो चुनाव केवल शेष अवधि के लिए होंगे। उदाहरण के लिए, यदि किसी राज्य की विधानसभा को तीन साल बाद भंग कर दिया जाता है, तो चुनाव केवल शेष अवधि के लिए होंगे, जो केवल दो साल होगी। इसलिए, मध्यावधि चुनाव में चुने गए संसद सदस्य या विधायक का कार्यकाल पांच साल का नहीं होगा। यह संविधान में निर्धारित संसदीय लोकतंत्र की मूल योजना के विरुद्ध है।

राज्य विधानसभा के कार्यकाल में इस तरह की कटौती से संघवाद और निर्वाचित राज्य विधायकों के अधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। संघीय ढांचा, जो राज्यों के संघ में अभिव्यक्त होता है, और अधिक कमजोर हो जायेगा क्योंकि विधानसभा के लिए पांच साल के कार्यकाल का मूल अधिकार नष्ट हो जायेगा।

यह केंद्र सरकार और केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा हेरफेर का रास्ता भी खोलता है। उदाहरण के लिए, यदि राज्य सरकार के पतन के कारण राज्य विधानसभा अपने कार्यकाल के चार साल बाद भंग हो जाती है, तो विधानसभा के शेष एक साल के कार्यकाल के लिए मध्यावधि चुनाव का कोई मतलब नहीं है। ऐसी स्थिति में या तो सरकार के पतन को रोकने के लिए खरीद-फरोख्त का रास्ता खुलेगा या फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने का निमंत्रण होगा।

संघवाद का अर्थ है विविधता और अलग-अलग भाषाई-सामाजिक-सांस्कृतिक स्थितियों और राजनीतिक बहुलता को मान्यता देना। लोकसभा के साथ सभी राज्य विधानसभा चुनावों को एक साथ सीमित करना उन्हें एक केंद्रीकृत प्रणाली में एक समरूप राजनीतिक इकाई में बदलने का प्रयास है।

%एक राष्ट्र, एक चुनाव% प्रणाली के समर्थकों द्वारा आगे बढ़ाये गये प्रमुख तर्कों में से एक यह है कि यह अलग-अलग समय पर होने वाले चुनावों की बहुलता के कारण होने वाले फिजूलखर्ची को कम करेगा। हालांकि, संसद और विधानसभा चुनावों के बीच तालमेल बनाये रखने के लिए प्रस्तावित बदलावों से कम समय में अनावश्यक चुनावों का रास्ता खुल जाता है।प्रस्तावित संविधान संशोधनों के अनुसार, पांच साल के कार्यकाल वाली राज्य विधानसभा के लिए चुनाव हो सकते हैं; फिर अगर राज्य सरकार गिरती है, तो शेष कार्यकाल के लिए मध्यावधि चुनाव होंगे; जिसके बाद पांच साल के कार्यकाल के अंत में एक और चुनाव होगा। इसका मतलब है कि पांच साल के अंतराल में तीन चुनाव होंगे। अगर ऐसी स्थिति लोकसभा स्तर पर होती है, तो पांच साल के अंतराल में तीन राष्ट्रीय चुनाव होंगे। ऐसी बेतुकी स्थिति चुनावों पर होने वाले खर्च को कई गुना बढ़ा देगी।विधेयक में एक ऐसा खंड भी पेश किया गया है, जो चुनाव आयोग को किसी भी राज्य में चुनाव में देरी करने का फैसला करने का अधिकार देता है, अगर उसे लगता है कि स्थिति इसकी मांग करती है। चुनाव आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति कार्रवाई करेंगे। यह एक खतरनाक प्रावधान है जिसका इस्तेमाल संघीय ढांचे में किसी राज्य के मूल अधिकार को खत्म करने के लिए किया जा सकता है।भाजपा शासकों की अति-राष्ट्रवादी हिंदुत्व विचारधारा ने %एक राष्ट्र, एक चुनाव% प्रणाली को प्रेरित किया है। यह एक ऐसी विचारधारा है जो एक सत्तावादी-केंद्रीकृत राज्य की लालसा रखती है। यह संघवाद, विविधता और बहुलवाद के प्रति गहरी शत्रुतापूर्ण है। मोदी सरकार ने इन विधेयकों को एक अति-केंद्रीकृत राज्य के लिए प्रयास के हिस्से के रूप में लाया है।18वीं लोकसभा के चुनाव के बाद, भाजपा और उसके एनडीए गठबंधन के पास लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत नहीं है, न ही राज्यसभा में। संविधान संशोधन को दोनों सदनों में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से पारित किया जाना आवश्यक होगा। इसके अलावा, दोनों सदनों के आधे सदस्यों को संशोधन के पक्ष में मतदान करना होगा। ऐसे बहुमत के बिना, ये विधेयक पेश किये गये हैं और उन्हें एक संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया विस्तार से विचारण के लिए भेजा गया है।ऐसा लगता है कि स्इसका उद्देश्य संसद में इस मुद्दे को लटकाये रखना और इसे राजनीतिक प्रचार के लिए इस्तेमाल करना और भविष्य में किसी अनुकूल अवसर का इंतजार करना है। यह आवश्यक है कि इन संशोधनों के लोकतंत्र-विरोधी, संघीय-विरोधी चरित्र के विरुद्ध अभियान चलाया जाये और लोगों के सामने इसे उजागर किया जाये।

संपादकीय

अंबेडकर-विमर्श को आगे बढ़ाये कांग्रेस

सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी 20 दिसम्बर को खत्म हुए संसद के शीतकालीन सत्र के अंतिम दो दिन %संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा% के नाम से आयोजित विशेष चर्चा को अपने लिये कांग्रेस की आलोचना का सुअवसर मान रही थी, लेकिन उल्टे वह केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर के लिये दिये गये अपमानजनक वक्तव्य से बुरी तरह से फंस गयी है। देश भर में शाह के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूरी भाजपा की आलोचना हो रही है। इतना ही नहीं, भाजपा के वे सारे सहयोगी दल जो सत्ता के भागीदार बने बैठे हैं, वे भी खुद को इस विवाद में असहाय महसूस कर रहे हैं।

गृह मंत्री के बयान ने देश भर में उन लोगों को उद्वेलित कर दिया है जो एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष, न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज में विश्वास रखते हैं और मानते हैं कि संविधान ने इन मूल्यों पर आधारित देश बनाने का काम किया है। इस मुद्दे को लेकर विपक्षी गठबन्धन इंडिया ने कांग्रेस के नेतृत्व में 19-20 दिसम्बर को संसद परिसर में प्रदर्शन किया था जिसे भाजपा सांसदों ने हिंसक विवाद में बदल दिया। इसमें हाथा-पाई और धक्का-मुक्की हुई थी। भाजपा के दो सांसद कथित तौर पर घायल हो गये और इस आधार पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। इसके खिलाफ़ देश भर में कांग्रेसी कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आये थे। शाह से माफी व इस्तीफे की मांग के कारण हुए हंगामे के बाद संसद के दोनों सदनों को शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दिया गया। हालांकि ऐसा करने से यह विवाद थमने से रहा क्योंकि कांग्रेस ने इसे अब %संविधान बनाम मनुस्मृति% का विमर्श बना दिया है। पार्टी 24 दिसम्बर को देशव्यापी प्रदर्शन करेगी तथा 26 जनवरी तक शाह के विरूद्ध अभियान चलायेगी।संविधान की लड़ाई जहां एक ओर देश के कोने-कोने तक फैल गई है, उसे कांग्रेस के आसन्न अधिवेशन में नयी धार मिल सकती है। कर्नाटक के बेलगावी (पहले बेलगांव या बेलगाम) में कांग्रेस का अधिवेशन 26 व 27 दिसम्बर को पहले से तय था। यह विशेष सम्मेलन ठीक 100 साल पहले इसी शहर में हुए कांग्रेस अधिवेशन की याद में किया जायेगा जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी। उल्लेखनीय है कि अपने जीवन काल में गांधीजी ने केवल इसी अधिवेशन की सदारत की थी। कांग्रेस तथा देश के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में इस बैठक का विशेष महत्व रहा है जिसमें अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने के लिये आजादी का संघर्ष तेज़ करने सहित अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिये गये थे। वैसे तो बेलगावी सम्मेलन की तैयारियां लम्बे समय से चल रही थीं और देश की जो राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियां हैं, उन पर विचार-विमर्श करने के साथ भाजस्पा-एनडीए की निरंकुश कार्यप्रणाली के खिलाफ लड़ाई की रूपरेखा बनाना भी पहले से तय था, परन्तु माना जा रहा है कि इस अधिवेशन में संसद के भीतर शाह द्वारा अंबेडकर के किये अपमान तथा राहुल पर हुई एफआईआर के कारण अंबेडकर-विमर्श को नयी धार मिलेगी। इसके साथ ही पार्टी अपने स्तर पर तथा इंडिया के साथ तालमेल बनाकर देशव्यापी आंदोलन के कार्यक्रम बना सकती है। पार्टी सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि अब यह मुद्दा सर्वप्रमुख बन गया है और निश्चित ही इस पर गहन विचार होगा।कांग्रेस ने वैसे भी संविधान की रक्षा तथा आरक्षण को पिछले करीब ढाई वर्षों से प्रमुख मुद्दा बनाया हुआ है। राहुल ने सितम्बर 2022 से जनवरी 2023 तक कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, तभी से सामाजिक न्याय का मुद्दा उस सफर का एक अहम हिस्सा बन गया था- बावजूद इसके कि उसका उद्देश्य भाजपा द्वारा फैलाई गई नफ़रत को मिटाकर मोहब्बत का वातावरण तैयार करना था। यह विमर्श इतना आगे बढ़ा कि फिर राहुल ने इसी वर्ष जनवरी से मार्च तक जो दूसरी यात्रा की, तो उसमें न्याय शब्द जुड़ गया- भारत जोड़ो न्याय यात्रा। उसके बाद ही देशवासियों की राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक न्याय की लड़ाई मोदी सरकार की तानाशाही व दमन के बावजूद तेज हुई थी।

लड़ाई साफ है अंबेडकर समर्थक या विरोधी : बीच का कोई रास्ता नहीं

बाबा साहेब डा. आम्बेडकर के मुद्दे पर जनता का दुख और गुस्से से भर जाना स्वाभाविक है

अम्बेडकर का नाम लेकर जिन्दगी में सब कुछ पा लेने वाले लोगों द्वारा भाजपा का बचाव करने का कोई असर नहीं हो रहा है। हजारों सालों से दलित शोषित समुदाय के मन में यह भावना और तेजी से घर करती जा रही है कि बाबा साहेब उनके लिए काम करते थे इसलिए उनका उपहास उड़ाया जा रहा है। जिस तरह राज्यसभा में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बोला कि यह फैशन हो गया है।

बाबा साहेब डा. आम्बेडकर के मुद्दे पर जनता का दुख और गुस्से से भर जाना स्वाभाविक है। वे एक ऐसे नेता थे जिन्होंने करोड़ों भारतीयों का जीवन बदल दिया। हजारों सालों से दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़ा समुदाय जिस अपमान और भेदभाव की जिन्दगी जी रहे थे उसको बदलने का सबसे बड़ा श्रेय उनके नाम है। यह वैसा ही जैसा नेल्सन मंडेला ने काले लोगों को बराबरी और सम्मान का हक दिलाया। रंगभेद पूरी दुनिया में है इसलिए नेल्सन मंडेला का नाम भी पूरी दुनिया में छाया। मगर जातिगत भेदभाव केवल भारत में है इसलिए दुनिया इस के बारे में कम समझ पाई। दूसरी बात काले (ब्लैक) नेल्सन मंडेला के खिलाफ खड़े नहीं हुए। अपने मसीहा को उन्होंने पहचाना। मगर भारत में आज भी डा. आम्बेडकर का अपमान करने वाले और उससे भी ज्यादा शर्मनाक उनका उपहास उड़ाने और नकारने वाले उन लोगों का समर्थन पा रहे हैं जिनके लिए बाबा साहेब जिन्दगी भर लड़ते रहे।

दलित पिछड़े आदिवासियों के कई नेता, कथित बुद्धिजीवी कहलाने वाले, इन्फ्लूएंसर अभी भी केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यह कहकर बचाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इससे पहले बाबा साहेब का अपमान नहीं हुआ था? उस घटना में नहीं हुआ था? फलाने ने नहीं किया था? रिटायर हो गए चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की अदालत में यह बात शायद चल जाती कि अगर पहले किसी ने ऐसा किया था तो अब भी ऐसा किया जा सकता है। लेकिन किसी गांव की पंचायत में भी यह कारण स्वीकार्य नहीं होगा कि कमजोर को दलित को शोषित को पहले भी मारा जाता था, उससे बेगार करवाई जाती थी, अपमान किया जाता था अब कर दिया तो क्या हो गया?लेकिन अम्बेडकर का नाम लेकर जिन्दगी में सब कुछ पा लेने वाले लोगों द्वारा भाजपा का बचाव करने का कोई असर नहीं हो रहा है। हजारों सालों से दलित शोषित समुदाय के मन में यह भावना और तेजी से घर करती जा रही है कि बाबा साहेब उनके लिए काम करते थे इसलिए उनका उपहास उड़ाया जा रहा है। जिस तरह राज्यसभा में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बोला कि यह फैशन हो गया है। वह उन सारे शोषित लोगों को तीर की तरह लगा जिनकी जिन्दगी में मान सम्मान, बराबरी के अवसर बाबा साहेब की वजह से आए हैं।

भाजपा की कमान से तीर निकल गया। गांव-गांव में कही जाने वाली वह बात सच होती दिख रही है कि मुंह से निकली बात और कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आते हैं। और वह बात कोई छोटी मोटी नहीं थी। यह बताने वाली थी कि भाजपा के मन में दलितों के लिए क्या विचार हैं। वही प्रतिगामी, मनुवादी विचार कि समानता, सम्मान की बात मत करो। अंबेडकर अंबेडकर मत करो। जिस हाल में रखें उस हाल में रहो। समरस हो जाओ। समरसता का मतलब ही यह है। यह आरएसएस द्वारा गढ़ा हुआ ही शब्द है। यह समानता का समानार्थी नहीं है, बल्कि झूठा संतोष दिलाने वाला शब्द है।जब अमित शाह ने कहा तो उन्हें और भाजपा को नहीं लगा कि क्या हो गया? उन लोगों के लिए आपस में यह बात करना सामान्य बात है। लेकिन भाजपा जब भी सत्ता में आती है वह उन्माद में वह सब बातें सार्वजनिक रुप से करने लगती है जो वह अपने अन्दरूनी सर्किल में रोज करती रहती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद कहा था कि व्यापारी सैनिक से ज्यादा रिस्क उठाता है। वे यह भूल गए कि जिस सेना की वर्दी को वह चाहे जब पहन लेते हैं वहां अपनी जान देने को हाइएस्ट सेक्रिफाइस (सर्वोच्च बलिदान) कहा जाता है। और वह जान देश के लिए दी जाती है। व्यापारी ऐसा कब करता है यह उनसे किसी ने नहीं पूछा? ऐसी बहुत बातें है जो अब सार्वजनिक रूप से बाहर आई हैं मगर उनके अंदर चलती हमेशा से रही हैं। जैसे देश 99 साल के पट्टे पर कांग्रेस ने लिया था। आजादी के महत्व को कम करने और कांग्रेस के आजादी की लड़ाई के नेतृत्व को धुमिल करने के लिए अपने लोगों को यह बताया जाता है। जो अब लोग खुलकर कह देते हैं। और बड़े विश्वास के साथ कि पूरी आजादी थोड़ी है। 99 साल का पट्टा है। ऐसे ही डा आम्बेडकर के महत्व को कम करने के लिए वे कोई प्रतिभावान नहीं थे। थर्ड क्लास में पास होते थे। इतने विद्वान नहीं थे। संविधान खाली उन्होंने नहीं बनाया है जैसी कहानियां अपने लोगों को सुनाई जाती रहीं हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की एक और बात भी याद दिला देते हैं जो व्यापारी ज्यादा महान जैसी कहानियों की तरह उनके मन में जमी थी। नेहरू का कद छोटे करने के लिए उनके खिलाफ बहुत कहानियां प्रचारित की गई हैं। उनमें से एक मोदी जी प्रधानमंत्री बनने के बाद एक अख़बार के साथ इंटरव्यू में बोल गए कि नेहरू तो सरदार पटेल की अंत्येष्टि तक में नहीं गए थे। इंटरव्यू के छपते ही सोशल मीडिया पर वह तस्वीरें आने लगीं जिनमें नेहरू सरदार पटेल की अर्थी को कंधा दे रहे हैं।

गांधी-नेहरू-अंबेडकर इन सबसे नफरत है। और नफरत का कारण एक ही है ये सब दलित शोषित कमजोर पिछड़ी जनता को आगे बढ़ाना चाहते थे। महिलाओं को आगे लाना चाहते थे। और जैसा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और संघ मनुस्मृति के आधार पर इन्हें संचालित करना चाहती है। जैसे थे उसी स्थिति में रहने की ओर धकेलना चाहती है। दलित आदिवासी पिछड़ा आरक्षण के मुकाबले सवर्ण आरक्षण देना उसी दिशा में उठाया गया कदम था।

015 में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने आरक्षण की समीक्षा की बात कही थी। लेकिन उल्टी पड़ गई। भाजपा बिहार विधानसभा चुनाव हार गई। उसके बाद उसने आरक्षण पर बोलने के बदले दो तरीकों से उसे काउंटर करना शुरू किया। एक तो सरकारी नौकरियां खत्म कर दीं। न होगा बांस न बजेगी बांसुरी। नौकरी ही नहीं होगी तो आरक्षण काहे में मिलेगा? दूसरे आरक्षण के सामने दूसरा आरक्षण ले आई। ताकि सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर दिए जा रहे आरक्षण को धीरे-धीरे आर्थिक आधार दिया जा सके। जबकि बाबा साहेब का आरक्षण साफ कहता है कि हजारों सालों से दलित आदिवासियों के साथ सामाजिक भेदभाव होता रहा जिसकी वजह से उनके आगे बढ़ने के सारे अवसर रूक गए। इसलिए उन्हें विशेष अवसर दिए जाने की जरूरत है।

सामाजिक असमानता सबसे बड़ा पहलू है। तो उस सामाजिक असमानता को आर्थिक आधार पर दबाने की कोशिश।यह मुद्दा अब रुकेगा नहीं। 24 दिसंबर मंगलवार को देश भर में कांग्रेस ने आंबेडकर सम्मान मार्च निकालने की घोषणा कर दी है। इसी दिन मायावती ने भी धरने प्रदर्शन का आव्हान किया है। जो लोग सोचते हैं कि बाकी मुद्दों की तरह यह मुद्दा भी दब जाएगा। वे गलत सोचते हैं। यह सीधा जनता पर असर डालने वाला मुद्दा है। अडानी, मणिपुर का असर सीधा देश भर की जनता पर नहीं पड़ रहा था। इसे इस तरह समझ लीजिए कि मायावती किसी मुद्दे पर नहीं बोलीं। मगर इस पर चुप नहीं रह पाईं। उनका अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा और यह मुद्दा ही बहुत कुछ बनाने-बिगाड़ने वाला है। दलितों पिछड़ों आदिवासियों के लिए वे भगवान ही थे। उन्हें जो मिला है वह संविधान से ही मिला है। लड़ाई बिल्कुल साफ हो गई है। संविधान वर्सेस मनुस्मृति।

सबको प्रेम और शांति का पाठ पढ़ाने के लिए आए

प्रभु यीशु

प्रेम से अपने इकलौते पुत्र को अर्पित कर दिया - संत योहन अपने सुसमाचार में कहते हैं- ईश्वर ने संसार को इतना प्यार किया कि उसके लिए उसने अपने इकलौते पुत्र को अर्पित कर दिया, जिससे जो उसमें विश्वास करता है, उसका सर्वनाश न हो, बल्कि अनन्त जीवन प्राप्त करें। अतः हमारे पाप और दुष्कर्मों के कारण नहीं, बल्कि हमारे प्रति ईश्वर के अपूर्व प्रेम के कारण ही येशु को मानव बनकर जन्म लेना पड़ा।

बाइबिल, कुरआन, गुरुग्रंथ साहिब और रामायण-गीता आदि का सार एक है। सभी का निष्कर्ष यह है कि अच्छे कर्म करो और फल की प्राप्ति करो। धर्म का मूल आधार भी यही है। धर्म किसी को बैरी नहीं बनाता और न बैरी बनाने की सलाह देता है। धर्म कहता है कि उस आदि अनंत सत्ता को स्वीकार करो, जिसने तुमको बनाया और जो पूरी दुनिया को चलाने और पालने वाला है। प्रभु यीशु ने अपने शिष्यों से कहा था कि पाप से घृणा करो, पापी से नहीं। वास्तव में ख्रीस्त के जन्म की अद्वितीयता इसी में है कि वह मानव जाति के प्रति ईश्वर के प्रेम का प्रत्यक्ष चिह्न है। उसका उद्देश्य है सबका उद्धार करना। यीशु के व्यक्तित्व में ईश्वर का मानव बनकर आने का उद्देश्य है- सब मनुष्यों को जीवन प्रदान करना।

ईश्वरीय शक्ति सभी में है

जिस किसी ने इस सत्ता को नकराने की कोशिश की, उसका पतन हो गया। हर धर्म में ही बहुत से ऐसे अत्याचारी शासकों की कहानी को जोड़ा गया है, जिन्होंने ईश्वर की सत्ता से टकराने की कोशिश की। लेकिन किसी एक दिव्य पुरुष के आगमन पर उनका अंत हो गया। इससे एक बात साफ होती है कि ईश्वरीय शक्ति हर प्राणी में होती है। यही ईश्वरीय शक्ति किसी को आम लोगों से अलग कर देती है और इसी ईश्वरीय शक्ति में हम किसी देवता या फरिश्ते की तलाश करते हैं।

अहंकार में मानव अपने कर्म भूल जाता - परमात्मा के आदेश को ठुकरा कर मानव पाप की ओर भागता है। वह ईश्वर की परीक्षा लेता है और स्वयं ही ब्रह्म होने का गुमान पालता है। यहूदियों के राजा ऑगस्टस सीजर ने भी यही किया। अपनी सत्ता से इतराकर वह जनगणना का आदेश कर बैठा। दिसंबर की रात थी। ईसा मसीह के

माता-पिता को भी नाम दर्ज कराने के लिए येरुसलम जाना पड़ा। वहीं पर पास के ही एक गांव बेथलहम में प्रभु यीशु का जन्म हुआ।

प्रेम से अपने इकलौते पुत्र को अर्पित कर दिया - संत योहन अपने सुसमाचार में कहते हैं- ईश्वर ने संसार को इतना प्यार किया कि उसके लिए उसने अपने इकलौते पुत्र को अर्पित कर दिया, जिससे जो उसमें विश्वास करता है, उसका सर्वनाश न हो, बल्कि अनन्त जीवन प्राप्त करें। अत: हमारे पाप और दुष्कर्मों के कारण नहीं, बल्कि हमारे प्रति ईश्वर के अपूर्व प्रेम के कारण ही येशु को मानव बनकर जन्म लेना पड़ा। मानव जाति के प्रति पिता ईश्वर के प्रेम ने स्वयं उन्हें पृथ्वी पर आने को प्रेरित किया, ताकि वह हमारी रक्षा कर सके। क्रिसमस के अवसर पर चरनी में लेटा येशु हमें यह जानकारी देता है कि ईश्वर का असीम प्रेम हर मानव के प्रति है। यीशु ईश्वर का पुत्र मानव बन जाता है, जिससे मानवों के पुत्र ईश्वर के पुत्र बन जाएँ। मत्ती के पहले अध्याय में हम पढ़ते हैं- एक कुँआरी गर्भवती होगी और पुत्र प्रसव करेगी और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा जिसका अर्थ है- ईश्वर हमारे साथ है क्रिसमस के बारे में दिए गए इन दोनों उदाहरणों में यह दिया गया है कि क्रिसमस के समय ईश्वर, मनुष्य बन गया और मनुष्य जाति के लिए ईश्वर के पुत्र बनने की संभावना उत्पन्न हो गई। मानव येशु ही इम्मानुएल हैं और वे ही ईश्वर हमारे साथ हैं। हममें से कई यह प्रश्न पूछते हैं- ईश्वर कहाँ है? क्रिसमस हमसे कहता है- ईश्वर मानव बन गया है। अत: ईश्वर को कहीं और खोजने के बदले हम सबको अपने भाई-बहनों में उसकी खोज करनी चाहिए। इसलिए हम अपने पड़ोसियों की सेवा, आदर और प्रेम करने में अपने जीवन का सारा समय व्यतीत करें। यीशु कहते हैं- भ्रातृ-प्रेम ही सबसे श्रेष्ठ प्रेम है।

ईश्वर के प्रति प्रेम का पर्व

क्रिसमस

क्रिसमस हमसे कहता है कि ईश्वर ने हमारे इतिहास में इसलिए प्रवेश किया कि वह संसार को, भीतर से परिवर्तित कर सके। संत आइरीनियस कहते हैं– ईश्वर की महिमा पूर्ण मनुष्य होकर जीने में है। इसलिए सच्ची आध्यात्मिकता का अर्थ है इस संसार में पूर्ण मनुष्य होकर रहना। येशु ख्रीस्त इसलिए मनुष्य बन गए, ताकि वे हमारे शरीर और आत्मा दोनों की रक्षा करें। हम सोचते हैं कि पाप का कारण शरीर है, इसलिए शरीर को त्यागना चाहिए।

क्रिसमस का पर्व हमसे भ्रातृ-प्रेम द्वारा हमारे प्रति ईश्वर के प्रेम की कृतज्ञता प्रकट करने को कहता है। सच्चे आनंद की अनुभूति तभी होगी जब हम अपने भाई-बहनों से प्रेम करेंगे। हमारा आनंद दूना हो जाता है जब हम अपना आनंद, अपना जीवन और अपना प्रेम दूसरों के साथ बाँटते हैं। यह आनंद तभी मिलेगा जब हम अपने प्रेम को तथा अपने को दूसरों के साथ बाँटते हैं, किंतु ख्रीस्त जयंती हमारी इस मूल्य-प्रणाली को उलट-पुलट कर देती है। इस पर्व पर हम अवतार के रहस्य को मानते हैं। अवतार का अर्थ है शरीर धारण करना। ईश्वर, येशु में मनुष्य बन गया। उसने स्वयं मानव जाति के साथ तादात्म्य स्थापित किया और पृथ्वी पर आकर पृथ्वी का एक अंग बन गया।

संत योहन के अनुसार

शब्द ने शरीर धारण कर हमारे बीच निवास किया। इसका अर्थ हुआ कि भौतिक तत्व, संसार और शरीर में कुछ अच्छाई और सौन्दर्य है। सृष्टि का रहस्य

हममें कहता हे कि ईश्वर ने संसार की सृष्टि की और उसे अपनी सृष्टि अच्छी लगी। अवतार का रहस्य अर्थात्त क्रिसमस हमसे कहता है कि ईश्वर संसार का एक अंग बनकर संसार में संसार का होकर और संसार के लिए बना रहा। शब्द ने देह धारण किया और हमारे साथ मनुष्य बनकर मनुष्यों के बीच रहा।

क्रिसमस हमसे कहता है कि ईश्वर ने हमारे इतिहास में इसलिए प्रवेश किया कि वह संसार को, भीतर से परिवर्तित कर सके। संत आइरीनियस कहते हैं- ईश्वर की महिमा पूर्ण मनुष्य होकर जीने में है। इसलिए सच्ची आध्यात्मिकता का अर्थ है इस संसार में पूर्ण मनुष्य होकर रहना। येशु ख्रीस्त इसलिए मनुष्य बन गए, ताकि वे हमारे शरीर और आत्मा दोनों की रक्षा करें। हम सोचते हैं कि पाप का कारण शरीर है, इसलिए शरीर को त्यागना चाहिए। लेकिन वास्तव में मुक्ति के मार्ग की बाधा पाप है, और इस पाप का कारण शरीर नहीं बल्कि हम स्वयं हैं। हमारा अहंकार। अत: हमें पलायन करना है तो अपने अहंभाव से और स्वार्थ से पलायन करना चाहिए, न कि शरीर से या संसार से। क्रिसमस हमसे कहता है कि संसार जैसा है वैसा ही उसे स्वीकार करें। उसका आदर करें। और प्रेम सहित उसमें परिवर्तन लाएँ। अत: यीशु के समान हमें भी इस संसार में रहकर उसकी भलाई के लिए काम करते रहना चाहिए। संक्षेप में कहा जा सकता है कि क्रिसमस हमें मानव के प्रति ईश्वर में प्रेम की याद दिलाना मात्र नहीं, प्रत्युत अपने शरीर का महत्व समझने, संसार को प्यार करने, पूर्णता के साथ उसमें रहने एवं उसके सुधार के लिए काम करने को कहता है। हमसे फिर कहता है कि अपने अहंकार और स्वार्थ को त्याग दें, संसार को नहीं।

क्रिसमस कार्ड डे का महत्व

क्रिसमस का त्योहार जैसे-जैसे नजदीक आता जाता है, वैसे-वैसे दुनिया भर के लोगों में इसे लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है। इस त्योहार पर सबके चहेते सांता क्लॉज बच्चों को उनके मनपसंद तोहफे देकर लुभाते हैं और लोग अपने मित्रों और परिजनों को कार्ड अथवा कोई सौगात देकर उन तक अपनी शुभकामनाएँ पहुँचाते हैं। भारत में वैसे तो हर त्योहार पर कार्डों की बिक्री बढ़ जाती है, लेकिन यह एक खास वर्ग तक सीमित रहती है। मगर क्रिसमस के आते ही समाज के हर वर्ग में कार्ड और उपहारों के प्रति रुझान बढ़ जाता है। पिछले कुछ अर्सों में ई-कार्ड्स का चलन काफी बढ़ा हुआ है। ये कार्ड कम्प्यूटर पर आसानी से उपलब्ध रहते तो है साथ ही इनको पलक झपकते ही दुनिया में कहीं भी आसानी से भेजा जा सकता है। इनके चलते कार्ड्स की बिक्री में थोड़ी कमी देखी जा रही है। फिर भी देशभर में बिक्री होने वाले कार्डों की कीमतों के बारे में अनुमान लगाना मुश्किल है, लेकिन निश्चित तौर पर दुनिया भर में मनाए जाने वाले क्रिसमस पर्व पर होने वाला कारोबार करोड़ों रुपए का आँका जा सकता है।

गुणकारी सब्जी गाजर

मूल सब्जियों में से गाजर एक ऐसी सब्जी है जोकि सब्जी में इस्तेमाल के अलावा कच्ची भी खाई जाती है तथा इसका मुरब्बा, आचार तथा हलवा भी बनाया जाता है तथा इसका जूस निकाल कर पीने से काफी फायदा मिलता है। शरीर में ताकत आती है। शरीर सुंदर तथा सेहतमंद रहता है। गाजर को चबा कर खाने से दांत स्वच्छ और मजबूत बनते हैं।

गाजर में विटामिन ए.बी.सी.डी.ई. तथा जी भी अच्छी मात्रा में मिलता है मगर गाजर में विटामिन बी., विटामिन ए तथा विटामिन सी बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसी कारण गाजर आंखों की रोशनी के लिए बहुत फायदेमंद है। गाजर एक ऐसा संतुलित तथा पौष्टिक आहार है जो बूढ़ों, बच्चों तथा नवयुवकों के अलावा गर्भवती महिलाओं सभी के लिए हितकारी है। आयुर्वेदानुसार गुणकारी गाजर चमड़ी के रंग को निखारती है तथा खुश्की को दूर करने के गुण रखती है। गाजर दिल-दिमाग को ताकत देती है तथा फेफड़ों की बलगम को साफ करती है। कहा जाता है कि गाजर में अनेकों बीमारियों को रोकने के तत्व तथा गुण मौजूद रहते हैं। यदि इसे नित्याप्रति खुराक का एक हिस्सा बना लिया जाए तो अनेकों बीमारियों के आक्रमण से बचा जा सकता है। यूं तो गाजर चाहे ताकत से भरपूर है मगर इसके उपयोग से मोटापा भी कम किया जा सकता है। मोटापा कम करने के लिए सुबह निर्जल 100 ग्राम गाजर तथा 100 ग्राम सेब को छिलके समेत ही खाना गुणकारी बताया गया है।

पेट के कीड़ों के लिए यदि गाजर का रस लगातार एक माह पिया जाए तो पेट के कीड़ों से आराम मिलता है तथा यदि गाजर की सब्जी पूरा एक माह खाई जाए तो पेट में कीड़े पैदा ही नहीं होते।

गाजर के रस में काली मिर्च तथा मिश्री का चूर्ण मिलाकर पीने से जहां यह एक अच्छे टॉनिक का काम करती है, इससे खांसी से भी आराम मिलता है।

गाजर में इन्सुलिन जैसे तत्व तथा टाकोकीलिन नाम के हार्मोन पाए जाते हैं जिस कारण शूगर के मरीजों के लिए चीनी जहां नुक्सानदेह है वहीं गाजर की चीनी गुणकारी है। गाजर में एंटीसैप्टिक गुण भी हैं जिस कारण शरीर में रोगी कीटाणुओं का प्रवेश रूकता है तथा जख्म शीघ्र भरते हैं। इस तरह कुल मिलाकर गाजर एक अच्छी सब्जी है जिसका उपयोग कई तरह से करके इससे मिलने वाले गुणों का भरपूर फायदा उठाया जा सकता है।

पीठ दर्द हेतु घरेलू उपचार

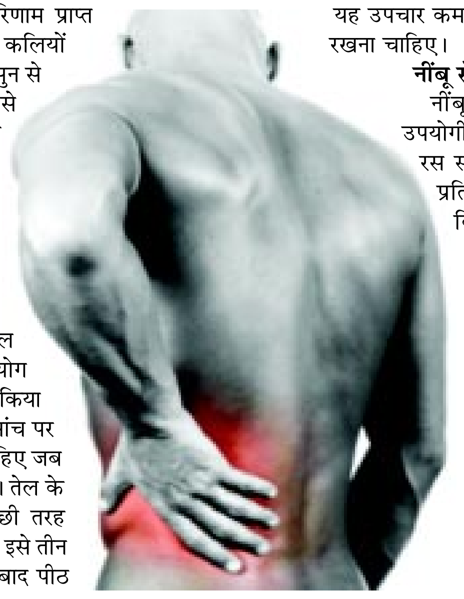

पीठ के दर्द की सर्वाधिक महत्वपूर्ण घरेलू औषधि है लहसुन। इससे अच्छे परिणाम प्राप्त करने हेतु 2 या 3 लहसुन की कलियों का सेवन आवश्यक है। लहसुन से तैयार तेल को पीठ पर मलने से काफी राहत मिलती है। यह तेल लहसुन की 10 कलियों को एक फ्राइंग पैन में तल कर तैयार किया जाता है।

जिन तेलों का प्रयोग त्वचा पर लाली पैदा करने के लिए होता है जैसे कि सरसों का तेल, तिलों का तेल तथा नारियल तेल इनका प्रयोग व्यक्तिगत पसंद के आधार पर किया जा सकता है। इनको धीमी आंच पर तब तक फ्राई किया जाना चाहिए जब तक ये भूरे रंग के न हो जाएं। तेल के ठंडा होने के बाद इसे अच्छी तरह पीठ पर लगाया जाना चाहिए। इसे तीन घंटे तक लगाए रखें। इसके बाद पीठ दर्द के रोगी गर्म पानी का स्नान करें।

यह उपचार कम से कम 15 दिनों तक जारी रखना चाहिए।

नींबू से पीठ दर्द का उपचार

नींबू पीठ दर्द की एक अन्य उपयोगी औषधि है। एक नींबू का रस साधारण नमक में मिला कर प्रतिदिन इसका दो बार सेवन किया जाना चाहिए। इससे राहत मिलती है।

विटामिन 'सी' से पीठ दर्द का उपचार

गंभीर पीठ दर्द में विटामिन 'सी' भी काफी उपयोगी साबित होता है। पीठ दर्द की स्थिति में लगभग 2000 मिलीग्राम विटामिन 'सी' का प्रतिदिन सेवन जरूरी है इसका असर दो ही दिन में देखने को मिलता है।

हेल्थ प्लस

सेहत भरे रंगों का जादू

फल सब्जियों के कुछ रंग शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं तो कुछ नेचुरल एंटीबॉयोटिक का काम करते हैं। फलों और सब्जियों के इन प्राकृतिक रंगों को बॉयोफ्लेवनॉएड कहते हैं। इनके रंगों पर किए गए कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि भोजन से हमें 800 से भी अधिक तरह के बॉयोफ्लेवनॉएड मिलते हैं। इसे विटीमन 'पी' के नाम से भी जाना जाता है। फलों में पाए जाने वाले अलग-अलग रंग कई तरह की चोटों के इलाज में भी मदद करते हैं। फल और सब्जियों को अपने भोजन में शामिल करके कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है। हमारे भोजन में जितनी ज्यादा रंग-बिरंगी सब्जियां होंगी, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही बेहतर रहेगा। आइए जानते हैं फल और सब्जियों की रंगत में छिपे राज के बारे में-

पीला व नारंगी रंग

आम, संतरा, पपीता, आड़ू, केला, पीली शिमला मिर्च जैसे फल व सब्जियों के पीले रंग में 'बीटा क्रिप्टॉक्सिन' पाया जाता है जो हमारी कोशिकाओं को मजबूत बनाता है। चमकदार त्वचा के लिए इनका खूब प्रयोग किया जाना चाहिए।

लाल रंग

सेब, गाजर, लाल मिर्च, स्ट्राबेरी, रसबेरी, आलू बुखारा में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। टमाटर में लीफोपेन होता है। ये सभी कैंसर प्रतिरोधी तत्व हैं। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा कर ये हमें बीमारियों से दूर रखते हैं।

सफेद रंग

सफेद मशरूम, मक्का, मूली, शलजम, सफेद बैंगन आदि, इनमें एलीसिन होता है जो शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता पैदा करता है। सफेद सब्जियां हमारी कोशिकाओं के लिए रक्षा कवच का काम करती हैं।

ठंड में कैसी हो डाइट

क्या आप जानते हैं? सिर्दयों में भी अधिक मात्रा में फैट व शुगर लेने से इम्यून सिस्टम बिगड़ सकता है। आमतौर पर धारणा होती है कि ठंड में अधिक वसा व मीठी चीजें लेनी चाहिए क्योंकि यह शरीर को ऊर्जा प्रदान करती है। दरअसल सिर्दयों में बीएमआर (बेसल मेटोबोलिक रेट) बढ़ जाती है इसलिए डॉक्टर्स नॉर्मल डाइट में फैट व शुगर की मात्रा बढ़ाने की सलाह देते हैं लेकिन वह भी सिर्फ एक चम्मच। उन लोगों को सिर्दयों में भी फैट व शूगर नहीं लेनी चाहिए, जिनका बीएमआर कम या सामान्य हो। वरना उच्च रक्तचाप व मोटापा बढ़ने लगता है। खानपान व्यक्ति विशेष के इम्यून सिस्टम व निर्भर करता है इसलिए यह जानना जरूरी है कि हमारी विटर डाइट कैसी होनी चाहिए।

सिर्दयों में भूख ज्यादा लगती है इसलिए कुछ लोग पूरा दिन बेहिसाब ढंग से खाते रहते हैं। जबकि पानी बहुत कम मात्रा में लेते हैं, जिससे वेस्ट मैटीरियल फ्लश आउट नहीं हो पाता है। इसके चलते यूरीन प्रॉब्लम, ड्राईनेस व कब्ज की शिकायत रहने लगती है। सप्ताह में एक दिन उपवास में रहिए और पूरा दिन फल, दाल, सब्जी व सूप ही लीजिए। चाय व कॉफी से परहेज कीजिए क्योंकि इसमें कैफीन होती है, जो एसिडिटी करने के साथ-साथ भूख भी कम कर देती है। सुबह उठते ही कम से कम दो-तीन गिलास गुनगुना पानी पीजिए। यह पेट के लिए अच्छा होता है और मोशन भी खुलकर होते।

सिर्दयों में नवर्स सिस्टम डाउन हो जाता है इसलिए शरीर को बैलेंस करने के लिए जरूरी है कि खाने में ऐसी चीजें शामिल की जाएं, जो कैलोरी व फाइबरयुक्त हों। क्योंकि कैलोरी शरीर में ऊर्जा प्रदान करती है और ऊर्जा भूख बढ़ाती है व खाना पचाने में सहायक होती है। लेकिन हाइपरटेंशन के मरीज को फाइबरयुक्त चीजें लेने से परहेज करना चाहिए। खाने में गर्म मसाले इस्तेमाल करें और डिनर में दाल जरूर लें। ठंड में सूप बहुत फायदा करता है। इसके अलावा निम्न बातों पर ध्यान दें-

- गेहूं, बाजरा, मकई, बेसन/ चना दाल, मूंग, मोठ, काले चने व मसूर लें।
- ठंड में गाजर का हलवा फायदा करता है।
- टी टाइम में तिल व गुड़ लें।
- मधुमेह व मोटापे के मरीज कम कैलोरी वाला बिना मलाई का दूध गर्म ले सकते हैं।
- मौसमी फल में पपीता, केला, सेब, अनार व चीकू फायदा करते हैं।
- सुबह खाली पेट चार बादाम लें।
- मूंगफली ठंड में सबसे ज्यादा लाभ पहुंचाती है।
- भोजन लेने के दो घंटे उपरांत दूध में छुहारे उबालकर पीएं।
- खाने व चाय के साथ सलाद में भी अदरक डालें।
- सलाद में गाजर, मूली, टमाटर, खीरा व आंवला जरूर लें।

चुकंदर लें, कंट्रोल में रहेगा ब्लडप्रेशर

ब्रिटेन में किए गए एक अध्ययन के अनुसार अगर रोज एक गिलास चुकंदर का रस पिया जाए तो इससे उच्च रक्तचाप की समस्या को काबू में रखा जा सकता है। 'बाटर्स एंड दी लंदन स्कूल ऑफ मेडिसिन और पेनिनसुला मेडिकल स्कूल' के अध्ययन के अनुसार, चुकंदर के रस में नाइट्रेट होता है जो 60 मिनट में रक्तचाप को घटा देता है। हरी पत्तेदार सब्जियों में भी नाइट्रेट पाया जाता है। उचित मात्रा में हरी पत्तेदार सब्जियां खाने से भी स्वास्थ्य ठीक रहता है, क्योंकि सब्जियों में एंटीऑक्सीडेंट विटामिन पदार्थ पाए जाते हैं। बीबीसी न्यूज के ऑनलाइन संस्करण में शोधार्थी अमृता अहलूवालिया के हवाले से कहा गया है, हमारे शोध में यह सलाह दी गई है कि चुंकदर का रस या नाइट्रेट से भरपूर सब्जियां खाने से हृदय संबंधी क्रियाएं स्वस्थ रूप से चलती हैं। उन्होंने कहा है, आधुनिक जीवन में उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं से लड़ने का यह बेहतर और कारगर तरीका है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 1937

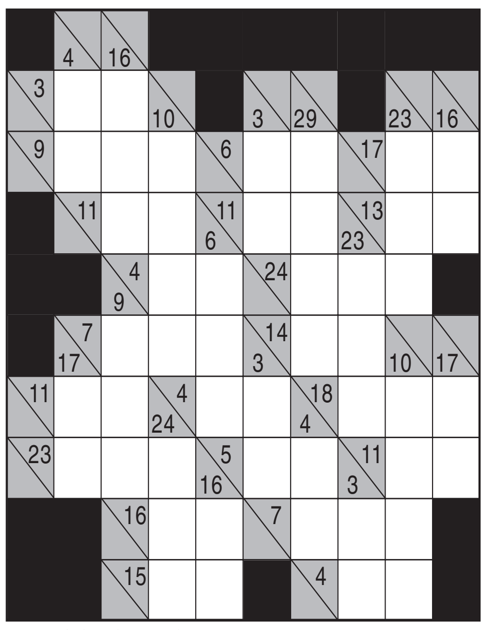

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

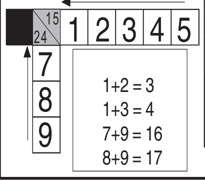

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1936 का हल

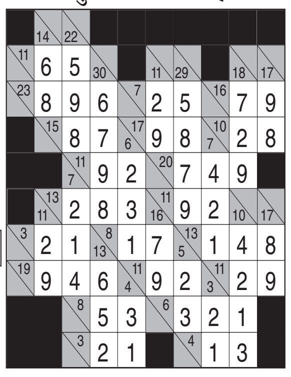

लॉफिंग जौन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

❑ ❑ ❑

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

❑ ❑ ❑

फिल्म वर्ग पहेली- 1937

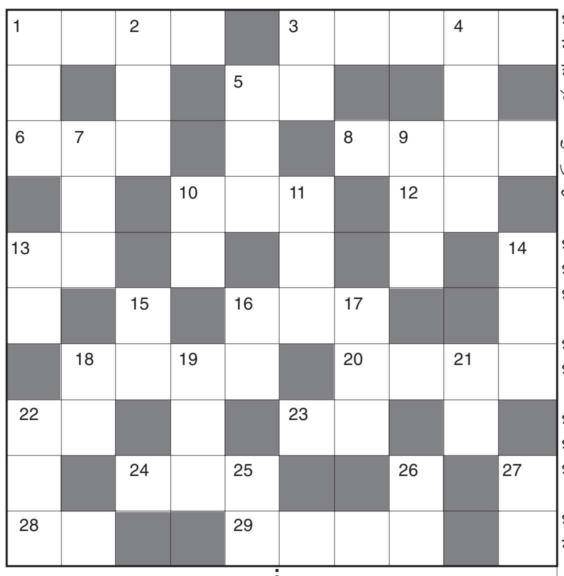

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1936

सूडोकु -1937

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1936 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 1937

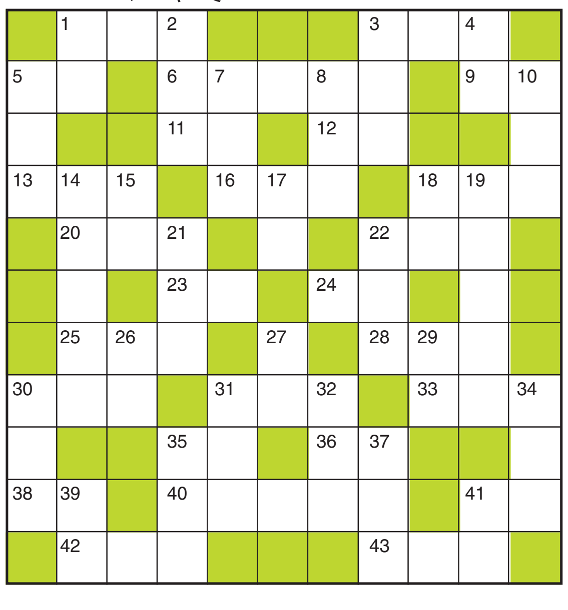

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली - 1936 का हल

नववर्ष के पूर्व ही उमड़ने लगा बांके बिहारी मंदिर में भक्तों का सैलाब

एजेंसी

मथुरा। वृंदावन धार्मिक नगरी श्रीधाम वृंदावन स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में नववर्ष के नजदीक आते ही श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव वैसे तो वीकेंड के समय बना ही रहता है, लेकिन भी बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भरकम भीड़ देखने को मिली। विदित रहे कि बाहर से आने वाले श्रद्धालु नववर्ष पर 2024 की आखिरी शाम और 2025 की पहली सुबह की किरण अपने आराध्य बांके बिहारी लाल के साथ बिताना चाहते हैं। जिसके चलते आगामी दिनों में वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव और बढ़ाने का अनुमान लगाया जा रहा है। बतादें कि आने वाले नव वर्ष पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने पिछले दिनों श्रद्धालुओं के लिए एडवाइजरी जारी की थी। जिसमें मंदिर प्रबंधन ने वृद्ध, बच्चे, गर्भवती महिलाएं एवं बीमार व्यक्तियों से अपील की थी कि वह नव वर्ष तक बांके बिहारी मंदिर में आने से बचें। श्रद्धालुओं के बांके बिहारी मंदिर में दबाव के चलते अचेत हो जाने की सूचनाएं आए दिन मिलती ही रहती हैं। वहीं बीते रविवार को बांके बिहारी मंदिर में भीड़ के दबाव के चलते ठाकुर बांके बिहारी लाल के दर्शनार्थ को आए कर श्रद्धालु अचित हो गए थे, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया।

फर्जी दस्तावेज बनवाकर भारत में रह रहा बांग्लादेशी घुसपैठिया और उसका शरणदाता गिरफ्तार

दक्षिण दिनाजपुर। दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुमारगंज इलाके से पुलिस ने फर्जी दस्तावेज बनवाकर भारत में रह रहे एक बांग्लादेशी घुसपैठिए और उसके शरणदाता को गिरफ्तार किया है। दोनों को बालुरघाट अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें सात दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार शख्स का नाम रबीउल इस्लाम है। वह बांग्लादेश के दिनाजपुर के दंडपानी इलाके का निवासी है। रबीउल करीब एक साल पहले सीमा पार कर दक्षिण दिनाजपुर में दाखिल हुआ था और कुमारगंज के जाकिरपुर निवासी 42 वर्षीय खैरुल मंडल ने घर में शरण ली थी। जब मामला जिला पुलिस के संज्ञान में आया तो कार्रवाई की गई। पुलिस ने दोनों लोगों को गिरफ्तार करने के अलावा रबिउल का फर्जी आधार कार्ड भी बरामद किया है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह दस्तावेज कहां बनाया गया है।

मणिपुर में स्थाई शांति के लिए सभी मिलकर करेंगे काम: मुख्यमंत्री बीरेन सिंह

गोलाघाट। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि असम और मणिपुर का पुराना रिश्ता फिर से जुड़ गया है। पुराने जमाने में राजा-महाराजा मणिपुर से यहां आकर शरण लेते थे और रहते थे।यहां मैतेई और कुकी युवाओं ने एक साथ प्रशिक्षण लिया है, इन्हें एक साथ ही पोस्टिंग दी जाएगी मणिपुर में स्थाई शांति बहाल करने के लिए यह सभी मिलकर काम करेंगे मुख्यमंत्री बीरेन सिंह देरगांव स्थित लाचित बरफूकन पुलिस ट्रेनिंग अकादमी में पासिंगआउट परेड समारोह में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीते वर्ष 3 मई से मणिपुर की खराब स्थिति के कारण मणिपुर पुलिस के दो बैच की वहां ट्रेनिंग नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि वह असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने ऐसी स्थिति में असम पुलिस के इस ट्रेनिंग सेंटर में मणिपुर पुलिस के जवानों को ट्रेनिंग दिया। उन्होंने इसके लिए असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह तथा स्पेशल डीजीपी हरमीत सिंह को भी धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री बीरेन ने कहा कि आज का पासिंग आउट परेड देखने के बाद पता चलता है कि किस प्रकार से हमारे बच्चों को ट्रेनिंग देकर दक्ष पुलिसकर्मी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इनका परफॉर्मेंस देखकर एक अभिभावक के नाते आज उन्हें बहुत ही अच्छा लग रहा है। उन्होंने मणिपुर के लोगों की ओर से मुख्यमंत्री तथा असम के मंत्रियों को धन्यवाद दिया।

राजनाथ सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर जताया शोक

चंडीगढ़,। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिरसा स्थित तेजा खेड़ा फार्म पहुंचकर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला को श्रद्धांजलि दी।यहां अपने शोक संदेश में केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ओम प्रकाश चौटाला ने ताउम्र हरियाणा की जनता और विशेष रूप से किसानों की सेवा की है। उनको प्रदेश की जनता कभी नहीं भूल सकती। वे बड़े बाप के बेटे थे, लेकिन राजनीतिक क्षेत्र में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। श्री सिंह ने कहा कि उनके बारे में मैं कह सकता हूं कि वह सर छोटू राम, चौधरी चरण सिंह, चौधरी देवीलाल, जिस पर ये सभी चले उसी कदम पर ओमप्रकाश चौटाला चले। उनकी बेबाकी और निर्भीकता से मैं बेहद प्रभावित रहा। ओम प्रकाश चौटाला ने पूरी जिंदगी गैर कांग्रेसवाद का झंडा थामे रखा। इसी तरह हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु समेत कई नेता आज तेजा खेड़ा पहुंचे और शोक व्यक्त किया। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला की अस्थियां हरिद्वार में प्रवाहित कर दी गईं। अभय चौटाला के बेटे एवं चौटाला के पौत्र कर्ण और अर्जुन चौटाला ने अंतिम रस्म निभाई। दोनों ने बाल भी मुंडवाए।

राष्ट्रीय बाल आयोग के बाद अब एनएचआरसी के जरिए जिम्मेदारों को उनका कर्तव्य एवं कार्य याद दिलाएंगे प्रियांक, राष्ट्रपति ने की नियुक्ति

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के विदिशा से ताल्लुक रखनेवाले राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के पूर्व अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो की फिर संविधानिक पद पर रहते हुए शासन एवं प्रशासन के उनका दायित्व बोध कराने एवं जनहित में पूरी तरह समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा देने एवं अधिकार पूर्वक निर्देशित कर उनसे कार्य करवाने की एक नई यात्रा शुरू हो गई है। इस बार वे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) में कार्य करते हुए नजर आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में उनकी एचआरसी सदस्य के रुप में नियुक्ति की है, जिसे लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के किए गए ट्वीट से हुआ है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 4(1) के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए कानूनगो को एनएचआरसी का सदस्य नियुक्त किया है ।

कानूनगो की नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी। इस संबंध में कानूनगो ने भी पुष्टि कर दी है। उल्लेखनीय है कि प्रियांक कानूनगो ने एनसीपीसीआर के अध्यक्ष रहते हुए कई बड़े निर्णय और कार्य किए थे, जिसका कि असर आनेवाले कई सालों तक भारत में देखने को मिलता रहेगा। इससे पहले कभी राष्ट्रीय बाल आयोग को बच्चों के हित में मुखर होते हुए नहीं देखा गया जितना कि इनके अध्यक्षीय कार्यकाल में एनसीपीसीआर ने कार्य किया। कानूनगो ने न केवल ईसाई मिशनरियों और मदरसों में बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित करने के मामले को उठाया बलकि हर प्रकार के बच्चों से जुड़े मामलों का त्वरित समाधान हो, इसके लिए शासन-प्रशासन को टाइट करने का काम किया। यही वजह रही कि पॉक्सो, देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले (सीएनसीपी) बच्चों के हित में बड़ा कार्य पिछले वर्षों में देश भर में होते हुए देखा गया।

इसके साथ ही उन्होंने तमाम जिलों में केंद्र की बच्चों के हित चलनेवाली योजनाओं को लेकर हितकारक एवं शिकायत निवारण शिविर लगवाकर तुरंत ही स्थानीय स्तर पर बाल अधिकार संरक्षण से जुड़ी शिकायतों और समस्याओं का निराकरण करने एवं उन्हें सुविधाएं दिलवाने के लिए बड़ा कार्य लगभग एक दशक आयोग में रहकर किया। इस संबंध में प्रियंक कानूनगो का कहना भी रहा है कि आनाथ बच्चे, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे।

गुजरात की 'निर्भया' आखिरकार हार गई जिंदगी की जंग

एजेंसी

वडोदरा/अहमदाबाद। गुजरात के भरूच जिले के एक औद्योगिक क्षेत्र झघड़िया तहसील में दुष्कर्म पीड़ित 10 वर्षीय 'निर्भया' ने एक सप्ताह तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद 6.55 बजे दम तोड़ दिया। उसे गंभीर आंतरिक चोटें आई थीं। वडोदरा के सर सयाजीराव जनरल अस्पताल (एसएसजीएच) के रेजीडेंट मेडिकल आफिसर (आरएमओ) डॉ. हितेंद्र चौहान ने बताया कि बच्ची को दोपहर करीब दो बजे दिल का दौरा पड़ा। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। उपचार के बाद उसकी हालत स्थिर हो गई लेकिन शाम पांच बजे के बाद उसे फिर से दिल का दौरा पड़ा। उसे तुरंत उपचार दिया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। उन्होंने बताया कि बच्ची की हालत गंभीर आंतरिक चोट के चलते संक्रमण फैलने से हुई। इससे उसके अंगों ने काम करना बंद कर दिया और दिल का दौरा पड़ गया। सूत्रों के अनुसार बच्ची का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। झघड़िया तहसील पुलिस की टीम पोस्टमार्टम रूम पहुंची है। पैनल और फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम के बाद पीड़ित का शव परिवार को सौंप दिया जाएगा। झारखंड की मंत्री दीपिका सिंह ने कहा कि हम लड़की को झारखंड लाना चाहते हैं क्योंकि उसका गांव है लेकिन परिवार जैसा चाहेगा हम वैसा ही करेंगे। ऐसे में यहां के अधिकारी गुजरात सरकार के स्थानीय अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन किसी से बात नहीं हो सकी लेकिन हमारी कोशिशें जारी हैं और हम परिवार के संपर्क में हैं। उल्लेखनीय है कि भरूच जिले के झगड़िया जीआईडीसी में यह घटना 16 दिसंबर को हुई थी। बच्ची के माता-पिता किसी काम से घर से बाहर गए थे।

अटल टनल रोहतांग के समीप बर्फ़बारी में फंसे सभी पर्यटक वाहनों को सुरक्षित निकाला गया

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के हिल्स स्टेशनों में हुई भारी बर्फबारी ने पर्यटकों के लिए बड़ा संकट खड़ा कर दिया। मनाली के अटल टनल रोहतांग के समीप भारी बर्फबारी के कारण सैंकड़ों पर्यटक वाहन फंस गए थे। इन्हें निकलने के लिए मनाली प्रशासन और पुलिस की टीम ने कड़ी मेहनत की। रातभर रेस्क्यू ऑपरेशन चला और अंततः सभी पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

मनाली से लाहौल-स्पीति जिला के केलांग जाने वाली सड़क बर्फबारी के कारण पूरी तरह से बंद हो गई थीं। बर्फबारी का यह सिलसिला दोपहर बाद शुरू हुआ और इसके बाद स्थितियां लगातार खराब होती गई। सोलंगनाला से धुंधी के बीच बर्फबारी के कारण वाहनों की गति धीमी हो गई और कई पर्यटक वाहन अटल टनल। रोहतांग के पास पूरी तरह से फंस गए। इन वाहनों में पर्यटकों का एक बड़ा समूह था, जो अटल टनल के पास स्थित इलाकों से घूमकर मनाली लौट रहा था। इसी बीच बर्फबारी शुरू हो गई। इन वाहनों में स्थानीय और बाहर से आए पर्यटक दोनों ही थे। बर्फबारी के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ गई, जिससे वाहन आगे बढ़ने में असमर्थ हो गए थे। सूचना मिलते ही मनाली प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, जिसमें मनाली के डीएसपी, एसडीएम, पुलिस के जवान और अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान अधिकारियों ने बर्फबारी में अत्यधिक ठंड के बावजूद पूरी रात काम किया। उनकी प्राथमिकता यह थी कि सभी पर्यटकों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया जाए। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने बताया कि सभी पर्यटकों को अटल टनल के समीप से सुरक्षित निकाल लिया गया और उन्हें सोलंगनाला तक भेज दिया गया। प्रशासन की ओर से यह भी जानकारी

दी गई कि अब सोलंगनाला तक ही वाहनों की आवाजाही की अनुमति दी जा रही है। इसके आगे जाने की अनुमति फिलहाल नहीं दी जा रही है क्योंकि सड़कों की स्थिति अभी भी ठीक नहीं है। प्रशासन ने लोगों से आग्रह किया है कि वे मौसम के हिसाब से अपनी यात्रा की योजना बनाएं और यदि सोलंगनाला तक यात्रा करनी हो तो केवल इमरजेंसी वाहनों को ही अनुमति दी जा रही है।

नागालैंड के मुख्यमंत्री और प्रदेशवासियों को दिया न्योता, रोड शो से बताया महाकुंभ का महत्व

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाले महाकुंभ-2025 का संदेश अब पूरे देश में फैल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु और ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर ने नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो को इस महाआयोजन में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया।

कोहिमा में हुई शिष्टाचार भेंट के दौरान मंत्रियों ने बताया कि प्रयागराज में आयोजित होने वाला महाकुंभ-2025 न केवल भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व को उजागर करेगा। नागालैंड के उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन से भी मुलाकात कर उन्हें इस आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। मंत्रियों ने नागालैंड के दीमापुर पार्क में प्रेस कॉन्फ्रेंस और रोड शो आयोजित किया। इस दौरान नागालैंड के लोगों को महाकुंभ के महत्व, इसकी तैयारियों और भारत की सांस्कृतिक धरोहर को लेकर जानकारी दी गई। डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि महाकुंभ-2025 विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन होगा, जहां लाखों श्रद्धालु

संगम में स्नान कर आत्मिक शांति का अनुभव करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार का महाकुंभ डिजिटल युग का अद्भुत उदाहरण बनेगा, जिसमें स्नान, सुरक्षा और ठहरने की बेहतरीन व्यवस्थाएं होंगी।आयुष मंत्री ने महाकुंभ को भारत की सांस्कृतिक एकता और वसुधैव कुटुंबकम के दर्शन का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक समृद्धि को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का अद्वितीय अवसर है। ऊर्जा मंत्री सोमेंद्र तोमर ने कहा कि महाकुंभ भारतीय समाज की विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का काम करता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं।

केन-बेतवा लिंक परियोजना से बदलेगी बुंदेलखंड की तस्वीर और तकदीर: मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महाराजा छत्रसाल और आल्हा-ऊदल के शौर्य और बलिदान के लिए यह बुंदेलखंड की धरा जानी जाती है। अब बुंदेलखंड क्षेत्र का नया इतिहास लिखा जाएगा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 दिसम्बर को छतरपुर जिले के खजुराहो में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की नदी जोड़ने की परिकल्पना को साकार करने के लिए केन-बेतवा लिंक परियोजना का भूमिपूजन करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर शुरू होने जा रही केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुन्देलखंड की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार शाम को सागर में सागर के गौरव दिवस एवं जनकल्याण पर्व कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सागर में कैंसर अस्पताल एवं रानी अवंतीबाई विश्वविद्यालय में विधि संकाय शुरु होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि

सागर का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने वालीं विभूतियों को सम्मानित करने पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि लाखा बंजारा ने यहाँ झील का निर्माण कर लोगों को पेयजल की समस्या से निजात दिलायी। उनके यह महान कार्य सदा स्मरणीय हैं। मैं उनकी इस महानता को नमन करता हूँ।मुख्यमंत्री ने सागर के गौरव दिवस एवं जनकल्याण पर्व पर नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मौजूद जनसमुदाय को मुट्ठी बांधकर परियोजना के भूमि-पूजन कार्यक्रम में आने का संकल्प दिलाया। उन्होंने गौरझामर नगर परिषद, बंडा बरा नगर पंचायत, नरयावली नगर पंचायत का दर्जा देने की घोषणा भी की। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सागर के विकास के लिए कायाकल्प के कई कार्य किए हैं, जिसमें लाखा बंजारा झील का जीर्णोद्धार, पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण का कार्य भी शामिल है। इससे सागर शहर का जल स्तर संतुलित बना रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव और उनकी पूरी टीम ने प्रदेश के विकास को एक नई दिशा प्रदान की। धामी ने कहा कि आज यहां 100 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की विकास योजनाओं का पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण कार्य पूरा हो रहा हैं।

संभल हिंसा के क्राइम सीन को जांचने आगरा से पहुंचीं फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की टीम

एजेंसी

मुरादाबाद। संभल में जामा मस्जिद और हरिहर नाथ मंदिर विवाद को लेकर बीते माह 24 नवंबर को हुई हिंसा की जांच एवं क्राइम सीन चेक करने के लिए आगरा से फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम पहुंची। टीम ने हिंसा वाले क्षेत्र का निरीक्षण किया और वहां के लोगों से पूछताछ भी की। एफएसएल टीम के दौरे के दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज जी एवं संभल पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई सहित विभिन्न पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। संभल शाही जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर के दावे को लेकर न्यायालय के आदेश पर 24 नवंबर को दूसरी बार सर्वे के लिए कमिश्नर के नेतृत्व में एक टीम पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जमा मस्जिद पहुंची थी। शाही मस्जिद के अंदर टीम सर्वे कर रही थी। इसी दौरान बाहर हिंसा भड़क गई जिसके बाद पथराव, फायरिंग और आगजनी की घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई थी और अनेकों पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इस घटना के बाद संभल पुलिस ने सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, संभल सदर से सपा विधायक नवाब इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल सहित 40 लोगों को नामजद करते हुए 2700 से अधिक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था जिसमें कई आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि संभल हिंसा की घटना की जांच के लिए निदेशक, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला को पत्र लिखा गया था। इसके बाद आज एफएसएल की टीम संभल पहुंची। टीम ने हिंसा वाले क्षेत्र का निरीक्षण किया।

जन-जन का संकल्प बने विकसित भारत : स्वान्त रंजन

एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वान्त रंजन ने कहा कि विकसित भारत जन-जन का संकल्प बने। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए समाज के सभी लोग मिलकर प्रयास करें। देश के विकास के लिए मानसिकता बने, इसके लिए समाज का मानस बनाना आवश्यक है। वह भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के कला मंडपम् सभागार में राष्ट्रधर्म पत्रिका के विकसित भारत विशेषांक के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। स्वान्त रंजन ने कहा कि पिछले नौ-दस वर्षों में तेज गति से प्रगति हुई है। भारत नवाचार का हब बनता जा रहा है। कृषि, शिक्षा व दवा निर्माण का हब भारत है। टेक्नोलोजी,अंतरिक्ष विज्ञान, सुरक्षा व विकास की ओर हम क्रमशब्बढ़ रहे हैं। आज विश्व की पांचवी

अर्थव्यवस्था भारत है। कृषि के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर हुआ है। नीति आयोग के अनुसार 2013-14 और 2022-23 के बीच में 25 करोड़ लोग भारत में गरीबी रेखा से ऊपर आये हैं। उन्होंने कहा कि विकास की कोई सीमा नहीं होती है लेकिन इस दृष्टि से देखें तो देश की प्रगति हो रही है। हम नित्य प्रार्थना में परंवैभवम नेतुमेतत स्वराष्ट्रम बोलते हैं। आज देश का सभी दिशाओं में विकास हो रहा है। सर्वांगीण उन्नति हो रही है। उपनिवेशवादी ताकतों ने समाज को दिग्भ्रमित किया पंच परिवर्तन की चर्चा करते हुए स्वान्त रंजन ने कहा कि भारत में सामाजिक तथा जातिगत भेदभाव नहीं था। समरस समाज कैसे हो इसके लिए प्रयत्न करना होगा। सभी हिन्दू एक हैं। ऊंच नीच छुआछूत का भाव समाप्त करना है। मंत्रदृ?ष्टा ऋषि सभी जातियों के थे। सत्यकाम जाबाल,महर्षि वाल्मीकि,वेदव्यास जैसे कई ऋषियों की ग्रन्थों में उनकी ऋचाएं हैं। सूर्या सावित्री,मैत्रेयी,गार्गी व अपाला के भी मंत्र हैं।

अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख ने कहा कि हजार साल का आक्रमण के बाद उपनिवेशवादी ताकतों ने समाज को दिग्भ्रमित किया। इससे समाज आत्म विस्मृत और आत्मकेन्द्रित हो गया। उसके कारण समाज असंगठित भी हो गया। आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की तपस्या के कारण भारत आत्म जागरण की ओर बढ़ रहा है। राम मंदिर आन्दोलन के माध्यम से समाज जागरण का प्रयत्न हुआ। आज राम मंदिर बन रहा है। राम मंदिर आन्दोलन की परिणति केवल राम मंदिर बनाने तक ही नहीं थीं। जो-जो विषय समाज ने सोचा था वह चाहे अनुच्छेद 370 हटाने ?का विषय हो या समान नागरिक संहिता सबके लिए प्रयत्न हो रहा है।

भारत में नालंदा, विक्रमशिला, राखीगढ़ी, लोथल के पुराने खण्डहर बताते हैं कि हजारों साल पहले हमारे यहां कितनी व्यवस्थित नगर की रचना थी। गांधीवादी धर्मपाल ने अपनी पुस्तक में तथ्यों के आधार पर लिखा है कि 18 वीं शताब्दी तक भारत पूर्ण शिक्षित देश था। धातु विज्ञान,चिकित्सा विज्ञान भी उन्नत था। विश्व की अर्थव्यवस्था में 18 वीं शताब्दी तक भारत का योगदान 24 प्रतिशत था।

बंगाल एसटीएफ का दावा- कश्मीर के 'तहरीक-ए-मुजाहिदीन' का आतंकी बांग्लादेश के रास्ते पाकिस्तान जाने की फिराक में था

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने कश्मीर के प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-मुजाहिदीन के एक सदस्य जावेद मुंशी को गिरफ्तार किया है। उससे हुई पूछताछ के बाद एसटीएफ ने दावा किया है कि वह बांग्लादेश के रास्ते पाकिस्तान भागने की योजना बना रहा था। अधिकारियों के मुताबिक मुंशी के पास से अहम दस्तावेज और सामग्री बरामद हुई है, जिनसे उसके मंसूबों का पता चला है। दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग इलाके से जम्मू-कश्मीर पुलिस और पश्चिम बंगाल एसटीएफ की संयुक्त टीम ने जावेद मुंशी (58) को गिरफ्तार किया। मुंशी ने बांग्लादेश पहुंचने के लिए नदी मार्ग का उपयोग करने की योजना बनाई थी। वहां से वह पाकिस्तान भागने की कोशिश कर रहा था। एसटीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुंशी ने कैनिंग से धमाखाली तक सड़क मार्ग और फिर सुंदरबन के नदी मार्ग का उपयोग करने की योजना बनाई थी। वह रायमंगल नदी के जरिए हेमनगर या फिर उत्तर 24 परगना के संदेशखाली के रास्ते बांग्लादेश के खुलना पहुंचने की कोशिश कर रहा था।पुलिस ने मुंशी के पास से श्रीनगर पते वाला आधार कार्ड, 50 हजार रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एसटीएफ के मुताबिक, मुंशी तहरीक-ए-मुजाहिदीन का दूसरे नंबर का कमांडर है और वह आईईडी निर्माण और हथियारों के उपयोग में माहिर है।

मुंशी के लश्कर-ए-तैयबा के साथ गहरे संबंध होने का भी शक है। जांच में यह भी पता चला है कि वह कई बार बांग्लादेश जा चुका है और वहां के आतंकियों से संपर्क में था। मुंशी के कब्जे से मिले मोबाइल फोनों की कॉल रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। अधिकारी ने कहा, इन कॉल रिकॉर्ड्स से यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि वह किन लोगों के संपर्क में था और क्षेत्र में उसकी मौजूदगी का मकसद क्या था।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में रोजगार की अपार संभावनाएं : कीर्तिवर्धन सिंह

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन और विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने लखनऊ में सीआरपीएफ, ग्रुप सेंटर, परिसर बिजनौर में आयोजित रोजगार मेला में बीएसएफ, रेलवे, बैंकिंग और अन्य क्षेत्रों से जुड़ी 1300 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में रोजगार के अपार अवसर और संभावनाएं हैं। पीएम इंटर्नशिप योजना के तहत अगले पांच वर्षों में देश के लगभग 01 करोड़ युवाओं को देश की बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप, प्रशिक्षण और अनुभव प्राप्त होगा। केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के युवाओं को रोजगार देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता है कि देश के युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा का सकारात्मक रूप से सदुपयोग हो, ताकि देश को एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत बनाया जा सके। श्री सिंह ने यह भी कहा कि स्किल इंडिया मिशन के तहत अब तक 1.3 करोड़ लोगों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही, केंद्र सरकार ने भारतीय कौशल संस्थान की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि भारतीय कौशल संस्थान में युवाओं को अत्याधुनिक तकनीकों जैसे फैक्ट्री ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा एनालिटिक्स, और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

महाकुम्भ की पहचान हैं टेंट, सुखद होगा शिविरों में प्रवास का अनुभव: मुख्यमंत्री

एजेंसी

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ में देश-दुनिया से आ रहे तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के सुगम आवागमन, बेहतर आवासीय सुविधा और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। महाकुम्भ की तैयारियों का निरीक्षण करने प्रयागराज दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में निर्माणाधीन टेंट सिटी का भौतिक निरीक्षण किया और कहा कि यहां ठहरने वाले लोगों के लिए भोजन की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। ठंड के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध समय से कर लिए जाएं। मुख्यमंत्री को बताया गया कि संगम किनारे अरैल में तैयार हो रहे इस सर्वसुविधायुक्त टेंट सिटी में 6000 से अधिक लोगों के निवास की समुचित व्यवस्था की गई है। पूरे शिविर की आकर्षक ढंग से सुसज्जित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ में टेंट सिटी में प्रवास को लेकर आमजन में बड़ी उत्सुकता है। यहां प्रवास सुखद अनुभव देने वाला होगा। वीआईपी सर्किट हाउस की व्यवस्थाओं का अवलोकन करने पहुंचे मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि प्रोटोकॉल प्रबंधन के तहत मेला सर्किट हाउस में 250 शिविर, माननीय न्यायाधीशों के लिए 175 शिविर, टेंट सिटी के अंतर्गत 2200 से अधिक शिविर आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। यहां एडीएम स्तर के 03 अधिकारी के साथ पूरी टीम तैनात की जा रही है। यहां 02 क्रूज, 06 फ्लोटिंग जेट्टी,04 वीआईपी बोट, 05 मोटर बोट, 50 गोल्फ कार्ट के साथ 50 पर्यटक गाइड की व्यवस्था की जा रही है। एक दिवसीय दौरे पर प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित दशाश्वमेध घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गंगा मइया की आरती उतारी और दशाश्वमेध महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन कर महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन के लिए आशीर्वाद मांगा। महाकुम्भ के दौरान चिकित्सा सुविधाओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्वरूप रानी अस्पताल और बर्न यूनिट का निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले के केंद्रीय चिकित्सालय के साथ सतत संवाद-समन्वय बनाये रखा जाए। उन्होंने कहा कि पूरा चिकित्सकीय तंत्र 24म7 एक्टिव रहे, सभी स्थायी और अस्थायी अस्पतालों में डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, दवाइयों की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला और पुरुष के लिए अलग-अलग वार्ड बनाये जा रहे हैं, यहां कार्मिकों की शिफ्टवार ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। साथ ही, आपात स्थितियों में एम्बुलेंस का रिस्पॉन्स टाइम भी न्यूनतम किया जाए।

क्रिसमस एक त्यौहार शांति दूत के नाम

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है. यह त्यौहार हमारे सामाजिक परिवेश का प्रतिबिंब भी है, जो विभिन्न वर्गों के बीच भाईचारे को मजबूती देता आया है. क्रिसमस का अर्थ मानव मुक्ति और समानता है. बाइबिल के अनुसार, ईश्वर ने अपने भक्त याशायाह के माध्यम से 800 ईसा पूर्व ही यह भविष्यवाणी कर दी थी कि इस दुनिया में एक राजकुमार जन्म लेगा और उसका नाम इमेनुएल रखा जाएगा. इमेनुएल का अर्थ है 'ईश्वर हमारे साथ'. याशायाह की भविष्यवाणी सच साबित हुई और यीशु मसीह का जन्म इसी प्रकार हुआ.

बालक यीशु के जन्म की सबसे पहली खबर इस दुनिया के सबसे निर्धन वर्ग के लोगों को मिली थी. वे कड़ी मेहनत करने वाले गड़रिये थे. सर्दी की रात जब उन्हें यह खबर मिली तो वे खुले आसमान के नीचे खतरों से बेखबर सोती हुई अपनी भेड़ों की रखवाली कर रहे थे. एक तारा चमका और स्वर्ग-दूतों के दल ने गड़रियों को खबर दी कि तुम्हारे बीच एक ऐसे बालक ने जन्म लिया है, जो तुम्हारा राजा होगा.

पूरी दुनिया के गरीब यह खबर सुनकर जहां खुश हुए, वहीं गरीबों पर जुल्म करने वाला राजा हेरोदेस नाराज हो गया. उसने अपने राज्य में 2 वर्ष की उम्र तक के सभी बच्चों को कत्ल करने का आदेश जारी कर दिया, ताकि उसकी सत्ता को भविष्य में किसी ऐसे राजा से खतरा न रहे. अच्छाई को देखकर बुराई करने वाले इसी तरह दुखी और नाराज होते हैं. यही शैतानियत का प्रतीक है. ईसा मसीह इसी शैतानियत को तो खत्म करने के लिए आए थे.

ईसा मसीह ने मानव के रूप में जन्म लेने के लिए किसी संपन्न व्यक्ति का घर नहीं चुना. उन्होंने एक गरीब व्यक्ति के घर की गोशाला में घास पर जन्म लिया. दरअसल, वे गरीब, भोले-भाले और शोषित व पीड़ित लोगों का उद्धार करने आये थे. इसीलिए उन्होंने जन्म से ही ऐसे लोगों के बीच अपना स्थान चुना. यह बहुत बड़ा संदेश था.

30 वर्ष की आयु में ईसा मसीह ने सामाजिक अव्यवस्था के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की. उन्होंने जनता को दीन-दुखियों और लाचारों की सहायता करने, प्रेमभाव से रहने, लालच न करने, ईश्वर और राज्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने, जरूरतमंद की जरूरत पूरी करने, आवश्यकता से ज्यादा धन संग्रह न करने का उपदेश दिया. आज ईसा मसीह के दिए हुए संदेशों की प्रासंगिकता बहुत ज्यादा है, क्योंकि भले ही सामाजिक बुराइयों ने अपना रूप बदल लिया हो, लेकिन वे आज भी समाज में विद्यमान हैं और गरीबों, लाचारों, शोषितों, पीड़ितों और दलितों को उनका शिकार होना पड़ता है.

ईसा मसीह ने समाज को समानता का पाठ पढ़ाया था. उन्होंने बार-बार कहा कि वे ईश्वर के पुत्र हैं और भले ही इस दुनिया में क्रूरता, अन्याय और गैर-बराबरी जैसी अनेक बुराइयां हैं, पर ईश्वर के घर में सभी बराबर हैं. उन्होंने ऐसा ही समाज बनाने पर जोर दिया, जिसमें क्रूरता व अन्याय की जगह न हो और सभी प्रेम और समानता के साथ रहें. ऐसी ही एक कहानी बाइबिल में आती है, जो एक सामरी संप्रदाय की स्त्री की है. जब ईसा मसीह ने उससे पीने के लिए पानी मांगा तो स्त्री ने कहा कि तू यहूदी होकर मुझ सामरी स्त्री से पानी क्यों मांगता है? दरअसल, यहूदी लोग सामरियों के साथ किसी प्रकार का व्यवहार नहीं रखते थे और उन्हें कमतर मानते थे. लेकिन ईसा ने उसके हाथ का पानी पिया. ईसा मसीह ने दलित, दमित और असहाय लोगों को आशा और जीवन का संदेश दिया. उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण में लगाया. यही वजह थी कि उन्हें क्रॉस पर मृत्युदंड भी दिया गया. लेकिन दूसरों के हित में काम करने वाले मृत्युदंड से कब भयभीत हुए हैं. क्रिसमस का त्यौहार कई चीजों के लिए खास होता है जैसे क्रिसमस ट्री, स्टार, गिफ्टस आदि. और हां, कई लोग मानते हैं क्रिसमस के दिन सांता क्लॉज बच्चों को उपहार देता है. सांता क्लॉज को याद करने का चलन 4वीं शताब्दी से आरंभ हुआ था और वे संत निकोलस थे जो तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप थे. सांता क्लाज़ लाल व सफेद ड्रेस पहने हुए, एक वृद्ध मोटा पौराणिक चरित्र है, जो रेन्डियर पर सवार होता है तथा समारोहों में, विशेष कर बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. क्रिसमस उम्मीदों और खुशियों का त्यौहार है. ईसा मसीह का जीवन और उनके उपदेश आज भी इसलिए प्रासंगिक हैं, क्योंकि आज भी अमीरी-गरीबी, जातिवाद और सामाजिक विसंगतियां समाज में मौजूद हैं. जब हम अपने आसपास नजर डालेंगे और गरीब व लाचार लोगों के दुख-दर्द को समझेंगे और ईसा मसीह की तरह अपनी कोशिशों से उनके चेहरे पर थोड़ी-सी मुस्कान लाएंगे, तभी हमें क्रिसमस की वास्तविक खुशियां मिलेंगी.

कैसे हुई सांता क्लॉज की प्रसिद्धि...

सांता क्लॉज को भले ही आधुनिक बाजारवाद का प्रतीक माना जाए लेकिन इस किंवदंती की उत्पत्ति सदियों पुरानी है। माना जाता है कि तीसरी सदी में तुर्की में जन्मे संत निकोलस का ही आधुनिक रूप है सांता क्लॉज। अपने धर्मालु और दयालु स्वभाव के कारण वे जबर्दस्त लोकप्रिय थे। उन्होंने अपनी तमाम पुश्तैनी धन-दौलत दान कर दी थी और दूर-दूर तक सफर करके वे गरीबों की मदद किया करते थे। उनकी प्रसिद्धि के साथ-साथ उनसे जुड़ी किंवदंतियां भी फैलती गई। बच्चों के प्रति उनके स्नेह की कथाएं विशेष रूप से प्रचलित हुईं। 6 दिसंबर को उनकी पुण्यतिथि बड़े पैमाने पर मनाई जाने लगी। माना जाता है कि सेंट (संत) निकोलस का नाम ही बिगड़कर पहले सिंतर क्लॉस और फिर सांता क्लॉज हो गया। योरप में खूब फैलने के बाद सांता क्लॉज की प्रसिद्धि 18वीं सदी में अमेरिका पहुंची। 1773-74 में न्यूयॉर्क में बसे हॉलैंड मूल के परिवारों ने सामूहिक रूप से सिंतर क्लॉस की पुण्यतिथि मनाई। फिर 1804 में न्यूयॉर्क हिस्टॉरिकल सोसायटी की वार्षिक सभा में उसके एक सदस्य जॉन पिंटर्ड ने संत निकोलस के लकड़ी के कटआउट बंटवाए। इनमें संत की छवि काफी कुछ वैसी ही थी जैसी आज सांता की छवि हमारे सामने है। तब तक संत निकोलस/ सिंतर क्लॉस/ सांता क्लॉज का क्रिसमस के साथ कोई सीधा संबंध नहीं था। फिर 1822 में क्लेमेंट क्लार्क मूर ने अपनी तीन बेटियों के लिए एक लंबी कविता लिखी एन अकाउंट ऑफ ए विजिट फ्रॉम सेंट निकोलस। इसमें सेंट निकोलस को एक गोलमटोल, हंसमुख बुजुर्ग बताया गया, जो क्रिसमस की पूर्व रात्रि में रेनडियर वाली गाड़ी में उड़ते हुए आते हैं और चिमनी केरास्ते घरों में प्रवेश कर घर में टंगी जुराबों में बच्चों के लिए उपहार छोड़ जाते हैं। यह कविता जब प्रकाशित हुई तो अमेरिका भर में सेंट निकोलस/ सांता क्लॉज लोकप्रिय हो गए। जर्मन मूल के अमेरिकी कार्टूनिस्ट थॉमस नेस्ट 1863 से प्रति वर्ष सांता की नई छवि गढ़ने लगे। 1880 के दशक तक सांता की छवि वह रूप ले चुकी थी, जिससे आज हम सब परिचित हैं।

स्वर्गदूतों ने दिया था यीशु जन्म का संदेश

ऐसी मान्यता है कि यीशु के जन्म के अवसर पर स्वर्गदूतों ने सर्वोच्च गगन में परमेश्वर को महिमा और पृथ्वी पर उसके कृपापात्रों को शांति यह संदेश कुछ चरवाहों को दिया था। गत हजारों वर्ष से ख्रीस्त जयंती की मंगलमय बेला में करोड़ों कंठों से इस संदेश की प्रतिध्वनि गूंजती आ रही है। इस संदेश की सुंदरता इसमें है कि यीशु के जन्म के साथ उदित होने वाली नई विश्वव्यवस्था की झलक इसमें निहित है। पृथ्वी पर मानवों के शांतिपूर्ण जीवन में ईश्वर की स्वर्गीय महिमा प्रतिबिंबित है। मनुष्य में ईश्वर महिमान्वित होता है। यीशु ईश्वर और मनुष्य के बीच की सजीव कड़ी है। सच्ची शांति अच्छे मन का अनुभव है। ऐसी शांति तभी संभव है जबकि हृदय भय और मृत्यु से, दर्द और पीड़ा से मुक्त हो। लेकिन हम एक भ्रष्ट और दमनकारी संसार में जीते हैं जहां भय राज करता है और शांति की जड़ कमजोर है। यह अस्वाभाविक भी नहीं है क्योंकि यहां सच्चे दिलवालों की संख्या निराशाजनक रूप से कम है। जहां धन और बल मनुष्य के भविष्य में नियंता हों, जहां ईमानदारी और नैतिकता को कमजोरी के लक्षण माना जाता हो, वहां शांति और सच्चाई का बना रहना असंभव है। आज संसार में जो शांति दिखाई पड़ती है, वह हृदय की सच्चाई से नहीं बल्कि हथियारों के समझौते से निकली है। शायद यीशु की विश्वव्यवस्था की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि हर मानव किसी भी जाति-वर्ग-वर्ण भेद के बिना ईश्वर की संतान बन सकता है। ईश्वर का जो रूप यीशु ने लोगों को बताया वह वास्तव में मन को छूने वाला है। ईश्वर इतना उदार है कि वह भले और बुरे, दोनों पर अपना सूर्य उगाता तथा धर्मी और अधर्मी दोनों पर पानी बरसाता है। ईश्वर सबको प्यार करता है, सबका ख्याल रखता है और पश्चातापी पापी को क्षमा करता है। मनुष्य को विधाता पर भरोसा रखना चाहिए। इस परम पिता की योग्य संतान बनने के लिए मनुष्य को दूसरों को प्रेम करना, दूसरों की सेवा करना तथा उनकी गलतियों को क्षमा करना है। इस नई व्यवस्था की मूल आज्ञा बिना शर्त प्रेम है और इसका स्वर्णिम नियम है- दूसरों से अपने प्रति जैसा व्यवहार चाहते हो, तुम भी उनके प्रति वैसा ही किया करो।

क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा

क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा जर्मनी में दसवीं शताब्दी के बीच शुरू हुई और इसकी शुरुआत करने वाला पहला व्यक्ति बोनिफेंस टूयो नामक एक अंगरेज धर्मप्रचारक था। इसके बाद अमेरिका के एक आठ साल के बीमार बच्चे ने क्रिसमस पेड़ को अपने पिता से सजवाया तब से क्रिसमस ट्री को रंग-बिरंगी बत्तियों, फूलों और कांच के टुकड़ों से सजाया जाने लगा। इंग्लैंड में 1841 में राजकुमार पिंटो एलबर्ट ने विंजर कासल में क्रिसमस ट्री को सजावाया था। उसने पेड़ के ऊपर एक देवता की दोनों भुजाएं फैलाए हुए मूर्ति भी लगवाई, जिसे काफी सराहा गया। क्रिसमस ट्री पर प्रतिमा लगाने की शुरुआत तभी से हुई। पिंटो एलबर्ट के बाद क्रिसमस ट्री को घर-घर पहुंचाने में मार्टिन लूथर का भी काफी हाथ रहा। क्रिसमस के दिन लूथर ने अपने घर वापस आते हुए आसमान को गौर से देखा तो पाया कि वृक्षों के ऊपर टिमटिमाते हुए तारे बड़े मनमोहक लग रहे हैं। मार्टिन लूथर को तारों का वह दृश्य ऐसा भाया कि उस दृश्य को साकार करने के लिए वह पेड़ की डाल तोड़ कर घर ले आया। घर ले जाकर उसने उस डाल को रंगबिरंगी पन्नियों, कांच एवं अन्य धातु के टुकड़ों, मोमबत्तियों आदि से खूब सजा कर घर के सदस्यों से तारों और वृक्षों के लुभावने प्राकृतिक दृश्य का वर्णन किया। वह सजा हुआ वृक्ष घर सदस्यों को इतना पसंद आया कि घर में हर क्रिसमस पर वृक्ष सजाने की परंपरा चल पड़ी। 1920 की बात है, सान फ्रांसिस्को शहर में पांच साल की बालिका की हालत गंभीर थी। उसके पिता सैंडी ने कुछ बड़े-बड़े मिट्टी के हंडों पर चित्रकारी की और उन्हें घर से सड़क की दूसरी तरफ रस्सी पर लटका कर दिखाया। वे इतने सुंदर लगे कि काफी लोग उन्हें देखने को इकट्ठे हो गए। सौभाग्य की बात थी कि नए साल तक बालिका भी ठीक हो गई। इस घटना से सैंडी बड़ा चकित हुआ। अब वह लोगों को क्रिसमस वृक्ष सजाने के अलावा लगाने के लिए भी कहता। उसने कैलिफोर्निया में एक संस्था बनाई, जो पेड़ लगाने के उत्सुक लोगों को रेडवुड वृक्ष के पौधे मुफ्त भेजती थी। सैंडी ने 20 साल तक रेडियो, समाचार-पत्रों आदि में लेख और व्याख्यान देकर लोगों को पेड़ लगाने के लिए उत्साहित किया।

क्रिसमस ट्री की कथा है कि जब महापुरुष ईसा का जन्म हुआ तो उनके माता-पिता को बधाई देने आए देवताओं ने एक सदाबहार फर को सितारों से सजाया। कहा जाता है कि उसी दिन से हर साल सदाबहार फर के पेड़ को क्रिसमस ट्री प्रतीक के रूप में सजाया जाता है।

विदेशों में कैसे सजाया जाता है क्रिसमस ट्री

- योरपीय मुल्कों में क्रिसमस की पूर्व संध्या को क्रिसमस ट्री दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इस पर बिजली के रंगबिरंगे बल्ब जगमगाते रहते हैं। देश-विदेश के महकते फूल भी इसकी शोभा में चार चांद लगाते हैं। हीरे-मोती से जड़े कंगन इसकी पतली-पतली टहनियों में बड़ी तरकीब से पिरोए जाते हैं। ये कंगन अपनी बहुरंगी आभा से क्रिसमस ट्री को और भी ज्यादा रोशन करने लगते हैं।
- अमेरिका के अरबपति तो क्रिसमस ट्री की विशेष सज्जा के लिए कुछ खास किस्म के कीमती आभूषणों का प्रयोग करते हैं। ये आभूषण हवा के साथ-साथ तरह-तरह की खुशबू से महकने भी लगते हैं। बाद में इन आभूषणों को गरीबों में बांट दिया जाता है।
- स्विस वैज्ञानिकों का कहना है कि क्रिसमस के पेड़ में आनुवांशिक परिवर्तन कर उन्हें स्वयं ही प्रदीप्त होने वाला बनाया जा सकता है। इतना ही नहीं, आनुवांशिक परिवर्तन वाले पेड़ विद्युत सर्पमीन की तरह आवाज भी निकाल सकेंगे।
- इस संदर्भ में ज्यूरिख के वैज्ञानिक डॉ. बर्नार्ड का कहना है क्रिसमस ट्री में जैविक परिवर्तन कर प्रकाश संश्लेषण के जरिए विद्युत उत्पादन किया जा सकता है। हां, आनुवांशिक परिवर्तन के उपरांत इन पेड़ों को कहीं भी लगाया जा सकता है।
- इंग्लैंड के निवासी जन्मदिन, विवाह एवं मृत्यु पर क्रिसमस ट्री जमीन में रोपते हैं, ताकि धरती सदा हरियाली से झूमती रहे।

गो कैरोलिंग दिवस

दुनिया को शांति और अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिन क्रिसमस से ठीक पहले उनके संदेशों को भजनों (कैरल) के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाने की प्रथा को विश्व के विभिन्न हिस्सों में 'गो कैरोलिंग दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

दिल्ली स्थित रोमन कैथलिक चर्च के प्रवक्ता फादर डोमेनिक इमैनुअल के अनुसार क्रिसमस से ठीक पहले कैरोलिंग दिवस के दिन ईसाई धर्मावलंबी रंगबिरंगे कपड़े पहनकर एक-दूसरे के घर जाते हैं और भजनों के माध्यम से प्रभु के संदेश का प्रचार-प्रसार करते हैं। उन्होंने कहा, 'प्रभु की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं के समूह में भजन गायन का यह सिलसिला क्रिसमस के बाद भी कई दिनों तक जारी रहता है। कैरल एक तरह का भजन होता है जिसके बोल क्रिसमस या शीत ऋतु पर आधारित होते हैं। ये कैरल क्रिसमस से पहले गाए जाते हैं।'' डोमेनिक ने कहा, 'ईसाई मान्यता के अनुसार कैरल गाने की शुरुआत यीशु मसीह के जन्म के समय से हुई। प्रभु का जन्म जैसे ही एक गौशाला में हुआ वैसे ही स्वर्ग से आए दूतों ने उनके सम्मान में कैरल गाना शुरू कर दिया और तभी से ईसाई धर्मावलंबी क्रिसमस के पहले ही कैरल गाना शुरू कर देते हैं।'' फादर डोमेनिक ने कहा कि गो कैरोलिंग दिवस एक ऐसा मौका होता है जब लोग बड़े धूमधाम से प्रभु यीशु की महिमा, उनके जन्म की परिस्थितियों, उनके संदेशों, मां मरियम द्वारा सहे गए कष्टों के बारे में भजन गाते हैं। डोमेनिक ने बताया कि प्रभु यीशु मसीह का जन्म बहुत कष्टमय परिस्थितियों में हुआ। उनकी मां मरियम और उनके पालक पिता जोसफ जनगणना में नाम दर्ज कराने के लिए जा रहे थे।उन्होंने कहा कि इसी दौरान मां मरियम को प्रसव पीड़ा हुई लेकिन किसी ने उन्हें रुकने के लिए अपने मकान में जगह नहीं दी। अंततः एक दंपति ने उन्हें अपनी गौशाला में शरण दी जहां प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ। फादर डोमेनिक ने बताया कि भारत में भी यह दिन बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर समेत समूचे पूर्वोत्तर भारत में लोग विशेषकर युवा बेहद उत्साह के साथ टोलियों में निकलते हैं और रात भर घर-घर जाकर कैरल गाते हैं।

उपहारों का आदान-प्रदान

लीजिए, क्रिसमस आ गया! प्रेम, करुणा, क्षमा और सद्भावना का संदेश देने वाले ईसा मसीह का जन्मदिन। यूं तो यह विश्व की एक तिहाई आबादी यानी ईसाइयों का त्यौहार है, लेकिन क्रिसमस का तिलस्म ईसाइयों तक सीमित नहीं है और क्यों नहीं, आखिर ईसा का संदेश देश, काल, समुदाय, संस्कृति की सीमाओं से परे है। यही कारण है कि क्रिसमस की धूम किसी न किसी रूप में दुनिया भर में मची रहती है। क्रिसमस सिर्फ ईसा के शाश्वत संदेश को याद करने व उनके जन्म की खुशियां मनाने के पर्व तक सीमित नहीं है। विश्व के कई देशों में यह वर्षभर का सबसे बड़ा आर्थिक उत्प्रेरक भी है। इनमें विश्व अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने वाले अमेरिका, योरप के साथ-साथ अन्य कई देश भी शामिल हैं। जहां नुक्कड़ की दुकानों से लेकर बड़े-बड़े मॉल्स तक में क्रिसमस पर तमाम वस्तुओं की बिक्री सामान्य से कई गुना तक बढ़ जाती है। अनेक छोटी-बड़ी कंपनियां इस अवसर पर अपने नए उत्पाद लांच करती हैं। लुभावने सेल व डिस्काउंट योजनाएं तो होती ही हैं। बिक्री इसलिए भी अधिक होती है क्योंकि लोग क्रिसमस पर केवल स्वयं के लिए ही खरीददारी नहीं करते बल्कि रिश्तेदारों, मित्रों, स्नेहियों को भेंट करने के लिए उपहार भी खरीदते हैं। कंपनियां अपने कर्मचारियों को उपहार देने के लिए थोक में ऑर्डर देती हैं। क्रिसमस पर जमकर खरीददारी करते हैं और उपहारों का आदान-प्रदान भी करते ही हैं। पसंद न आने वाले उपहारों की आपस में अदला-बदली कर लेने का चलन भी काफी बढ़ गया है। आपको कहीं से मिला उपहार मुझे पसंद है और मुझे मिल गया है आपकी पसंद का उपहार, तो चलो एक्सचेंज कर लें। आप भी खुश, मैं भी खुश। उपहार देने वालों का कोई नुकसान नहीं हुआ और दुकानदार तो खैर, माल बेचकर खुश है ही। चारों ओर खुशियां फैलाने से बेहतर क्या तरीका होगा क्रिसमस मनाने का!

अश्विन ने बताया धोनी की सफलता का राज, कहा-बुनियादी बातों पर टिके रहना उन्हें दूसरों से अलग बनाता है

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बतौर कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की सफलता का खुलासा करते हुए कहा कि उनकी सादगी और बुनियादी बातों पर टिके रहना उन्हें दूसरे कप्तानों से अलग बनाता है। मैदान पर सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक माने जाने वाले धोनी ने भारत के लिए हर ट्रॉफी जीतने के बाद संन्यास ले लिया। 2007 में, धोनी ने टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण में एक युवा भारतीय टीम को टी20 विश्व कप चैंपियन बनाया। चार साल बाद, वह कपिल देव की अगुआई वाली 1983 विश्व कप विजेता टीम के बाद भारत को एकदिवसीय विश्व कप खिताब दिलाने वाले पहले कप्तान बने। 2013 में, जब भारतीय टीम के हालात बहुत खराब थे, तब धोनी ने बेहद शांतचित्त होकर भारतीय टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीताई। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स में फिर से एक साथ आने की तैयारी कर रहे दोनों खिलाड़ियों के बीच, अश्विन ने इस बात पर जोर दिया कि धोनी की सादगी और बुनियादी बातों पर टिके रहना उन्हें दूसरों से अलग बनाता है।

ब्राजील के डिफेंडर एड्रिएलसन ल्योन लौटे

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के डिफेंडर एड्रिएलसन बोटाफोगो में चार महीने का ऋण अनुबंध पूरा करने के बाद ल्योन लौट आए हैं। ब्राजील के सेरी ए क्लब ने उक्त जानकारी दी। रियो डी जेनेरियो क्लब को छोड़कर ल्योन के लिए साइन करने के आठ महीने बाद एड्रिएलसन सितंबर में बोटाफोगो में शामिल हुए थे और अब फिर से अपने पुराने क्लब ल्योन वापस आ गए। ल्योन और बोटाफोगो दोनों के मालिक अमेरिकी व्यवसायी जॉन टेक्स्टर हैं। बोटाफोगो के साथ अपने नवीनतम कार्यकाल में, एड्रिएलसन ने 11 मैच खेले और क्लब को ब्राजीलियन सीरी ए खिताब के अलावा कोपा लिबर्टाडोरेस जीतने में मदद की। बोटाफोगो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आप एक मिशन पर एक व्यक्ति के रूप में बोटाफोगो में वापस आए और आपने अपना नाम हमारे इतिहास में दर्ज कर लिया। हमें आप पर बहुत गर्व है। बोटाफोगो में वापसी से पहले एड्रिएलसन ने ल्योन के लिए आठ महीनों में सिर्फ़ चार बार पहली टीम में जगह बनाई थी।

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण तीन महीने के लिए क्रिकेट से दूर हुए बेन स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में दोबारा चोट लगने के कारण तीन महीने के लिए क्रिकेट से बाहर हो गए हैं। 33 वर्षीय स्टोक्स को इस महीने की शुरुआत में सेडन पार्क में तीसरे दिन मैदान छोड़ना पड़ा था। इस मैच में इंग्लैंड को 423 रन से हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के 56वें ??ओवर की दूसरी गेंद एक बाउंसर फेंकने के बाद उन्हें तुरंत अपनी बाईं जांघ के पिछले हिस्से में दर्द महसूस हुआ, यह उनका 13वां और दिन का तीसरा ओवर था। अगस्त में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के खिलाफ़ नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए बल्लेबाजी करते समय उन्हें यही हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी, जिसके कारण वे दो महीने तक मैदान से बाहर रहे। इंग्लैंड लौटने पर स्कैन करवाने के बाद, सोमवार दोपहर को ईसीबी ने चोट के फिर से उभरने की पुष्टि की। स्टोक्स की चोट की गंभीरता इस सप्ताह की शुरुआत में तब पता चली जब यह पुष्टि की गई कि उन्हें फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा गया है। ईसीबी ने कहा कि मेडिकल आधार पर उनके नाम पर विचार नहीं किया गया। नवंबर 2023 में भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप से बाहर होने के बाद से उन्होंने इंग्लैंड की वनडे टीम के लिए नहीं खेला है। अक्टूबर 2023 में सफल घुटने की सर्जरी के बाद घरेलू समर में आने के बाद, उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों में 49 ओवर फेंके, जिसमें पांच विकेट लिए और इस तरह से उन्होंने अपने करियर में 200 शिकार पूरे किए। इसके बाद, घुटने में चोट लगने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा, जिससे उन्हें सीजन के अंत में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज और पाकिस्तान दौरे के पहले टेस्ट से बाहर होना पड़ा।

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए आमिर जंगू वेस्टइंडीज की टीम में शामिल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे डेब्यू में शतक लगाने वाले आमिर जंगू को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। इस बीच, स्पिनर गुडाकेश मोती को भी मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की अपनी अंतिम सीरीज के लिए टीम में वापस बुलाया गया है।

चोट से उबर रहे तेज गेंदबाज शमर जोसेफ बाहर हो गए हैं, जबकि अल्जारी जोसेफ चयन के कारण उपलब्ध नहीं थे। यह सीरीज 17 जनवरी, 2025 को शुरू होगी, जिसमें मुल्तान दोनों खेलों की मेजबानी करेगा। चुनी गई टीम को लेकर मुख्य कोच आंद्रे कोली ने कहा, जनवरी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए, हमने जो अच्छा प्रदर्शन किया है, उसे आगे बढ़ाने और 2024 से मिली सीख को ठोस नतीजों में बदलने पर ध्यान केंद्रित किया है। स्पिन अटैक को मजबूत करने के लिए मोती टीम में फिर से शामिल हुए हैं।

वेस्टइंडीज की टीम: क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), जोशुआ दा सिल्वा (उपकप्तान), एलिक अथानाज़े, कीसी कार्टी, जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, टेविन इमलाच, आमिर जंगू, मिकाइल लुइस, गुडाकेश मोटी, एंडरसन फिलिप, केमर रोच, केविन सिंक्लेयर, जेडन सील्स, जोमेल वारिकन।

रोमांचक मुकाबले में गुजरात ने उत्तराखंड को पांच रनों से हराया

एजेंसी

जयपुर। आर्य देसाई (106) की शतकीय और उमंग कुमार (87) की अर्धशतकीय पारियों के प्रियजीत सिंह जाडेजा (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत गुजरात ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में उत्तराखंड को पांच विकेट से हरा दिया। आर्य देसाई को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। गुजरात के 280 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी उत्तराखंड की शुरुआत खराब रही और उसने 21 रन अपने सलामी बल्लेबाज अवनीश सुधा (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रविकुमार समर्थ ने युवराज चौधरी के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 68 रनों की साझेदारी हुई। 16वें ओवर में चिंतन गजा ने युवराज चौधरी (50) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद कप्तान कुणाल चंदेला (छह), दिक्षांशु नेगी (12), आदित्य तरे (47) और स्वप्निल सिंह (15) रन बनाकर आउट हुए। रविकुमार समर्थ ने 101 गेंदों में 82 रनों की पारी खेली। हिमांशु बिष्ट (22) और अभय नेगी (10) रन बनाकर आउट हुए। गुजराज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे उत्तराखंड की पूरी टीम 49.4 ओवर में 275 रन पर सिमट गई। गुजरात की ओर से प्रियजीत सिंह जाडेजा ने चार, चिंतन गजा और अरज़ान नागवासवाला ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। रवि बिश्नोई और हेमांग पटेल को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले आज यहां गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला। बल्लेबाजी करने उतरी उत्तराखंड के लिए सलामी बल्लेबाज आर्य देसाई ने 119 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुए (106) रन बनाये। कप्तान चिंतन गजा ने (30) रन बनाये। उमंग कुमार ने 63 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्कों की मदद से (87) रनों की पारी खेली। क्षितिज पटेल (14) और रवि बिश्नोई (12) रन बनाकर आउट हुये। गुजरात के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। उत्तराखंड के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 48.1 ओवर में 280 रनों पर रोक दिया। उत्तराखंड के लिए अग्रिम तिवारी ने तीन विकेट लिये। दीपक धपोला और अवनीश सुधा को दो-दो विकेट मिले। अभय नेगी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारतीय टीम घोषित, निकी प्रसाद होंगी कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने आगामी आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। निकी प्रसाद को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि सानिका चालके उपकप्तान होंगी। यह टूर्नामेंट 18 जनवरी, 2025 से 02 फरवरी, 2025 तक मलेशिया में खेला जाएगा। निकी की कप्तानी में भारत ने बांग्लादेश हराकर अभी हाल ही समाप्त हुए अंडर-19 महिला एशिया कप का खिताब जीता था। अंडर-19 विश्व कप में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 4 समूह में बांटा गया है, प्रत्येक समूह में 4 टीमें शामिल हैं। भारत, जो गत चैंपियन है, को ग्रुप ए में मेजबान मलेशिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ रखा गया है। कुआलालंपुर का बायुमास ओवल भारतीय टीम के ग्रुप स्टेज मैचों की मेजबानी करेगा। भारतीय टीम अपना अभियान 19 जनवरी, 2025 को वेस्ट इंडीज के खिलाफ शुरू करेगी। ग्रुप स्टेज मुकाबलों के समापन के बाद, प्रत्येक ग्रुप से तीन टीमें सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करने वाली 12 टीमों को दो समूहों में बांटा गया है। ग्रुप 1 में ग्रुप ए और ग्रुप डी से शीर्ष तीन टीमें शामिल होंगी जबकि ग्रुप 2 में ग्रुप बी और ग्रुप सी से शीर्ष तीन टीमें शामिल होंगी सुपर सिक्स चरण में प्रत्येक टीम अपनी जीत, अंक और नेट रन-रेट (एनआरआर) को आगे बढ़ाएगी जो कि उनकी साथी सुपर सिक्स क्वालीफाइंग टीमों के खिलाफ सुरक्षित है। प्रत्येक टीम सुपर सिक्स चरण में अलग-अलग स्थानों पर समाप्त होने वाले संबंधित समूहों के विरोधियों के खिलाफ दो गेम खेलेगी। दो सुपर सिक्स चरण समूहों से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। सेमीफाइनल 31 जनवरी, 2025 को होगा। टूर्नामेंट का फाइनल 02 फरवरी, 2025 को होगा।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में नहीं खेलेंगे मोहम्मद शमी : बीसीसीआई

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम दो मैचों में नहीं खेलेंगे।

बीसीसीआई की जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि उनका चिकित्सा दल तेज गेंदबाज शमी की रिकवरी पर नजदीकी से नजर बनाये हुए है। वह अपनी एड़ी की समस्या से पूरी तरह उबर चुके हैं। उन्होंने एक रणजी ट्रॉफी मैच खेला और 43 ओवर किए और फिर उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के भी नौ मैच खेले, जहां उन्होंने लगभग हर मैच में अपने कोटे की पूरी गेंदबाजी की। विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान उनके बाएं पैर के घुटने में सूजन होने लगी। यह गेंदबाजी करने के साथ-साथ और भी बढ़ने लगी। इस कारण उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बचे मैचों के लिए चयन योग्य नहीं समझा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि शमी फिलहाल राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) की निगरानी में हैं और बड़े प्रारूपों के लिए उनको तैयार किया जा रहा है।

घुटने की समस्या के उपचार के बाद ही वह विजय हजारे ट्रॉफी में भाग ले सकेंगे। शमी को 21 दिसंबर को चल रही विजय हजारे ट्रॉफी के अपने पहले मैच के लिए बंगाल की टीम में शामिल नहीं किया गया था। बीसीसीआई ने अब कहा है कि टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी उनके घुटने की स्थिति पर निर्भर करेगी।

तनुष कोटियान को भारतीय टेस्ट टीम में मिली जगह

एजेंसी

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया में खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के शेष मैचों के लिए भारतीय टेस्ट टीम में मुंबई के ऑफ स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियान को शामिल किया गया है। वह गाबा टेस्ट के बाद संन्यास लेने वाले आर अश्विन की जगह लेंगे। कोटियान अहमदाबाद से मेलबर्न के लिए रवाना होंगे।

कोटियान इस समय अहमदाबाद में विजय हजारे ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम के साथ है। उन्होंने 33 प्रथम श्रेणी मैचों में 25.70 की औसत से 101 विकेट लिए हैं, जिसमें पांच पंजा और तीन बार मैच में 10-विकेट हॉल शामिल है। इसके अलावा उन्होंने 47 पारियों में 41.21 की औसत से 1525 रन भी बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 13 अर्धशतक शामिल है।वह हाल ही में इंडिया ए टीम का लगातार हिस्सा रहे हैं। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंडिया ए के लिए उन्होंने एक मैच में

44 रन बनाने के साथ-साथ एक विकेट भी लिया था। कोटियान ने मुंबई की 2023-24 रणजी ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 41.83 की औसत से 502 रन बनाने के साथ-साथ 16.96 की औसत से 29 विकेट के साथ प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। वह उस सत्र 500 रन और 25 विकेट का डबल बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। ऐसा माना जा रहा है कि वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जाडेजा के रहते हुए उनका बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेलने की संभावना बहुत कम है।

पाकिस्तान ने वर्षा बाधित मैच में दक्षिण अफ्रीका को 36 रनों से हराया

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। सैम अयूब (101) की शतकीय, बाबर आजम (52) और कप्तान मोहम्मद रिजवान (53) की अर्धशतकीय पारियों के बाद सुफिया मकिम की शानदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने रविवार को वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर 36 रनों से हरा दिया। इसी जीत के साथ ही पाकिस्तान ने तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपना नाम कर ली। 309 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सात ओवर में 44 रन पर अपने नो विकेट गंवा दिए। कप्तान तेम्बा बवूमा (आठ) और टोनी डीजॉर्जी (26)रन बनाकर आउट हुये। रासी वान दर दुसें (35) और एडन मारक्रम (19) रन बनाकर आउट हुये। द. अफ्रीका की ओर से हेनरिच क्लासेन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। क्लासेन 43 गेंद में 12चौके और दो छक्के लगाते हुए (81) रन बनाए। पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे द. अफ्रीका के नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। मार्को यानसन (26) और कगिसो रबाड़ा (14) रन बनाकर आउट हुये । कोरिन बोश ने (नाबाद 40) रनों की पारी खेली। द. अफ्रीका 42 ओवर में 271 रन बना सका और उसे डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर 36 रनों से हार का सामना करना पड़ा।पाकिस्तान के लिए इस मैच में पर्दापण करने वाले सुफियान मुकीम ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिये। शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को दो-दो विकेट मिले। मोहम्मद हसनैन और सैम अयूब ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इस मैच में जीत दर्ज करते ही पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को उसी के घर में क्लीन स्वीप करने वाली विश्व की पहली टीम बन गई। पाकिस्तान के सैम अयूब को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच और 'प्लेयर ऑफ सीरीज' से नवाजा गया। इससे पहले कल देर रात पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 309 रनों का लक्ष्य दिया था। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बारिश के कारण मैच को 47 ओवर का कर दिया गया था। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में अब्दुल्लाह शफीक (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बाबर आजम ने सैम अयूब के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 114 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में वेना मफाका ने बाबर आजम (52) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने कप्तान ने भी सैम का साथ पकड़ लिया। 35वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने सैम अयूब को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को तीसरी सफलता दिलाई। अयूब ने 94 गेंदों में 13 चौके और दो छक्कों की मदद से (101) रनों की पारी खेली। मोहम्मद रिजवान ने 52 गेंदों में पांच चौके एक छक्का लगाते हुए (53)रन बनाये। आगा सलमान ने 33 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (48) रन बनाये।

हरियाणा ने गोवा को आठ विकेट से हराया

एजेंसी

जयपुर। अंकित कुमार (नाबाद 128) और हिमांशु राणा (101) की शानदार शतकीय पारियों के दम पर हरियाणा ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में गोवा को आठ विकेट से हरा दिया है। गोवा के 271 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा के अंकित कुमार हिमांशु राणा बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 192 रनों की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। 28वें ओवर विकास सिंह ने हिमांशु राणा को आउट कर गोवा को पहली सफलता दिलाई। हिमांशु राणा ने 80 गेंदों में 12 चौके और चार छक्के लगाते हुए (101) रन बनाये। इसके बाद पार्थ वत्स (27) रन बनाकर आउट हुये । वहीं अंकित कुमार ने 140 गेंदों में 15 चौके और एक छक्के की मदद से (नाबाद 128) रनो की पारी खेली। हरियाणा ने 44.4 ओवर में दो विकेट पर 275 रन बनाकर आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया। गोवा की ओर से विकास सिंह और शुभम तारी ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले आज यहां हरियाणा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा के स्नेहल कौथनकर और इशान गाडेकर की सलामी जोड़ी पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। 15वें ओवर में अमित राणा ने स्नेहल कौथनकर 26 को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद कृष्णमूर्ति सिद्धार्थ (19) को भी अमित राणा ने अपना शिकार बनाया। सुयश प्रभुदेसाई (18) और दीपराज गांवकर (चार) रन बनाकर आउट हुये। इशान गाडेकर ने 114 गेंदो में सात चौके लगाते हुए (83) रन बनाये। अर्जुन तेंदुलकर (14)रन बनाकर आउट हुये।

दिल्ली ने मप्र को 79 रनों से शिकस्त दी

एजेंसी

हैदराबाद। अनुज रावत (78), सार्थक रंजन (41) की शानदार बल्लेबाजी के बाद नवदीप सैनी (चार विकेट) और ऋतिक शौकीन (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दिल्ली ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ई मुकाबले में मध्यप्रदेश को 79 रनों से शिकस्त दी। नवदीप सैनी को बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

212 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी मध्यप्रदेश के लिए हर्ष गवली और शुभ्रांशु सेनापति की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 68 रन जोड़े। 13वें ओवर में ऋतिक शौकीन ने हर्ष गवली को (42) को आउट कर दिल्ली को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 23वें ओवर में प्रिंस यादव ने शुभ्रांशु सेनापति (55) को आउटकर दिया। इसके बाद दिल्ली के गेंदबाजी आक्रमण के आगे मध्यप्रदेश का कोई भी बल्लेबाज पिच पर नहीं टिक सका। हरप्रीत सिंह (14) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। दिल्ली के गेंदबाजों ने

मध्यप्रदेश की पूरी टीम 37.1 ओवर में 132 रन पर समेट कर 79 रनों से मुकाबला जीत लिया। दिल्ली की ओर से नवदीप सैनी ने चार विकेट लिये। ऋतिक शौकीन ने तीन बल्लेबाजों को आउट किया। प्रिंस यादव को दो विकेट मिले।

इससे पहले मध्यप्रदेश ने आज यहां टॉस जीतकर दिल्ली को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली ने अनुज रावत (78), सार्थक रंजन (41) ,ऋतिक शौकीन (28), मयंक गुसैन (22) और हर्ष त्यागी (11) के योगदान से 48.4 ओवर में 211 का स्कोर खड़ा किया। मध्यप्रदेश की ओर से कुमार कार्तिकेय,कुलवंत खेजरोलिया और सागर सोलंकी ने दो-दो विकेट लिये। आवेश खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड दौरे के लिए एकदिवसीय टीम की घोषणा की

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच जनवरी से शुरु होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी हैं।चैरिथ असलांका की अगुआई वाली इस टीम में लाहिरू कुमारा, ईशान मलिंगा और वानिंदु हसरंगा को शामिल किया गया है।तीन एकदिवीसय सीरीज का पहला मैच पांच जनवरी को वेलिंगटन, दूसरा मैच आठ जनवरी को हैमिल्टन तथा तीसरा मुकाबला 11 जनवरी ऑकलैंड में खेला जायेगा।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए श्रीलंका एकदिवसीय टीम इस प्रकार हैः- चैरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, निशान मदुष्का, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, नुवानिदु फर्नांडो, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, जेफरी वांडरसे, चामिदु विक्रमसिंघे, असिथा फर्नांडो, मोहम्मद शिराज, लाहिरू कुमारा तथा ईशान मलिंगा।

मणिपुर ने ओडिशा को हरा कर राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट जीता

एजेंसी

नारायणपुर। मणिपुर ने ओडिशा को कांटे की टक्कर में 1-0 से हराकर 29 वां राष्ट्रीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता जीत लिया छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में आयोजित राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन आज खिताबी मुकाबले के साथ हो गया। फाइनल मैच मणिपुर और ओडिशा के बीच खेला गया जहां कांटे की टक्कर में मणिपुर ने एक गोल दागकर अपना दबदबा कायम रखा और मैच जीत लिया। हिंसा से जल रहे मणिपुर की टीम ने जीत हासिल करने के बाद बताया कि वहां की हालात बिल्कुल भी ठीक नहीं है। फुटबॉल खेलने के लिए समय नहीं मिल रहा हैं। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बाद सिर्फ 10 दिन की प्रैक्टिस कर खेलने के लिए बस्तर आए हैं। मेहनत और टीम वर्क की वजह से हमने अपने राज्य को उपहार दे दिया है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ क्षेत्र में, जहां गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजती

थी,अब फुटबॉल का शोर सुनाई देने लगा है। गोली की जगह अब दनादन गोल किए जा रहे हैं।दस राज्यों की महिला खिलाडियों ने नारायणपुर में फुटबॉल मैच में अपना जौहर दिखाया। रामकृष्ण मिशन आश्रम के मैदान में 29 वां राष्ट्रीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मणिपुर, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और रेलवे की टीम शामिल रही।

घर में जीत के साथ विदा हुए पुनेरी पल्टन, तमिल थलाइवाज को 10 अंक से हराया

एजेंसी

पुणे। मेजबान पुनेरी पल्टन ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 130वें मैच में तमिल थलाइवाज को 42-32 के अंतर से हराते हुए इस सीजन से विदा दिया। पल्टन ने 22 मैचों में नौवीं जीत दर्ज की जबकि इतने ही मैचों मे 13वीं हार के साथ थलाइवाज का सफर समाप्त हुआ। पल्टन की जीत में उसके डिफेंस (21) की अहम भूमिका रही। थलाइवाज ने भी 17 अंक के साथ डिफेंस में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन दो आलआउट उसे महंगे पड़ गए। साथ ही अंतिम मिनट में दो सुपर टैकल ने उसका काम खराब कर दिया। पल्टन के लिए आर्यवर्धन ने 10, अजीत ने सात, गौरव ने 5 और संकेत, अमन और अली हादी ने चार-चार अंक लिए।अपने घर में सीजन का अंतिम मैच खेल रहे पल्टन ने तीन मिनट में 5-3 की लीड बनाकर थलाइवाज को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया था। थलाइवाज हालांकि बोनस की बदौलत पल्टन के करीब आ गए लेकिन पल्टन ने जल्द ही पहला आलआउट लेते हुए 10-6 की लीड ले ली। आलइन के बाद आर्यवर्धन ने मल्टीप्वाइंटर के साथ फासला दोगुना कर दिया। आर्यवर्धन रोके नहीं रुक रहे थे। तीन अंक की रेड के साथ उन्होंने

थलाइवाज को दूसरी बार आलआउट की ओर धकेला और फिर डिफेंस ने इसे अंजाम देकर 20-7 की लीड ले ली। आलइन के बाद अजीत ने एक और मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर 22-7 कर दिया। बीते पांच मिनट में पल्टन ने 3 के मुकाबले 11 अंक हासिल किए। थलाइवाज ने हालांकि इसके बाद सुधरा हुआ खेल दिखाया और आर्यवर्धन को दो बार शिकार बनाया। पल्टन ने हालांकि 28-13 के साथ पाला बदला। शुरुआती 20 मिनट में थलाइवाज ने 4 के मुकाबले 13 फेल्ड टैकल किए लेकिन हाफटाइम के बाद बस्तामी ने आर्यवर्धन को लपक लिया। सचिन के बोनस के साथ बस्तामी ने अजीत के रूप में एक और शिकार किया। सचिन को लपकने के बाद अमन ने हिमांशु के खिलाफ गलती कर दी। स्कोर 17-30 हो गया था। फिर थलाइवाज के डिफेंस ने चौथी बार आर्यवर्धन का शिकार कर लिया। सचिन लगातार डू ओर डाई रेड कर रहे थे लेकिन सफल नहीं हो पा रहे थे। पल्टन ने इसके बाद भी लगातार दो अंक लेकर 30 मिनट बाद 34-20 कर दिया। इस बीच आर्यवर्धन ने सुपर-10 पूरा किया लेकिन अगली रेड पर लपक लिए गए। थलाइवाज से चमत्कार की उम्मीद थी लेकिन ऐसा होता हुआ दिख नहीं रहा था। शायद दो बार आलआउट होना उसे महंगा पड़ रहा था। इस बीच अबिनेश ने सचिन के खिलाफ एक बेहतरीन टैकल के साथ थलाइवाज का मनोबल तोड़ दिया। अब ढाई मिनट बचे थे और पल्टन 13 अंक से आगे थे। थलाइवाज ने इस फासले को पाटते हुए इस मैच से कम से कम एक अंक हासिल करना चाहा लेकिन अली हादी ने दो सुपर टैकल के साथ उसके हाथ से यह मौका भी छीन लिया। इस तरह शुरुआती चरण में अच्छा खेलने वाली थलाइवाज हार के साथ घर वापसी की।

कुमार विश्वास ने

सोनाक्षी सिन्हा

पर क्या टिप्पणी की जिस पर हो गया विवाद, ये है पूरा बयान

पूर्व केंद्रीय मंत्री और तृणमूल कांग्रेस पार्टी (अस्ट) सांसद शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी सिन्हा को लेकर टिप्पणी करने का सिलसिला जारी है. मशहूर टीवी एक्टर मुकेश खन्ना के बाद अब मशहूर कवि कुमार विश्वास ने भी सोनाक्षी का नाम लिए बगैर ही निशाना साधा. हालांकि उनके कमेंट के बाद अब विवाद शुरू हो गया है. कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने विश्वास से अपने बयान के लिए कहा कि उन्हें अपनी गलती का एहसास करते हुए एक पिता और उनकी बेटी दोनों से माफी मांगनी चाहिए.कवि कुमार विश्वास ने उत्तर प्रदेश के मेरठ में आयोजित एक कविता समारोह के दौरान कहा, अपने बच्चों को नाम याद कराइए, सीताजी के बहनों के, भगवान राम के भाइयों के. साथ ही अपने बच्चों को रामायण सुनवाइए, गीता पढ़वाइए, अन्यथा ऐसा न हो कि आपके घर का नाम 'रामायण' हो लेकिन आपके घर की 'श्रीलक्ष्मी' कोई और उठाकर ले जाए तब पढ़ना.

वीडियो क्लीप सोशल मीडिया पर वायरल

अब यह वीडियो क्लीप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल भी हो रहा है. हालांकि कुमार विश्वास ने अपने कमेंट में किसी परिवार या उसके सदस्य का नाम नहीं लिया. लेकिन उनके कमेंट में इशारा शत्रुघ्न सिन्हा के परिवार की ओर था. सिन्हा के मुंबई स्थित घर का नाम 'रामायण' है, उनकी बेटी अभिनेता सोनाक्षी सिन्हा ने कुछ समय पहले अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी कर ली है.

महिलाओं के लिए असल सोच उजागर: श्रीनेत

कुमार विश्वास के इस कमेंट पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि आप किस हद तक गिरे हुए हैं, इसका तो अंदाजा लग ही गया है. कुमार विश्वास ने सोनाक्षी सिन्हा के अंतरधार्मिक विवाह पर तो घटिया तंज किया ही, साथ ही आपने अपने अंदर महिलाओं के लिए जो असल सोच है उसे भी उजागर कर दिया.उन्होंने आगे कहा, आपके शब्द वरना आपके घर की श्रीलक्ष्मी को कोई और उठा कर ले जाएगा. लड़की क्या कोई सामान है जिसको कोई कहीं भी उठा कर ले जाएगा ? कब तक आपके जैसे लोग औरत को पहले पिता और फिर पति की संपत्ति समझते रहेंगे ? उन्होंने आगे कहा कि आपने रामायण का अध्ययन वाकई में किया होता तो प्रेम जरूर समझते. 2 मिनट की सस्ती तालियां तो आपको जरूर मिलीं लेकिन आपका कद और धंस गया. गलती का एहसास करते हुए एक पिता और उनकी बेटी दोनों से माफी मांगनी चाहिए.

मुकेश खन्ना को देनी पड़ी सफाई

इसी तरह के कमेंट 'शक्तिमान' और 'महाभारत' से चर्चा में आए मुकेश खन्ना भी कर चुके हैं. हालांकि इस पर सोनाक्षी सिन्हा ने खुलेतौर पर तीखा जवाब दिया था. विवाद बढ़ने पर मुकेश खन्ना ने अपने बयान में कहा कि रामायण के बारे में जानकारी नहीं होने को लेकर जब वह सोनाक्षी सिन्हा की आलोचना कर रहे थे तो उन्हें पता था कि वह उन्हें नाराज कर रहे हैं लेकिन उनके कमेंट में किसी प्रकार की दुर्भावना नहीं थी. मुकेश खन्ना ने शत्रुघ्न सिन्हा पर सोनाक्षी को रामायण के बारे में नहीं सिखाने के लिए परवरिश को लेकर टिप्पणी की थी.

हमने जो गलतियां की... दिलजीत दोसांझ-एपी ढिल्लों के विवाद को सुलझाने आए बादशाह, दी ये सलाह

दिलजीत दोसांझ और एपी ढिल्लों के बीच विवाद काफी बढ़ता जा रहा है. ये विवाद दोनों के कॉन्सर्ट के दौरान शुरू हुआ जो कि अब सोशल मीडिया तक पहुंच गया है. अब इस मामले के बीच रैपर सिंगर बादशाह भी दाखिल होते नजर आ रहे हैं. दोनों के बीच चल रहे विवाद में हाल ही में बादशाह ने अपने सोशल मीडिया पर एक स्टोरी शेयर की है. हालांकि, उन्होंने इसमें किसी का भी नाम नहीं लिया है. दिलजीत दोसांझ और एपी ढिल्लों के बीच ये मामला तब बढ़ा जब एपी ढिल्लों ने अपने कॉन्सर्ट के दौरान बताया कि दिलजीत ने उन्हें इंस्टाग्राम से ब्लॉक किया हुआ है.दरअसल, इस साल कई आर्टिस्ट इंडिया टूर कर रहे हैं, जिसमें दिलजीत दोसांझ, एपी ढिल्लों, करण औजला जैसे स्टार्स शामिल हैं. इस दौरान दिलजीत ने अपने इंदौर में हो रहे कॉन्सर्ट के बीच में एपी ढिल्लों और करण औजला को उनके टूर के लिए शुभकामनाएं दी. जिसके बाद एपी ढिल्लों ने इस पर रिएक्ट करते हुए अपने चंडीगढ़ शो के दौरान बताया कि दिलजीत ने उन्हें सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम से ब्लॉक किया हुआ है. आगे दिलजीत ने भी इस पर रिएक्शन दिया, जिसके बाद ये मामला बढ़ता नजर आने लगा है.

साथ रहने की कही बात

इसी बीच बादशाह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने इनडायरेक्टली विवाद में फंसने से दोनों को मना किया है, हालांकि उन्होंने दोनों में से किसी का भी नाम नहीं लिया है. उन्होंने लिखा है कि प्लीज वो गलतियां मत करें जो हम लोगों ने की है, ये हमारी दुनिया है. जैसा कहा जाता है कि अगर आप को तेजी से आगे जाना चाहते हैं, तो आप अकेले जाएं, लेकिन अगर आप दूर तक जाना चाहते हैं, तो साथ चलें. ' एक साथ रहने में शक्ति है.

दिलजीत को ठहराया गलत

एपी ढिल्लों और दिलजीत दोसांझ के बीच विवाद में दिलजीत ने अपने सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए ये बताया कि उन्होंने कभी भी एपी ढिल्लों को ब्लॉक ही नहीं किया था. उन्होंने लिखा कि मैंने कभी आपको ब्लॉक ही नहीं किया है, मेरे पंगे सरकार से हैं, कलाकार से नहीं. इस स्टोरी के कुछ वक्त बाद ही एपी ढिल्लों ने एक स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने एक वीडियो डाली थी. उस वीडियो में एपी ढिल्लों ने दिखाया कि पहले दिलजीत ने उन्हें ब्लॉक किया था, लेकिन कुछ वक्त के बाद अनब्लॉक कर दिया. हालांकि, इस मामले में कौन सही है इसके बारे में कहा नहीं जा सकता है.

वरुण धवन ने खुद गिनवा दिए अपनी अपकमिंग फिल्मों के नाम, 'बेबी जॉन' के बाद इन 4 पिक्चर्स में दिखेंगे

वरुण धवन एक्शन अवतार में पर्दे पर छाने को तैयार हैं. 25 दिसंबर को उनकी फिल्म 'बेबी जॉन' सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. इस फिल्म में उनके साथ कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी और जैकी श्रॉफ दिखने वाले हैं. ये एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसे कलीस ने डायरेक्ट किया है. 'बेबी जॉन' के बाद भी वरुण के पास पहले से 4 फिल्में कंफर्म हैं, जिनमें वो आने वाले समय में नजर आएंगे.वरुण धवन ने खुद हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में बताया है. दरअसल, रणवीर अलाहाबादिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि वो इस बात को मानते हैं कि अब डार्कर फिल्में ज्यादा चलती हैं, लेकिन इसके बाद भी वो कॉमेडी फिल्में करना पसंद करते हैं. उन्होंने कहा, मैं कॉमेडी फिल्में इसलिए करता हूं, क्योंकि एक कलाकार के तौर पर मैं लोगों को हंसाना चाहता हूं. मैं लोगों को एंटरटेन करना चाहता हूं. और पहले दिन से ये मेरा मकसद था कि मुझे लोगों को हंसाना है.इसक बाद उन्होंने अपनी 4 अपकमिंग फिल्मों के नाम बताए, खास बात ये है कि 4 में से तीन फिल्में कॉमेडी जॉनर की हैं. चलिए उन फिल्मों के बारे में जानते हैं.

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी

वरुण ने बताया कि बेबी जॉन के बाद वो 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' नाम की एक फिल्म करने वाले हैं. ये एक कॉमेडी फिल्म है. इसमें उनके साथ जान्हवी कपूर दिखने वाली हैं. दोनों एक साथ पहले भी साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'बवाल' में नजर आ चुके है, जो कि प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी.

है जवानी तो इश्क होना है

उसके बाद वरुण 'है जवानी तो इश्क होना है' नाम की एक फिल्म में भी दिखने वाले हैं. इस फिल्म में भी कॉमेडी का तड़का देखने को मिलेगा. इस फिल्म को वरुण के पिता डेविड धवन ही डायरेक्ट कर रहे हैं.

बॉर्डर 2

एक नाम उन्होंन 'बॉर्डर' के सीक्वल 'बॉर्डर 2' का भी लिया. उनकी ये फिल्म पहले से ही कंफर्म है. पहले पार्ट की तरह सनी देओल एक बार फिर से इस फिल्म का हिस्सा होने वाले हैं. ये फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

नो एंट्री 2

इस लिस्ट में आखिरी फिल्म 'नो एंट्री' का सीक्वल है. इस फिल्म का नाम भी पहले से कंफर्म है. हालांकि, वरुण ने खुद पहली बार इस फिल्म का जिक्र किया है. अनीस बज्मी इस पिक्चर को डायरेक्ट करने वाले हैं और बोनी कपूर प्रोड्यूसर हैं.

ऐश्वर्या राय

आराध्या नहीं मानेंगी क्या? स्कूल फंक्शन के 4 दिन बाद लोगों ने मां-बेटी का नया वीडियो देख पीटा माथा!

बच्चन परिवार हमेशा किसी न किसी वजह के चलते लाइमलाइट में रहा है. बीते दिनों आराध्या बच्चन के स्कूल फंक्शन के कई वीडियो सामने आए. इसमें ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन साथ-साथ दिखे. रही सही कसर दादा जी अमिताभ बच्चन ने पूरी कर दी. पर फंक्शन के 4 दिन बाद मां-बेटी मुंबई से बाहर चली गई हैं. इस बार भी उनके साथ अभिषेक बच्चन नहीं दिखे. लेकिन हाथ पकड़ने को लेकर लोगों ने फिर मजे ले लिए.

बच्चन परिवार बीते कुछ दिनों से जिस तरह से दिखा है, उसे देखकर एक गाना याद आता है- हम साथ-साथ हैं. इसमें कितना सच है यह तो हम नहीं जानते. पर फंक्शन के चार दिन बाद फिर ऐश्वर्या राय और आराध्या अकेले ही एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं. ऐसे में लोगों ने कमेंट करके पूछ लिया कि- अभिषेक बच्चन हर बार साथ क्यों नहीं होते ?

मां-बेटी पर क्यों गुस्सा हो गए लोग ?

विरल भयानी ने ऐश्वर्या राय और आराध्या का लेटेस्ट वीडियो शेयर किया. इसमें वो एयरपोर्ट पर दिखाई दे रही हैं. ऐश्वर्या राय अक्सर ब्लैक ड्रेस में ही दिखाई देती हैं. ऐसे बहुत कम मौके होंगे, जब उन्होंने किसी और कलर का आउटफिट कैरी किया होगा. खासकर एयरपोर्ट पर तो अक्सर ब्लैक ही ड्रेस पहनकर निकलती हैं. उन्हें देखकर लोगों ने कमेंट में लिखा कि- फिर से ब्लैक, खुद तो पहना ही, साथ ही बेटी को भी पहना दिया.वहीं इस वीडियो में भी जैसे ही पैपराजी फोटो खींचने के लिए उनके सामने आए, तो दिखा कि आराध्या मां का हाथ पकड़ रही थी. इस पर एक यूजर ने लिखा- कॉन्फिडेंट की काफी कमी है. यह दोनों न जाने कब मानेंगी ? ऐसा क्या है एयरपोर्ट पर जो हाथ पकड़ना पड़ता है. वहीं, कुछ लोगों ने दोनों को सपोर्ट भी किया है.

कितने साल की हैं आराध्या ?

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की बेटी आराध्या बच्चन 13 साल की हैं. हाल ही में उनके स्कूल में एक फंक्शन हुआ था. जहां ऐश्वर्या-अभिषेक साथ पहुंचे थे. दरअसल आराध्या जब-जब मां के साथ दिखती हैं, तो लोग अक्सर पूछते हैं कि स्कूल नहीं गईं ? हालांकि, नए वीडियो के बाद किसी ने भी उन्हें स्कूल जाने के लिए ट्रोल नहीं किया.